हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 16 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 142, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 12

विश्व कप बचाने का दबाव अर्जेंटीना पर : इंग्लैंड डिफेंडर...

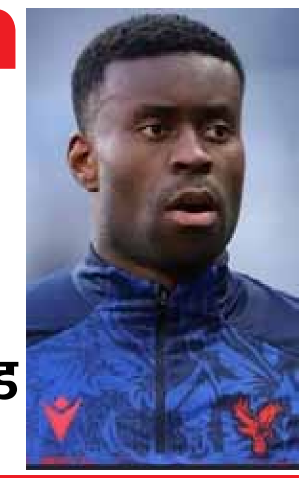

भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू होने से व्यापारिक संबंधों को मिलेगी नई गति : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से दोनों देशों के आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होंगे तथा किसानों, उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाएं ठोस अवसरों में परिवर्तित होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीईटीए भारतीय किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगा। इससे कई प्रमुख भारतीय उद्योगों को ब्रिटेन के बाजार तक अधिक सशक्त पहुंच मिलेगी। साथ ही प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा तथा कुशल भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण राहत देगा और भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच आपसी विश्वास तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश और नवाचार आधारित भविष्य की साझेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और ब्रिटेन साझा समृद्धि के लक्ष्य के साथ आगे भी मिलकर कार्य करते रहेंगे। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर कहा कि भारत-ब्रिटेन संबंधों में आज ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हुई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता प्रभावी हो गया है। इसके तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को शून्य सीमा शुल्क के साथ ब्रिटेन के बाजार में प्रवेश मिलेगा, जो लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य को कवर करता है। गोयल ने कहा कि इस समझौते से वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, समुद्री उत्पाद, रसायन, प्रसंस्कृत खाद्य, एमएसएमई, किसानों और विनिर्माण क्षेत्र को अभूतपूर्व अवसर प्राप्त होंगे। इसके साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, शिक्षा और व्यावसायिक सेवाओं के क्षेत्र में भी नए अवसर सृजित होंगे तथा भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक गतिशीलता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौते के तहत ब्रिटेन में अस्थायी नियुक्ति पर जाने वाले भारतीय पेशेवरों को पांच वर्ष तक दोहरी सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिलेगी, जिससे भारतीय कार्यबल की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और मजबूत होगी। गोयल ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष पीटर काइल तथा दोनों देशों की वार्ता टीमों का समझौते को सफलतापूर्वक अंतिम रूप देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और ब्रिटेन एक सुदृढ़, नवाचार-आधारित साझेदारी के माध्यम से दीर्घकालिक विकास, निवेश और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डरबन में हजारों श्रद्धालुओं ने 27 बार किया हनुमान चालीसा पाठ, मोदी ने दी शुभकामनाएं

डरबन। आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन चिन्मय मिशन ने अपनी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दक्षिण अफ्रीका के डरबन स्थित चैट्सवर्थ स्टेडियम में "मैन टू हनुमान" कार्यक्रम के तहत विशाल हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया, जिसमें 17,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 27 बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे कुल 4.5 लाख से अधिक सामूहिक पाठ पूरे हुए। पाठ के बाद भगवान हनुमान के लिए आटे, घी, चीनी से बनी पारंपरिक मिठाई 'रोट' को हर भक्त को प्रसाद के रूप में बांटा गया। यह कार्यक्रम चिन्मय मिशन साउथ अफ्रीका द्वारा चिन्मय आंदोलन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक 'चिन्मय अमृत महोत्सव' के हिस्से के तौर पर किया गया था। स्टेडियम केसरिया रंग, भक्ति और एकता के सागर में बदल गया। यह कार्यक्रम सिर्फ़ एक धार्मिक सभा नहीं, बल्कि भक्ति, एकता, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का एक शानदार उत्सव बन गया। जब 17,000 से ज़्यादा भक्त केसरिया झंडों के बीच एक साथ खड़े होकर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे, तब चिन्मय मिशन ने अफ्रीका के इतिहास और सनातन धर्म पर वैश्विक चर्चा में एक यादगार पल रचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दक्षिण अफ्रीका में चिन्मय मिशन के अमृत महोत्सव के बारे में जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। यह ऐतिहासिक उत्सव हमारे चिन्मय मिशन की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए साढ़े सात दशकों की समर्पित सेवा को दर्शाता है। महोत्सव का विषय, "चंट डरबन, शांत डरबन" भक्ति की शक्ति के माध्यम से सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने की दृष्टि को समाहित करता है।

आईआरजीसी ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर किए जवाबी हमले

नई सोच एक्सप्रेस। तेहरान

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमलों की नई श्रृंखला शुरू की है। आईआरजीसी के अनुसार, ये हमले उसके 'ऑपरेशन नस्र-2' के चौथे, पांचवें और छठे चरण का हिस्सा हैं और इन्हें ईरानी क्षेत्र पर कथित अमेरिकी हमलों के जवाब में अंजाम दिया गया। आईआरजीसी ने अलग-अलग बयानों में कहा कि ऑपरेशन के चौथे चरण में कुवैत के मीना अब्दुल्ला स्थित अमेरिकी लॉजिस्टिक्स एवं सपोर्ट सेंटर "केजीएन" को निशाना बनाया गया, जिससे वहां भारी नुकसान हुआ। पांचवें चरण में आईआरजीसी ने दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, सैन्य उपकरणों के गोदाम और ईंधन डिपो पर हमला किया गया। संगठन का कहना है कि इन ठिकानों को भी गंभीर क्षति पहुंची। छठे चरण में, आईआरजीसी का दावा है कि जॉर्डन के अल-अज़राक स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने हमला किया। बयान में दावा किया गया कि इस कार्रवाई में अमेरिकी एफ-15, एफ-16 और एफ-35 लड़ाकू विमानों के शेल्टर तथा कई एमक्यू-9 ड्रोन को निशाना बनाया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया। आईआरजीसी ने अमेरिका पर ईरान के दक्षिणी तटीय क्षेत्रों पर क्रूज मिसाइलों और हवाई बमों से हमले करने का आरोप लगाया। संगठन ने कहा कि उसकी जवाबी सैन्य कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिका अपनी कथित आक्रामक गतिविधियां बंद नहीं करता। संगठन ने यह भी दोहराया कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद रहेगा और चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र में तनाव जारी रहा तो तेल और गैस निर्यात के अन्य मार्ग भी प्रभावित हो सकते हैं। ईरान का अरोप है कि 7 अप्रैल से अमेरिका ने ईरानी क्षेत्र का कई बार उल्लंघन किया है। इसी दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को निशाना बनाने वाले अमेरिकी-इजराइली आक्रामकता के हालिया दौर में एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की थी। यह उल्लंघन तब भी जारी रहा जब वाशिंगटन और तेहरान ने पिछले महीने पाकिस्तान की मध्यस्थता में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसकी पहली शर्त में सभी मोर्चों पर आक्रामकता रोकने का स्पष्ट निर्देश है। अमेरिका उन जहाजों की मदद करने की भी कोशिश कर रहा है जो होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित और कानूनी आवाजाही के लिए आईआरजीसी द्वारा तय किए गए समुद्री रास्ते से नहीं गुजरते। इसके लिए वह अवैध रास्ते से घुसपैठ करने वाले जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने की कोशिश करता है। आईआरजीसी ने उल्लंघन की हर घटना का कड़ा जवाब दिया है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की अवैध आवाजाही का समर्थन करने वाली घटनाएं भी शामिल हैं। हालांकि, आईआरजीसी द्वारा किए गए हमलों के बाद अमेरिका, कुवैत, बहरीन व जॉर्डन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में असम राइफल्स कैंप पर हमला, आगजनी और तोड़फोड़ की

इंफाल। मणिपुर के सेनापति शहर में उग्र भीड़ ने असम राइफल्स के कैंप पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि भीड़ ने पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ की। यह हमला सशस्त्र उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया। हिंसा में भीड़ ने असम राइफल्स के कई वाहनों में तोड़फोड़ की और उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। एक वाहन को आग के हवाले कर दिया, जबकि दो ट्रकों को पलट दिया। घटना में एक आम नागरिक की कार को भी आग के हवाले कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में रक्षा प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है कि मकुइलोंगडी क्षेत्र में, जो ओकलोंग स्थित नामित एनएससीएन कैंप से करीब दो किलोमीटर पश्चिम में है, सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी संबंधी विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद असम राइफल्स ने क्षेत्र प्रभुत्व गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों से संकेत मिले थे कि सशस्त्र कैडर निर्धारित कैंपों से बाहर हथियारों और वर्दी के साथ घूम रहे थे, जो स्थापित युद्धविराम के नियमों का उल्लंघन है। साथ ही सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप को इन उल्लंघनों की औपचारिक जानकारी भी दी गई और इससे जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों से अवगत कराया गया।

मातृशक्ति से संवाद करेंगे सरसंघचालक मोहन भागवत, 'मातृत्व विमर्श' पर विश्वमांगल्य सभा का विशेष कार्यक्रम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत देश की मातृशक्ति के साथ "मातृत्व विमर्श" विषय पर विस्तृत संवाद करेंगे। 24 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय आंबेडकर सेंटर में विश्वमांगल्य सभा द्वारा आयोजित होने वाले इस संवाद में देशभर से 700 प्रतिनिधि मौजूद रहेंगी। कांस्टीट्यूशन क्लब में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में विश्वमांगल्य सभा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ वृषाली जोशी ने बताया कि आगामी वर्षों के लिए युगानुकूल मातृत्व विषय पर सरसंघचालक मोहन भागवत का महिलाओं के साथ इतने व्यापक स्तर पर संवाद आयोजित होने जा रहा है। यह कार्यक्रम लगभग दो से ढाई घंटे तक चलेगा। इस दौरान डॉ. मोहन भागवत मातृत्व, परिवार, समाज निर्माण और राष्ट्र जीवन में महिलाओं की भूमिका जैसे विभिन्न विषयों पर विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रश्नोत्तर सत्र भी होगा, जिसमें उपस्थित महिलाएं सीधे सरसंघचालक से सवाल पूछ सकेंगी और अपने विचार रख सकेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित यह कार्यक्रम विशेष रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। संघ के अब तक के पांच सरसंघचालकों के कार्यकाल में पहली बार ऐसा अवसर आएगा, जब सरसंघचालक देश की प्रबुद्ध मातृशक्ति के साथ "मातृत्व विमर्श" जैसे विषय पर खुला और विस्तृत संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली के अंबेडकर भवन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दिल्ली सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 700 से 800 महिला प्रतिनिधियों के शामिल होने का अनुमान है।

गडकरी की सलाह- आप चाहें तो 100 फीसद पेट्रोल ज्यादा दाम में खरीद लें

नई दिल्ली। देशभर में ई20 यानी 20 फीसदी एथनॉल मिले हुए पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर जारी चर्चाओं और सोशल मीडिया पर फैल रही चिंताओं के बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, वे पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी पेट्रोल भी खरीद सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक कीमत चुकानी होगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ई20 ईंधन देश के लगभग हर फ्यूल स्टेशन पर उपलब्ध है और इसे लेकर वाहन मालिकों के मन में विभिन्न सवाल उठ रहे हैं। गडकरी इससे पहले भी कह चुके हैं कि एथनॉल मिले हुए ईंधन के चलते वाहन खराब होने की कोई समस्या सामने नहीं आई है, जिससे सरकार के एथनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पर उनका भरोसा कायम है। सोशल मीडिया पर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर प्रसारित हो रहीं चिंताओं को दूर करने और ग्राहकों को आश्वस्त करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड - ने देश भर में अपने खुदरा पंपों पर ईंधन गुणवत्ता की जांच तेज कर दी है। इन कंपनियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ईंधन गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी शिकायत को सीधे पेट्रोल पंप या कंपनी के ग्राहक सेवा माध्यमों से दर्ज कराएं और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट पोस्टों पर भरोसा न करें।

आचार्य सुश्रुत के मार्ग पर चलकर चिकित्सा नैतिकता और रोगियों के प्रति करुणा बनाए रखें : राष्ट्रपति

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि आयुर्वेद का भविष्य युवा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के हाथों में है। राष्ट्रपति ने उनसे आचार्य सुश्रुत के दिखाए मार्ग पर चलते हुए चिकित्सा नैतिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रोगियों के प्रति करुणामय सेवा के संकल्प पर सदैव अडिग रहने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने सुश्रुत जयंती के अवसर पर यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'सौश्रुतम् 2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के नए एमआरआई सेक्शन का भी उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले आचार्य सुश्रुत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सदियों पहले उन्होंने शल्य चिकित्सा पद्धति का सूत्रपात कर अपने समय में क्रांतिकारी परिवर्तन की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि आचार्य सुश्रुत अनेक जटिल एवं नवाचारी शल्य प्रक्रियाओं के प्रवर्तक थे। उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी, मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा, ट्यूमर के उपचार तथा ईएनटी सर्जरी जैसे क्षेत्रों में नई तकनीकों का विकास किया। उनकी रचना 'सुश्रुत संहिता' ने भारत ही नहीं, पूरे विश्व को चिकित्सा विज्ञान की नई दिशा प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय परंपरा में निहित मानव कल्याणकारी ज्ञान को समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाना समाज के हित में है। आयुर्वेद की समग्र जीवन दृष्टि मानवता के लिए अमूल्य धरोहर है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यह प्राचीन ज्ञान आधुनिक समय में भी प्रासंगिक और प्रभावी बना रहे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने आयुर्वेद और योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। सरकार प्राचीन आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक मानकों पर प्रमाणित करने के लिए भी निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मानकीकृत दस्तावेजीकरण, डिजिटल हेल्थ के एकीकरण और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तकनीकों के प्रभावी उपयोग से आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में होने वाले विचार-विमर्श से नए ज्ञान का सृजन होगा और आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हंगामे के मामले में कानून के दो छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली देश के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) में सुनवाई के दौरान हंगामा करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के दो कानून छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सुनवाई के दौरान एक छात्र ने अदालत की कार्यवाही बाधित करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया, कागजात और पर्चे फेंके तथा रोकने पर सुरक्षा कर्मी के साथ धक्का-मुक्की की। नई दिल्ली जिले के तिलक मार्ग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। अदालत से दो दिन का पुलिस रिमांड मिलने के बाद अब पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर-13 में हुई। यहां एसएलपी संख्या 31367/2026 पर सुनवाई चल रही थी। इस मामले में प्रबल प्रताप सिंह (24) स्वयं याचिकाकर्ता के रूप में अदालत में पेश हुआ । वह लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी तृतीय वर्ष का छात्र है। उसके साथ चंदर भान (23) भी मौजूद था, जो उसी विश्वविद्यालय में एलएलबी द्वितीय वर्ष का छात्र है। दोनों क्रमशः इटावा और रायबरेली के निवासी हैं। जांच में सामने आया है कि सुनवाई के दौरान प्रबल प्रताप सिंह ने अचानक अदालत में अभद्र एवं असंसदीय भाषा का प्रयोग शुरू कर दिया।

भारतीय मूल के अनिल मेनन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन मंगलवार को कजाकिस्तान से सोयूज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हो गए हैं। उनके साथ दो रूसी अंतरिक्ष यात्री, प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी इस आठ महीने लंबे मिशन का हिस्सा हैं। यह अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार रात 8 बजकर 17 मिनट पर बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित हुआ और पृथ्वी के दो चक्कर लगाने के बाद, रात 11 बजकर 56 मिनट पर स्वतः स्टेशन के प्रिचाल मॉड्यूल से जुड़ गया। यह अनिल मेनन की पहली अंतरिक्ष यात्रा है, जबकि उनके रूसी सहयात्री दूसरी बार अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं। प्रक्षेपण के दौरान अनिल मेनन की अंतरिक्ष यात्री पत्नी अन्ना विल्हेम समेत उनके परिवार के सदस्य और नासा के प्रशासक जेरेड आइज़ैकमैन बैकोनूर कॉस्मोड्रोम में मौजूद थे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनकर उनका उत्साह बढ़ाया। अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, ये तीनों यात्री नासा के अंतरिक्ष यात्रियों (जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट, और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रेई फेद्यायेव के साथ मिलकर मिशन को आगे बढ़ाएंगे।

केंद्र ने ओडिशा व झारखंड में रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ओडिशा और झारखंड में रेल मंत्रालय की 3,907 करोड़ रुपये की लागत वाली दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी। ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में प्रस्तावित इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क में करीब 145 किलोमीटर की वृद्धि होगी तथा इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पारादीप-हरिदासपुर रेलखंड के दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी लाइन बिछाने की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे रेल परिचालन अधिक कुशल और विश्वसनीय बनेगा तथा यातायात का दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है, जिससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं का आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा। इन परियोजनाओं से ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में स्थित लगभग 1,526 गांवों, जिनकी कुल आबादी करीब 14 लाख है, को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। रेल मंत्रालय के अनुसार क्षमता विस्तार से ललितगिरि बौद्ध परिसर, श्री बलदेवज्यू मंदिर और मेघाहातुबुरु पहाड़ियों जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क बेहतर होगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी शुरू, 20 से ज्यादा युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान मोर्चे पर, खाड़ी देशों पर हमला

एजेंसी। वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी शुरू कर दी है। 20 ज्यादा युद्धपोतों और सैकड़ों सैन्य विमानों से ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों से गुजरने वालों जहाजों की सख्त निगरानी की जा रही है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने स्थानीय समयानुसार मंगलवार को एक्स पोस्ट में यह घोषणा की। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 प्रतिशत टैरिफ के अपने फैसले को पलट दिया है। अमेरिका ने ईरान पर लगातार चौथी रात हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि उसने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य में दो बड़े तेल टैंकरों पर भी हमले किए। जल मार्ग पर जोखिमः अल जजीरा और सीबीएस न्यूज के अनुसार, अमेरिका ने मंगलवार दोपहर ईरानी बंदरगाहों पर फिर से नाकाबंदी शुरू कर दी। शिपिंग इंडस्ट्री के भारी विरोध के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कार्गो पर 20 प्रतिशत टोल लगाने की योजना को रद्द कर दिया है। इसकी जगह खाड़ी देशों के साथ व्यापार और निवेश समझौते करने का फैसला किया। ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य के इस्तेमाल के लिए अपना टोल वसूलने की संभावना से इनकार नहीं किया है और बिना इजाजत इस जल मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को धमकी भी दी है। ताजा जंग से पिछले दो दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। फिर हमलाः सेंटकॉम ने कहा है कि इस समय मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना के 20 से ज्यादा युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान तैनात हैं। सेंटकॉम ने कहा कि नाकाबंदी शाम चार बजे (पूर्वी समय) फिर से लागू की गई। इस दौरान अमेरिकी सेना ने ईरानी क्षमताओं को कम करने के लिए अभियान जारी रखा। इससे पहले, सेंटकॉम ने घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ एक और दौर के हमले शुरू किए हैं। सेंटकॉम ने एक अलग पोस्ट में कहा, "आज दोपहर 3 बजे (पूर्वी समय) अमेरिकी सेनाओं ने ईरान के खिलाफ हमले शुरू किए। वाशिंगटन-तेहरान के बीच तनाव बढ़ाः अमेरिकी सेना ने इन हमलों में शामिल जगहों या लक्ष्यों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। यह घटनाक्रम समुद्री सुरक्षा और होर्मुज जलडमरूमध्य (वैश्विक ऊर्जा परिवहन का महत्वपूर्ण मार्ग है) में कमर्शियल जहाजों पर हमलों को लेकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है।

राज्यसभा के दो नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को संसद भवन में राज्यसभा के दो नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मध्य प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य रजनीश कुमार अग्रवाल और कर्नाटक से कांग्रेस के सदस्य मंसूर अली खान ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। रजनीश कुमार अग्रवाल ने हिन्दी में जबकि मंसूर अली खान ने अंग्रेजी में शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद दोनों सदस्यों ने सभापति राधाकृष्णन का अभिवादन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार की नीतियों से देश आर्थिक संकट में: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आर्थिक नीतियों में विफल रहने और लगातार बढ़ती महंगाई दर के कारण देश को भीषण आर्थिक संकट में धकेलने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि जब अर्थव्यवस्था के सारे बुनियादी संकेतक 'रेड अलर्ट' पर हैं, तब सरकार जनता का ध्यान भटकाने और आंकड़े छिपाने में व्यस्त है। पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बुधवार को एक्स पर एक अखबार में छपे लेख का हवाला देते हुए लिखा कि 44 महीने में सबसे भीषण थोक महंगाई (9.87%) दर्ज हुई है, ईंधन-बिजली में 27.4% की बढ़ोतरी हुई है और इस बार खेती की बुवाई तीन साल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर रही है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से पस्त है, जबकि अन्नदाता सरकार की गलत नीतियों और मौसम की दोहरी मार से त्रस्त है। रमेश ने आरोप लगाया कि महंगाई बढ़ने से उद्योगों की लागत भी बढ़ चुकी है और सरकार इसे नियंत्रित करने की बजाय भयावह आंकड़ों को छिपाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि थोक महंगाई के नवीनतम आंकड़े मोदी सरकार की आर्थिक कुनीतियों और विफलता का उदाहरण है।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

अगले तीन वर्षों में ड्रग्स के पूरे इकोसिस्टम को खत्म करने का रोडमैप : अमित शाह

पटना।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगले तीन वर्षों में देश को ड्रग्स और नार्को-टेरर के पूरे इकोसिस्टम से मुक्त करने के लिए व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया है। नई दिल्ली में आयोजित नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक में उन्होंने नशीली दवाओं पर नियंत्रण संबंधी विजन दस्तावेज (2026-2029) जारी किया। इस दौरान एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई तथा लगभग 6,000 करोड़ रुपये मूल्य की 2,09,500 किलोग्राम नशीली दवाओं के विनाश के लिए ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल पखवाड़ा अभियान की शुरुआत की गई। अमित शाह ने कहा कि सरकार की रणनीति डिटेक्ट, डिसरप्ट और डिस्ट्रॉय के सिद्धांत पर आधारित होगी। इसके तहत ड्रग्स नेटवर्क की पहचान, उसकी सप्लाई चेन और वित्तीय स्रोतों को बाधित कर पूरे इकोसिस्टम को समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ काम कर रही है। सरकार के अनुसार, वर्ष 2014 के बाद 1.84 लाख करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाओं की जब्ती, लगभग 90 हजार करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स का विनाश तथा अवैध अफीम की खेती के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगले तीन वर्षों का यह रोडमैप केवल ड्रग्स की तस्करी पर रोक लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नार्को-टेरर के पूरे नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक समयबद्ध रणनीति है।

पटना हाईकोर्ट के महाधिवक्ता बने एस.डी.संजय का राष्ट्रीय वैश्य महासभा ने किया सम्मान

पटना। राष्ट्रीय वैश्य महासभा द्वारा पटना हाईकोर्ट के नव-नियुक्त महाधिवक्ता एस.डी. संजय के सम्मान में स्काडा बिजनेस सेंटर सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए महाधिवक्ता एस.डी. संजय ने राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि न्याय, संविधान एवं विधि के शासन की मर्यादा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वे अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं निष्पक्षता के साथ निर्वहन करने का सतत प्रयास करेंगे। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने कहा कि एस.डी. संजय का महाधिवक्ता पद पर नियुक्त होना बिहार के लिए गौरव एवं सम्मान का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विधि के शासन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा न्याय व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास और सुदृढ़ होगा। वहीं महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ गुप्ता ने कहा कि एस.डी. संजय की यह उपलब्धि समाज के युवाओं, विधि के विद्यार्थियों एवं अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा, ईमानदारी एवं समर्पण के बल पर प्राप्त यह सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पी.के. चौधरी ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करना राष्ट्रीय वैश्य महासभा की गौरवशाली परंपरा रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्री एस.डी. संजय जी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष अमृतेष कुमार गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं उत्कृष्टता की भावना का संचार करता है। श्री एस.डी. संजय जी की उपलब्धि समाज के लिए प्रेरणा एवं गौरव का विषय है तथा यह युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष स्मिता पूर्वे, महासभा समन्वय समिति के चेयरमैन कमल नोपानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाकिम प्रसाद, व्यावसायिक आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार निराला, प्रदेश युवा अध्यक्ष मंजीत आनन्द साहू, रेखा गुप्ता, सुश्री ऋचा जोगमई, अनन्त कुमार गुप्ता, भूपाल भारती, अर्जुन चौधरी, शिव कुमार गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, दुर्गेश पंजियार, मोनी गुप्ता, वैभव गुप्ता, मंटू मल्होत्रा, सहदेव साह, नन्दकिशोर पोद्दार, राम सागर प्रसाद, मुरलीधर, राकेश जायसवाल, आलोक पोद्दार, रामानंद गुप्ता, श्री शम्भू चौरसिया, सुजीत कसेरा , देवेंद्र गुप्ता एवं मुन्ना जायसवाल सहित बिहार के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में वैश्य समाज के पदाधिकारी, बुद्धिजीवी, अधिवक्तागण एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

अनुशासनिक कार्यवाही के नियमों और प्रक्रिया की जानकारी सेवा-सम्पुष्टि के लिए अनिवार्य

पटना।कदाचार मुक्त प्रशासन के लिए आवश्यक है कि कदाचार के मामलों में शीघ्र कार्रवाई हो, और यह कार्रवाई कैसे और किन नियमों के आधार पर की जाए, सभी सरकारी कर्मियों के लिए जानना आवश्यक है। इसे सुनिश्चित करने के लिए राजस्व पर्षद द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। अब राज्य एवं अखिल भारतीय सेवाओं के पदाधिकारियों को सेवा सम्पुष्टि के पूर्व अनुशासनिक कार्यवाही संबंधी अभिलेख समर्पित करना होगा। इससे वह अनुशासनिक कार्यवाही चलाने संबंधी नियम एवं प्रक्रिया सीख पाएंगे। इस पहल के बारे में बताते हुए अध्यक्ष सह सदस्य, राजस्व पर्षद, हरजोत कौर ने कहा कि बिहार सरकारी सेवक या बिहार नियमावली 2005 की जानकारी राज्य के सरकारी सेवकों के लिए आवश्यक है ताकि वे विभागीय प्रक्रियाओं, अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझ सकें। यह प्रशिक्षण कानूनी सुरक्षा, अनुशासन, और प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद करता है। क्सर न्यायालयों द्वारा सही ढंग से एवं नियमों की अनदेखी के कारण अनुशासनिक कार्यवाही के आलोक में दिए गए दंड को खारिज कर दिया जाता है। ऐसा न हो, इसलिए राज्य सरकार द्वारा यह कदम उठाया गया है और इसका दायित्व राजस्व पर्षद को दिया गया है।

जनसमस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : निशांत

पटना। जदयू कार्यालयआयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में उपस्थित आमजन एवं फरियादियों की समस्याओं एवं आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक शिकायत के समयबद्ध एवं विधिसम्मत निष्पादन को सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर निशांत ने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से जनसमस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निवारण के लिए हर स्तर पर आवश्यक पहल की जाती है। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं आधुनिक बनाने के लिए निरंतर ठोस एवं दूरदर्शी कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में लंबित सर्जरियों की सूची तैयार कर आवश्यकतानुसार मरीजों का उपचार एवं सर्जरी जैसे उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में भी कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल, स्तन (ब्रेस्ट) एवं प्रोस्टेट कैंसर की स्क्रीनिंग को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए राज्य की लगभग एक लाख आशा कार्यकतार्ओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि कैंसर की समय पर पहचान एवं उपचार को बढ़ावा मिल सके।इस अवसर पर परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने भी अपने विभागों से संबंधित समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा तथा बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी भी उपस्थित रहे।

जदयू कार्यालय के बाहर छोटू सिंह के समर्थकों का हंगामा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना में जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर आज पार्टी से निष्कासित नेता अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। समर्थकों ने छोटू सिंह की तस्वीर हाथ में लेकर नारेबाजी की और उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत के सामने समाने उन्होंने यह मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार के समर्थन में भी नारे लगाए गए। पार्टी नेतृत्व से निष्कासन का फैसला वापस लेने की अपील की गई। **वापसी की मांग, उपचुनाव में नुकसान की चेतावनी:** प्रदर्शन कर रहे समर्थकों का कहना था कि छोटू सिंह लंबे समय से जदयू के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। उनका दावा है कि अगर उन्हें पार्टी में वापस नहीं लिया गया तो इसका असर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव पर पड़ सकता है। NDA को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। समर्थकों ने कहा कि पार्टी नेतृत्व को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। **अनंत सिंह ने भी जताई थी** इतनी छोटी गलती पर किसी पुराने कार्यकर्ता को पार्टी से बाहर करना उचित नहीं है। **6 साल के लिए किया गया है निष्कासित:** जदयू ने 10 जुलाई को पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाते हुए अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। बताया जाता है कि जदयू की नई प्रदेश टीम में जगह नहीं मिलने के बाद छोटू सिंह ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष उन्हें यह कहते हुए सुनाई दिए थे कि "यहां माहौल मत बनाइए।" छोटू सिंह लंबे समय से जदयू से जुड़े रहे हैं और उन्हें अक्सर पूर्ण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मंत्री अशोक चौधरी के कार्यक्रमों में देखा जाता रहा है। हाल ही में जदयू कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें मंच पर माला पहनाकर सम्मानित भी किया था। अब उनके निष्कासन के बाद समर्थकों का विरोध और वापसी की मांग राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

नाराजगी: छोटू सिंह के निष्कासन पर मोकामा विधायक अनंत सिंह ने भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि यदि किसी से एक बार गलती हो जाए तो उसे माफ कर देना चाहिए।

पुष्य नक्षत्र के सुयोग में गुप्त नवरात्र शुरू:नाव पर सवार होकर आयेंगी माता

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा में बुधवार से गुप्त नवरात्र की शुरूआत हो रही है। पुष्य नक्षत्र, हर्षण योग के साथ सिद्ध योग का संयोग बन रहा है। नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के साथ श्रद्धालु माता के प्रथम स्वरूप में मां शैलपुत्री की पूजा करेंगे। इस गुप्त नवरात्र में दस दिनों तक माता के विभिन्न रूपों की पूजा होगी। ज्योतिषाचार्य ओम तिवारी ने बताया, ह्रसाल में दो गुप्त नवरात्र में पहली माघ व दूसरी आषाढ़ महीने में होती है। गुप्त नवरात्र में तंत्र साधना की प्रधानता होती है। इस नवरात्र में मां कामाख्या की पूजन-अर्चना विशेष तौर पर की जाती है।उन्होंने बताया कि इस नवरात्र माता नाव पर आ रही है और हाथी पर उनकी विदाई होगी। माता के इस आगमन से श्रद्धालुओं की सभी प्रकार से सिद्धि की प्राप्ति होगी।उन्होंने शिव पुराण और मत्स्य पुराण के हवाले से बताया, आषाढ़ मास के देवता इंद्र और महाकाली है। यह मास प्रकृति को अपने गोद में लिये हुए है। इसीलिए इस मास में बारिश की प्रधानता रहती है। गुप्त नवरात्र में दुर्लभ शक्तियों की प्राप्ति के लिये साधक दस महाविद्याओं में महाकाली, तारा, ललिता, भुवनेश्वरी, त्रिपुरसुंदरी, छिन्नमस्तिका, भैरवी, बगलामुखी, माता कमला, मातंगी देवी की साधना करते है।वहीं, नवरात्र में मां दुर्गा के ९ स्वरूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री माता की पूजा का विधान है। गुप्त नवरात्र में दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। विशेषकर तांत्रिक क्रियाओं, शक्ति साधनाओं और महाकाल से जुड़े साधकों के लिये यह नवरात्र विशेष महत्व रखता है। इस दौरान देवी के साधक कड़े विधि-विधान के साथ व्रत और साधना करते है। देवी के सोलह शक्तियों की प्राप्ति के लिये यह पूजन करते है। नवरात्र में भगवती जगदंबा की पूजन, हवन, वेद पाठ के उच्चारण से कष्टकारी ग्रह शनि, राहु और केतु से पीड़ित श्रद्धालूओं को लाभ होता है।

पटना के टॉप-10 अपराधियों में शामिल अमन गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सेंट्रल इलाके के टॉप 10 अपराधियों में शामिल अमन को पटना पुलिस और STF ने संयुक्त कार्रवाई में अरेस्ट किया है। अमन उर्फ सागर (24 वर्ष) को आज दानापुर जंक्शन से अरेस्ट किया गया है। आरोपी खुसरूपुर के रुकनपुरा का रहने वाला है। वह अलग-अलग चेन स्नेचिंग की वारदात में शामिल था। पुलिस उसे तलाश रही थी, लेकिन वह पिछले 3 साल से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अमन बेहद शातिर अपराधी है। वह पटना के पाटलिपुत्र और आसपास के इलाकों में घूम-घूमकर अकेली जा रही महिलाओं को निशाना बनाता था। आरोपी पलक झपकते ही सोने की चेन झपटकर फरार हो जाता था। अमन के खिलाफ शहर के कई थानों में चेन स्नेचिंग और लूटपाट के कई मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ पाटलिपुत्र में 2, पत्रकार नगर थाना पटना में एक, मुफस्सिल थाना बक्सर भी 1 केस दर्ज है। अमन पिछले 3 सालों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था और लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पाटलिपुत्र थानेदार अतुलेश कुमार सिंह ने अमन की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि STF और पाटलिपुत्र थाना पुलिस को आरोपी के इलाके में मौजूद होने की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद फौरन कार्रवाई करते हुए जाल बिछाकर उसे दबोच लिया गया। अब पुलिस अमन से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि उसके गिरोह के अन्य सदस्यों और लूटी गई चेन को खरीदने वाले सुनारों का पता लगाया जा सके।

पीएमसीएच में तीसरे दिन भी आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल, बिना चादर भर्ती हुए मरीज

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के PMCH में आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी है। कर्मचारी बकाया वेतन, वेतन वृद्धि और नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों ने बुधवार को नियोजन भवन का घेराव किया। अस्पताल प्रशासन और एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। इमरजेंसी से लेकर वार्डों तक मरीजों और उनके परिजनों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के कारण अस्पताल के अधिकांश वार्डों में साफ चादरों की व्यवस्था नहीं हो सकी। **मरीजों को साफ चादर भी नहीं मिली:** मंगलवार को अस्पताल के अधिकांश वार्डों में भर्ती मरीजों को साफ चादर उपलब्ध नहीं हो सकी। कई बेड पुराने और गंदे चादरों के साथ ही पड़े रहे, जबकि गंभीर और नए मरीजों को बिना चादर के ही बेड पर लिटाया गया, जिससे उन्हें खासी दिक्कत हुई। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कुछ परिजन तो अस्पताल के स्टोर तक पहुंच गए और खुद सरकारी चादर उपलब्ध कराने की मांग करने लगे। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। कई कर्मचारियों ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई, घर का किराया और दैनिक जरूरतों का खर्च उठाना भी चुनौती बन गया है। लेकिन इसके बावजूद उन्हें मेहनताना समय पर नहीं मिल रहा है। बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी नियोजन भवन पहुंचे और बकाया वेतन के भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। **आयुष्मान योजना की सेवाओं पर भी असर:** हड़ताल का असर केवल वार्डों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि आयुष्मान भारत योजना के तहत मिलने वाली सुविधाएं भी प्रभावित हुईं। मरीजों ने बताया कि दवा वितरण और इलाज से जुड़ी फाइलों पर हस्ताक्षर कराने के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसके कारण बड़ी संख्या में नए मरीजों को मुफ्त दवाएं नहीं मिल सकीं। पुराने मरीजों को किसी तरह दवाएं उपलब्ध कराई गईं, लेकिन नए मरीजों को दवाओं के लिए लंबे समय तक भटकना पड़ा। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर PMCH के अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और हड़ताली कर्मियों से बातचीत कर काम पर लौटने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एजेंसी से इस मुद्दे पर बातचीत चल रही है और जल्द ही बकाया वेतन का भुगतान कराया जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी कर्मचारी इस आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना है कि जब तक एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारी स्वयं आकर लिखित या स्पष्ट आश्वासन नहीं देंगे, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

» आयुष्मान सेवाएं भी प्रभावित, छह महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप

होटल से नाबालिग बहनों का रेस्क्यू, एक युवक गिरफ्तार, होटल-लॉज-मकानों में छापेमारी जारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना जंक्शन के आसपास कथित सेक्स रैकेट और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। पिछले दो दिनों से जक्कनपुर थाना पुलिस होटल, लॉज और संदिग्ध मकानों की तलाशी ली जा रही है। इसी कार्रवाई के दौरान बुधवार को जक्कनपुर के नंद बिहार होटल से दो सगी नाबालिग बहनों को रेस्क्यू किया गया है। दोनों को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर नालंदा से पटना लाया गया था। पुलिस ने मौके से नालंदा निवासी एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पटना जंक्शन के आसपास लगातार पुलिस छापेमारी कर रही है। **परिजनों ने बताया- मंगलवार सुबह से थीं लापता:** पुलिस ने रेस्क्यू कर नाबालिग बहनों के परिजनों को खबर की। सूचना मिलते ही परिजन थाने पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह से दोनों बहनें गायब हो गई थीं। उन्होंने दोनों की काफी तलाश की, लेकिन दोनों का कोई पटना नहीं चला। परिजनों का कहना है कि उन्हें बहला फुसलाकर पटना लाया गया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को सुरक्षित परिजनों के हवाले कर दिया है। **एक युवक को न्यायिक हिरासत में भेजा:** इन बहनों के साथ एक युवक पकड़ा गया है, जिसे पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। युवक भी नालंदा जिला का ही रहने वाला है। हालांकि, तलाशी के दौरान मौके से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। अब यह जांच की जा रही है कि उन्हें पटना किस उद्देश्य से लाया गया था और इस मामले में अन्य लोगों की भी संलिप्तता है या नहीं। **पटना जंक्शन के आसपास बढ़ेगी निगरानी:** पुलिस सूत्रों के अनुसार, पटना जोन के आईजी जितेंद्र राणा ने इस घटना को गंभीरता से लेयिा है। उन्होंने पटना जंक्शन और आसपास चल रहे इस रैकेट के खिलाफ पुलिस पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने पटना जंक्शन के आस पास परमानेंट पुलिसकर्मियों को मॉनिटरिंग के लिए मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत जंक्शन, करबिगहिया और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से पुलिसकर्मियों की तैनाती कर मॉनिटरिंग बढ़ाई जाएगी। **होटल, लॉज संचालकों के साथ करेंगे बैठक:** पुलिस संयुक्त रूप से पटना जंक्शन, करबिगहिया, मीठापुर पुराने बस स्टैंड के आस पास के होटल, लॉज, संचालकों के साथ मीटिंग करने की तैयारी में है। उन्हें इस तरह के किसी भी अनैतिक गतिविधि को लेकर सख्त हिदायत दी गई है। पुलिस संयुक्त रूप से पटना जंक्शन, करबिगहिया और मीठापुर पुराने बस स्टैंड के आसपास स्थित होटल और लॉज संचालकों के साथ संयुक्त बैठक करने की तैयारी में है। बैठक में संचालकों को अनैतिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने कहा जाएगा। बिना सत्यापन किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को कमरा नहीं देने की सख्त हिदायत दी जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह कोई संगठित नेटवर्क का हिस्सा है या एक अलग घटना।

♦ आईजी करेंगे संचालकों संग हाईलेवल मीटिंग

पटनासिटी में व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र की चंद्रवंशी गली में बुधवार को एक 40 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान सूरज कुमार (40) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था और परिवार का भरण-पोषण करता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। **मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा लग रहा:** पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी 1 राज किशोर कुमार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच पिछले करीब छह महीनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी तनाव के कारण युवक द्वारा यह कदम उठाए जाने की आशंका है। एसडीपीओ ने आगे बताया, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लाएं तेजी, लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित करें बजट व्यय :विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की धीमी गति तथा बजट व्यय की वर्तमान स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता है।समीक्षा के क्रम में विभागीय योजनाओं की वित्तीय प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने तथा अब तक मात्र 03 प्रतिशत बजट व्यय होने पर माननीय मंत्री ने असंतोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट निदेश दिया कि एक सप्ताह के भीतर योजनाओं के क्रियान्वयन एवं व्यय की प्रगति में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंच सके। मंत्री ने योजनाओं की स्वीकृति में हुई देरी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मामलों की जांच कर तीन दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया है। साथ ही, पिछले तीन वर्षों का जिलावार योजनाओं की प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर कारणों की विस्तृत समीक्षा करने का भी निदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निदेश दिया कि अगले वित्तीय वर्ष से सभी योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति अप्रैल एवं मई माह में ही सुनिश्चित की जाए, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही, संबंधित निदेशालयों को समय पर जिलावार राशि का उपबंध एवं मांग सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया।

पटना संजय यादव हत्याकांड, चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के बिहटा प्रखंड की राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय यादव की हत्या के चार दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। मामले में अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। नाराज परिजनों ने पटना पश्चिम सिटी एसपी संकेत कुमार से मुलाकात कर जल्द कार्रवाई की मांग की है। सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया, मामले की गंभीरता को देखते हुए दो डीएसपी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है। टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही संदिग्धों की मोबाइल टावर लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा और कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है। **बेटे ने लगाया साजिश का आरोप:** मृतक के पुत्र सोनल कुमार ने आरोप लगाया कि घटना वाले दिन उनके पिता कोर्ट में सरेंडर करने जा रहे थे, लेकिन सुनियोजित साजिश के तहत उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। **न्याय की मांग को लेकर कैंडल मार्च:** इस हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। न्याय की मांग को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा 16 जुलाई को राघोपुर तीन मोहनी से बिहटा चौक तक कैंडल मार्च निकालने की घोषणा की गई है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और न्याय नहीं मिला तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। घटना के बाद पिछले दिनों पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती भी मृतक के परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं। **पुलिस कई बिंदुओं पर कर रही जांच:** बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया, अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तार नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस लागातर छापेमारी कर रही है। फिलहाल मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मृतक के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। पुलिस जमीनी विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। साथ ही मृतक के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि संजय यादव के खिलाफ बिहटा थाने में पहले से करीब 10 मामले दर्ज थे, जिनमें आर्म्स एक्ट, रंगदारी और अन्य आपराधिक मामले शामिल हैं।

♦ परिजनों ने आंदोलन की दी चेतावनी, एसआईटी गठित आरोपियों के मोबाइल लोकेशन खंगाल रही पुलिस

संक्षिप्त समाचार

सरायगढ़ से देवघर के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि का विस्तार

पटना।यात्रियों की अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर तथा उनकी सुविधा हेतु समस्तीपुर मंडल द्वारा सरायगढ़ से देवघर के लिए चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। सरायगढ़ और देवघर के मध्य प्रतिदिन चलायी जा रही गाड़ी सं. 05573/05574 सरायगढ़-देवघर-सरायगढ़ मेमू स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। अब यह स्पेशल मेमू ट्रेन सरायगढ़ एवं देवघर से 16.07.2026 से 31.08.2026 तक प्रतिदिन परिचालित की जाएगी । गाड़ी सं. 05573 सरायगढ़- देवघर स्पेशल प्रतिदिन सरायगढ़ से 03.05 बजे खुलकर 03.38 बजे सुपौल, 04.30 बजे सहरसा, 05.00 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 05.50 बजे मानसी, 06.00 बजे खगड़िया, 06.18 बजे सबदलपुर, 06.40 बजे मुंगेर, 07.48 बजे सुलतानगंज, 08.30 बजे भागलपुर रुकते हुए 11.20 बजे देवघर पहुंचती है । वापसी में गाड़ी सं. 05574 देवघर-सरायगढ़ स्पेशल प्रतिदिन देवघर से 11.35 बजे खुलकर 14.20 बजे भागलपुर, 14.55 बजे सुलतानगंज, 16.25 बजे मुंगेर, 17.25 बजे सबदलपुर, 17.50 बजे खगड़िया, 18.16 बजे मानसी, 18.53 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 20.40 बजे सहरसा, 21.26 बजे सुपौल रुकते हुए 22.15 बजे सरायगढ़ पहुंचती है।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5 में करिश्मा कपूर ने साझा किए 90 के दशक के 5 यादगार डांस किस्से

पटना। इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में जज के रूप में करिश्मा कपूर ने 90 के दशक की अपनी फिल्मों और लोकप्रिय गीतों से जुड़े कई दिलचस्प अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि झांझरिया गाने के महिला संस्करण की शूटिंग के दौरान उन्हें 20 बार कॉस्ट्यूम बदलने पड़े थे।करिश्मा ने हसीना मान जाएगी के लोकप्रिय गीत मोबाइल नंबर क्या है की शूटिंग से जुड़ा किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी गोवा पर आधारित थी, लेकिन यह गीत मुंबई के मड आइलैंड में एक दिन में फिल्माया गया था। उन्होंने कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि सहायक कोरियोग्राफर के रूप में वह रिहर्सल के दौरान बेहद अनुशासित और मेहनती थीं। वहीं दिल तो पागल है को अपने करियर की सबसे लंबी रिहर्सल वाली फिल्म बताते हुए करिश्मा ने कहा कि इस फिल्म के लिए उन्होंने लंबे समय तक अभ्यास किया। करिश्मा कपूर ने कोरियोग्राफर चिन्नी प्रकाश और रेखा प्रकाश के साथ अपने शुरुआती अनुभव भी साझा किए और बताया कि उनके सख्त प्रशिक्षण ने उन्हें एक बेहतर कलाकार बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 का प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर किया जाता है।

राज्यपाल ने नालंदा खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन क्लास का उद्घाटन किया

पटना।राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने नालंदा खुला विश्वविद्यालय में ऑनलाइन क्लास स्टूडियो एवं मास कम्युनिकेशन स्टूडियो का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय को इन नई सुविधाओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि ये डिजिटल शिक्षा और आधुनिक संचार को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में संचार परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है तथा भारत को अपनी सभ्यतागत विरासत और उपलब्धियों की कहानी विश्व के समक्ष आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा अन्य डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग करते हुए नालंदा की गौरवशाली विरासत, बिहार की बौद्ध परंपरा और भारत की समृद्ध सभ्यतागत धरोहर पर आधारित प्रभावशाली लघु डिजिटल सामग्री तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने में सहायक होंगे। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो रवीन्द्र कुमार, कुलसचिव प्रो॰ अभय कुमार सिंह, नालंदा की जिलाधिकारी श्रीमती उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक भरत सोनी, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थीगण तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए समर्थित उम्मीदवार की होगी जीतः शंभूनाथ

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता शंभूनाथ सिन्हा ने जारी बयान में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के निर्देशों के अनुरूप बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने के लिए जद यू पूरा जोर लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किया है और इसी निर्देश के अनुसार जदयू का हर कार्यकर्ता बांकीपुर उप चुनाव में एनडीए उम्मीदवार की जीत पक्की करने के लिए दिन-रात मेहनत करेगा।बांकीपुर सीट पर मुख्यतः एनडीए एवं राजद के बीच ही लड़ाई होनी है। जन सुराज एवं राजद के बीच अंदरुनी साठ गांठ का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए समर्थकों का मत विभाजित कर आरजेडी उम्मीदवार को फायदा पहुंचाने के मकसद से ही जन सुराज के प्रशांत किशोर को मैदान में उतारा गया है।

211 नए डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन की शुरूआत उन्नत शिक्षा के संकल्प को मूर्त रूप देगा : उमेश

पटना।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार की अतिमहत्वाकांक्षी सात निश्चय -3 योजना के चैथे निश्चय उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्यद्ध के तहत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कर-कमलों से राज्य के 211 प्रखंडों के नए डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन की शुरुआत बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला ऐतिहासिक कदम साबित होगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन संस्थानों की स्थापना से न केवल ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की सुगमता सुनिश्चित होगी, बल्कि इसका सर्वाधिक लाभ सूबे की बेटियों और उन युवाओं को मिलेगा, जो संसाधनों और समय के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस ऐतिहासिक कदम से छात्र-छात्राओं के समय और संसाधन, दोनों की बचत होगी, जिससे वे अधिक से अधिक संख्या में उच्च शिक्षा से जुड़ सकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2005 में शिक्षा का कुल बजट मात्र 4,366 करोड़ रुपये था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 77,690 करोड़ रुपये हो गया है, जो राज्य के कुल बजट का 22 प्रतिशत है।

राम मंदिर चंदा-चोरी के विरोध में 16 को पूरे प्रदेश में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

पटना। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के निर्देश पर राम मंदिर के चंदे की आड़ में आस्था के नाम पर की जा रही राजनीति तथा चढ़ावे के नाम पर भाजपा-आरएसएस द्वारा कथित रूप से बड़े पैमाने पर की जा रही लूट के विरोध में 16 जुलाई 2026 को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर कांग्रेसजनों द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि धार्मिक आस्था को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाना तथा चढ़ावे से जुड़े मामलों में पारदर्शिता का अभाव गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता की आवाज बुलंद करते हुए लोकतांत्रिक तरीके से पूरे बिहार में राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी।

दानी डेवलपर्स का 5वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न, मंत्री संतोष सुमन ने किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दानापुर स्थित सुभाषन होटल एंड बैंक्वेट में दानी डेवलपर्स का 5वां स्थापना दिवस समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी तथा कंपनी के हजारों संतुष्ट ग्राहक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि "बिहार में रियल एस्टेट क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। दानी डेवलपर्स ने कम समय में लोगों का विश्वास जीतकर अपनी अलग पहचान बनाई है। पारदर्शिता और ग्राहकों के विश्वास के आधार पर ही कोई संस्था लंबी सफलता प्राप्त करती है। मुझे विश्वास है कि यह संस्था आगे भी विकास के नए आयाम स्थापित करेगी।" इस अवसर पर बिहार सरकार के पूर्व आईटी मंत्री एवं भाजपा विधायक मंटू सिंह पटेल ने कहा कि "दानी डेवलपर्स ने गुणवत्तापूर्ण कार्य और समयबद्ध परियोजनाओं के माध्यम से ग्राहकों का भरोसा जीता है। बिहार में निवेश और विकास की असीम संभावनाएं हैं तथा ऐसी कंपनियां राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।"

हम (सेक्युलर) के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने अपने संबोधन में कहा कि "व्यापार केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी अवसर होता है। दानी डेवलपर्स ने ग्राहकों का विश्वास अर्जित कर यह साबित किया है कि ईमानदारी और सेवा भावना से ही स्थायी सफलता मिलती है।" समारोह के दौरान दानी डेवलपर्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक भोले दानी ने सभी विशिष्ट अतिथियों का शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने कंपनी की पांच वर्षों की विकास यात्रा, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही कंपनी की सबसे बड़ी पूंजी है। भविष्य में भी पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कंपनी की उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रस्तुति भी दी गई। समारोह में हजारों की संख्या में उपस्थित कंपनी के संतुष्ट ग्राहकों ने दानी डेवलपर्स की सेवाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कंपनी की भावी योजनाओं की सराहना की।

पूरे आयोजन का समापन अतिथियों एवं ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया। आयोजकों ने विश्वास जताया कि दानी डेवलपर्स आने वाले वर्षों में भी बिहार के रियल एस्टेट क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

भारत छोड़ो प्रस्ताव की 84वीं वर्षगांठ पर विद्यार्थियों में जगाई देशभक्ति की अलख

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। छात्र-छात्राओं में राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुलजारबाग शैक्षणिक अंचल स्थित राजकीयकृत उर्दू मध्य विद्यालय, नरकट घाट में भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित होने की 84वीं वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सूर्य कान्त गुप्ता ने कक्षा 8 की इतिहास पुस्तक 'हमारे अतीत-III' के अध्याय 'राष्ट्रीय आंदोलन का संगठनः 1870 के दशक से 1947 तक' के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत छोड़ो आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 1942 को वर्धा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसके बाद महात्मा गांधी के नेतृत्व में अगस्त 1942 में ऐतिहासिक 'करो या मरो' आंदोलन शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने ब्रिटिश शासन की जड़ों को हिला दिया और देश की आजादी की लड़ाई को निर्णायक मोड़ प्रदान किया। इस अवसर पर शिक्षिका प्रणया कुमारी ने भी भारत छोड़ो आंदोलन के महत्व और स्वतंत्रता संग्राम में इसके योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक एस. इब्तेशाम हुसैन काशिफ ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना और इतिहास के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही

भगवान के परम प्रेम और दिव्य भावों का साकार स्वरूप है : प्रमोद भागवत स्वामी

नई सोच एक्सप्रेस

» श्रीजगन्नाथ कथा के द्वितीय दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे

पटना। आज श्रीजगन्नाथ कथा के द्वितीय दिवस पर परमपूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज जी ने भगवान श्रीजगन्नाथ की दिव्य एवं अलौकिक लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण, रोचक और तत्त्वज्ञान से परिपूर्ण वर्णन किया। कथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे मनोयोग से भगवान की महिमा का रसास्वादन किया। इस मौके पर कथा के शुरूआत के मौके पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य चंदन कुमार सिंह, रक्षक गिरिधारी दास, इश्वरनाथ प्रभु, सनातन कृष्ण दास अधिकारी, अभय सुन्दर दास, विजय मिश्र बाबा सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे। कथा के प्रारंभ में महाराज जी ने भगवान श्रीजगन्नाथ, श्रीबलदेव एवं माता सुभद्रा के अद्भुत स्वरूप की प्राकट्य लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह स्वरूप साधारण नहीं, बल्कि भगवान के परम प्रेम और दिव्य भावों का साकार स्वरूप है। महाराज जी ने विस्तार से समझाया कि द्वारका में एक अवसर पर जब माता रोहिणी श्रीकृष्ण की वृन्दावन लीलाओं का वर्णन कर रही थीं, तब श्रीकृष्ण, श्रीबलदेव और माता सुभद्रा उन लीलाओं को सुनते-सुनते प्रेम-विभोर हो गए। उसी समय देवर्षि नारद वहाँ पहुँचे और उन्होंने भगवान के इस अद्भुत, प्रेममय स्वरूप के दर्शन किए। नारद मुनि ने प्रार्थना की कि भगवान का यह दिव्य स्वरूप कलियुग के समस्त जीवों के कल्याण के लिए पृथ्वी पर भी प्रकट हो। महाराज जी ने बताया कि यही दिव्य स्वरूप आगे चलकर श्रीजगन्नाथ, श्रीबलदेव एवं माता सुभद्रा के रूप में नीलाचल धाम, जगन्नाथ पुरी में प्रकट हुआ। इसके पश्चात महाराज जी ने राजा इन्द्रद्युम्न की भक्ति और समर्पण का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार राजा इन्द्रद्युम्न भगवान के दर्शन के लिए व्याकुल होकर अनेक प्रयास करते रहे। भगवान की प्रेरणा से दिव्य लकड़ी (पवित्र काष्ठ) प्राप्त हुआ और विश्वकर्मा ने उसी से श्रीजगन्नाथ, श्रीबलदेव एवं माता सुभद्रा के विग्रहों का निर्माण किया।

महाराज जी ने आगे बताया कि राजा इन्द्रद्युम्न की प्रार्थना पर स्वयं ब्रह्मा जी जगन्नाथ पुरी पधारे और वैदिक विधि-विधान के अनुसार भगवान के दिव्य विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न की। इस प्रकार जगन्नाथ धाम समस्त संसार के लिए भक्ति, करुणा और मोक्ष का महान तीर्थ बन गया। कथा के अंतिम चरण में परमपूज्य महाराज जी ने गजपति महाराज पुरुषोत्तम देव की प्रेरणादायक एवं ऐतिहासिक लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कांची की राजकुमारी पद्मावती के साथ महाराज पुरुषोत्तम देव का विवाह निश्चित हुआ था, लेकिन रथयात्रा के दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ के सेवक के रूप में गजपति महाराज द्वारा स्वर्ण झाड़ू से सेवा (छेरा पहरा) करने की परंपरा को देखकर कांची के राजा ने उनका अपमान किया और विवाह का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। इस अपमान से दुखी होकर महाराज पुरुषोत्तम देव ने कांची पर आक्रमण किया, किंतु पहली बार उन्हें सफलता नहीं मिली। महाराज ने आगे बताया कि जब महाराज पुरुषोत्तम देव ने पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान श्रीजगन्नाथ की शरण ग्रहण की, तब स्वयं भगवान श्रीजगन्नाथ श्वेत अश्व पर तथा श्रीबलदेव काले अश्व पर सवार होकर अपनी सेना के साथ युद्धभूमि में पहुँचे। दोनों भाइयों ने अपने भक्त की ओर से युद्ध किया और कांची के राजा की सेना को पराजित कर महाराज पुरुषोत्तम देव को विजय दिलाई। अंततः कांची की राजकुमारी का विवाह महाराज पुरुषोत्तम देव के साथ संपन्न हुआ और भगवान ने यह संदेश दिया कि जो भक्त पूर्ण विश्वास के साथ उनकी शरण ग्रहण करता है, उसकी रक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी स्वयं भगवान लेते हैं।

एआई के साथ आपकी कलाई बनेगी सेहत की नई साथी

नई सोच एक्सप्रेस

SAMSUNG

पटना।जैसे-जैसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है, मोबाइल डिवाइस इसके इस्तेमाल का सबसे अहम माध्यम बन रहे हैं। सैमसंग का लक्ष्य एआई को लोगों की दैनिक जिंदगी का ऐसा हिस्सा बनाना है, जो बिना किसी जटिलता के उनकी जरूरतों के मुताबिक काम करे और हर कदम पर उपयोगी साबित हो। इसी दिशा में कंपनी अपने पूरे गैलेक्सी इकोसिस्टम में एआई आधारित स्मार्ट फीचर्स का विस्तार कर रही है। इसमें गैलेक्सी वॉच की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी, जो हमेशा सक्रिय रहकर यूजर्स को उनकी सेहत से जुड़ी व्यक्तिगत और उन्नत जानकारी उपलब्ध कराएगी। नई गैलेक्सी वॉच यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के बेहतर हेल्थ मॉनिटरिंग का अनुभव देगी। यह बैकग्राउंड में लगातार काम करते हुए सेहत से जुड़ी जानकारियां जुटाएगी और हेल्थ मॉनिटरिंग को रोजमर्रा की दिनचर्या का सहज हिस्सा बना देगी। नए इंटरनल हार्डवेयर और बेहतर बैटरी के साथ आने वाली यह स्मार्टवॉच पहले से ज्यादा समय तक और अधिक सटीक तरीके से हेल्थ डेटा रिकॉर्ड कर सकेगी। गैलेक्सी वॉच अब तक यूजर्स की नींद, मूवमेंट और दैनिक गतिविधियों को ट्रैक कर उनकी सेहत की अहम जानकारियां जुटाती रही है। अब एआई से मिलने वाले स्मार्ट इनसाइट्स के साथ यह पहले से ज्यादा सक्षम हो गई है। इसकी मदद से यूजर्स अपनी सेहत को रियल-टाइम में बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और समय रहते जरूरी कदम भी उठा पाएंगे। सैमसंग 22 जुलाई को शाम 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में नई गैलेक्सी वॉच से पर्दा उठाएगा। कंपनी के मुताबिक, एआई आधारित कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम से लैस यह स्मार्टवॉच यूजर्स को अपनी सेहत की बेहतर निगरानी करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करेगी।

जनता को 6 घंटे खड़ा रखना लोकतंत्र नहीं, दिलीप जयसवाल अहंकार का परिचायक?

नई सोच एक्सप्रेस

जनता को अपने गेट पर छ घंटे खड़ा करवाने वाले मंत्री दिलीप जयसवाल

फतुहा। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि जनप्रतिनिधि और मंत्री जनता के सेवक हैं, जनता उनके दरबार की प्रतीक्षा करने के लिए विवश नहीं होनी चाहिए। पटना। भाजपा मीडिया प्रभारी किसान एवं डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि कोई मंत्री आम नागरिक या किसान को घंटों प्रतीक्षा कराए और इस दौरान अपने परिचितों से बातचीत में व्यस्त रहे, तो यह जनप्रतिनिधि के आचरण पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का पहला दायित्व जनता की बात सुनना और उनकी समस्याओं का सम्मानपूर्वक समाधान करना है। उन्होंने कहा कि यदि जनता को सम्मान नहीं मिलेगा और उसकी समस्याओं को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तो इसका राजनीतिक नुकसान किसी भी दल को उठाना पड़ सकता है। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और मंत्री जनता के सेवक होते हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में विनम्रता, जवाबदेही और समय का सम्मान दिखाई देना चाहिए। डॉ. पटेल ने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार, अपराध और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर कठोर कार्रवाई की अपेक्षा है। जनता चाहती है कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई हो, ताकि सुशासन पर लोगों का विश्वास मजबूत हो। उन्होंने आग्रह किया कि जनप्रतिनिधियों को जनता से संवाद बढ़ाना चाहिए, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और ऐसा व्यवहार करना चाहिए जिससे जनता का विश्वास और सम्मान बना रहे। लोकतंत्र की असली ताकत जनता है, और उसकी उपेक्षा किसी भी राजनीतिक दल के लिए दीर्घकाल में नुकसानदायक सिद्ध हो सकती है।

सीएम सम्राट चौधरी ने रिमोट दबा कर किया राजकीय डिग्री महाविद्यालय सुगौली का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» सत्र 2026-30 के लिए स्नातक की पढ़ाई शुरू, पहले चरण में 6 विषयों में होगा वर्ग संचालन

मोतिहारी।क्षेत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बुधवार को एक नया इतिहास रचा गया। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्वाह्न रिमोट कंट्रोल के माध्यम से राजकीय डिग्री महाविद्यालय,सुगौली में शैक्षणिक सत्र का भव्य शुभारंभ किया। कॉलेज के मुख्य हॉल में आयोजित लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री ने सुगौली सहित बिहार के सैकड़ों डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई के लिए वर्ग संचालन का डिजिटल उद्घाटन किया। फिलहाल सुगौली प्रखंड के चिलझपटी उच्च विद्यालय परिसर में नवनिर्मित भवन में स्नातक की पढ़ाई अस्थाई रूप से शुरू की गई है। उद्घाटन के इस ऐतिहासिक मौके पर कॉलेज परिसर में दर्जनों की संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग,शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथियों,शिक्षाविदों और गणमान्य लोगों को शॉल ओढ़ा कर तथा फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने सुगौली में डिग्री कॉलेज की शुरुआत को क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ा वरदान बताया। प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग रहे मौजूद लाइव टेलीकास्ट और उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय विधायक बबलू गुप्ता,प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण,अंचलाधिकारी कुंदन कुमार,और कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रो अजय कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।इनके अलावा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ,प्रदीप सर्राफ, विकास शर्मा,राजेश्वर ठाकुर,प्रो किशोरी भारती, मधुरेन कुमार,राजा सिंह, शिक्षक पंकज वर्मा,योगेंद्र प्रसाद,अर्जुन कुमार,गुफ़राना बेगम सहित भारी संख्या में अन्य शिक्षक,बुद्धिजीवी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।चार वर्षीय स्नातक कोर्स की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रो अजय कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इस भव्य शुभारंभ के साथ ही कॉलेज में नई शिक्षा नीति के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-30 की स्नातक की पढ़ाई विधिवत शुरू हो गई है। शुरुआत के इस प्रथम चरण में कुल 6 विषयों की पढ़ाई के लिए सत्र का संचालन शुरू किया गया है, जिससे स्थानीय छात्रों को अब उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

डीमर्जर के बाद वेदांता की बड़ी छलांग, हर कंपनी को 100 अरब डॉलर का कारोबार बनाने का लक्ष्यः अनिल अग्रवाल

नई सोच एक्सप्रेस

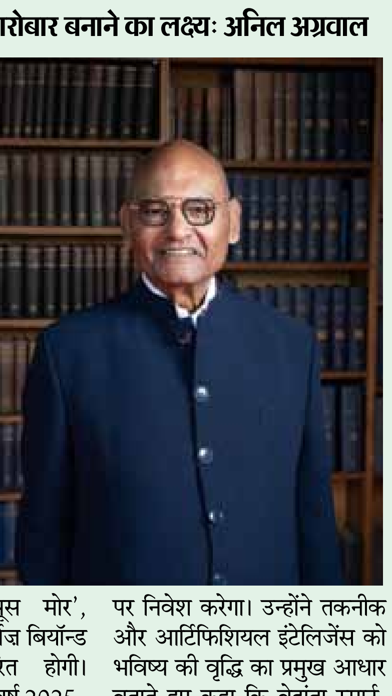

पटना।वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने वेदांता लिमिटेड की 61वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 'वेदांता अनलिमिटेड' विज़न पेश करते हुए कहा कि डीमर्जर के बाद बनी समूह की पांचों स्वतंत्र कंपनियों में 100 अरब डॉलर की कंपनी बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि कंपनी की भविष्य की रणनीति तीन प्रमुख स्तंभों—'प्रोड्यूस मोर', 'पार्टनर बेटर' और 'पर्पज़ बियॉन्ड प्रॉफिट'—पर आधारित होगी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में वेदांता ने 1.74 लाख करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड राजस्व, 55,976 करोड़ का सर्वाधिक EBITDA और 25,096 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। कंपनी का नेट डेट/EBITDA अनुपात भी पिछले 14 तिमाहियों में सबसे बेहतर रहा। अनिल अग्रवाल ने कहा कि समूह जिंक, एल्युमिनियम, तेल एवं गैस, स्टील, बिजली और महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में बड़े पैमाने पर निवेश करेगा। उन्होंने तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भविष्य की वृद्धि का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि वेदांता स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक उत्पादक संचालन पर फोकस करेगी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बताया कि पिछले एक वर्ष में वेदांता ने सरकार के राजस्व में 62,000 करोड़ से अधिक का योगदान दिया है। वहीं, सामाजिक पहल 'नंद घर' के माध्यम से 17 राज्यों में 15,000 से अधिक आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

कौशल विकाश से दूर हो रहा है बेरोजगारी- प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।विश्व कौशल दिवस के अवसर पर प्रेम यूथ फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास और स्वरोजगार प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली वॉलंटियर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से युवाओं को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है। इसी कड़ी में विश्व कौशल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को वॉलेंट्रीयरशिप और प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर फाउंडेशन के फाउंडेशन के स्वयंसेवक सन्नी ने कहा कि "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत हमारा लक्ष्य है कि हर युवा को रोजगार के लायक बनाया जाए। शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।" उन्होंने आगे कहा कि प्रेम यूथ फाउंडेशन नशा मुक्ति, दहेज विरोध, पर्यावरण जागरूकता और कौशल विकास जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ रही है। कोरोना काल में ऑक्सीजन बैंक खोलकर भी फाउंडेशन ने हजारों लोगों की मदद की थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और फाउंडेशन के स्वयंसेवक मौजूद रहे। सम्मानित होने वाली छात्राओं ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। फाउंडेशन ने संकल्प लिया कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए हर पंचायत में युवा विकास केंद्र खोले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रधान लिपिक का मोबाइल छीना, 50 हजार निकाले

हरनौत अंचल कार्यालय कर्मी के साथ घटना, पुलिस जांच

हरनौत ।नालंदा जिले के हरनौत अंचल कार्यालय में कार्यरत प्रधान लिपिक मनोज कुमार तांती का मोबाइल चलती बाइक से छीन लिया गया। इस घटना के बाद उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) खाते से तीन अलग-अलग तारीखों में कुल 50,000 रुपये भी निकाल लिए गए। यह घटना बीते 20 जून को हुई थी। प्रधान लिपिक मनोज कुमार तांती अपने घर सोहसराय थाना क्षेत्र के हबीबपुरा मुहल्ले से हरनौत अंचल कार्यालय जा रहे थे। वे अंचल नाजिर मो. शाहिद हुसैन फैजी की बुलेट बाइक पर सवार थे। सुबह करीब 10 बजे फ्लाईओवर के ऊपर उनके पीछे आ रही एक बाइक पर बैठे दो अज्ञात युवकों में से एक ने उनकी शर्ट की जेब से मोबाइल झपट लिया और तेजी से फरार हो गया। मोबाइल छीने जाने के बाद प्रधान लिपिक तुरंत सिम ब्लॉक नहीं करवा पाए और न ही नेट बैंकिंग सेवा बंद करवाई। हालांकि, उन्होंने उसी शाम सिम रिप्लेसमेंट करवा लिया था। बाद में उन्हें मैसेज मिला कि उनके एसबीआई खाते से तीन अलग-अलग तिथियों में कुल 50,000 रुपये की निकासी कर ली गई है। इस मामले में हरनौत थाना पुलिस ने कांड संख्या 302/26 (01/07/2026) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रधान लिपिक ने आरोप लगाया है कि घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी न तो मोबाइल बरामद हुआ है और न ही खाते से गायब 50,000 रुपये वापस मिले हैं। इस केस के अनुसंधान की जिम्मेदारी हरनौत थाना में तैनात दरोगा (एसआई) बनारसी चौधरी को सौंपी गई है। एसआई चौधरी ने बताया कि मामले में फिलहाल कोई खास प्रगति नहीं हुई है और अनुसंधान जारी है।

भागलपुर से मुख्यमंत्री ने राज्य के 211 नवस्थापित डिग्री कॉलेजों का किया शुभारंभ

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। मखदुमपुर राजकीय डिग्री कॉलेज में भी पठन-पाठन प्रारंभ कियागया । प्रखंडों में स्थापित 211 नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन कार्य का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भागलपुर जिले से एकीकृत रूप से किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जहानाबाद जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत कोहरा उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर से किया गया। उन्नत शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार का उद्देश्य उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाना तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों एवं छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी और ग्रामीण छात्राओं की शिक्षा निरंतर रहेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल शिक्षण संस्थानों का विस्तार नहीं बल्कि विकसित बिहार के निर्माण, मानव संसाधन विकास तथा युवाओं के सशक्त भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मखदुमपुर में स्थापित डिग्री कॉलेज से इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में खान एवं भूतत्व तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार, लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, मखदुमपुर के विधायक सूबेदार दास, जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया, जिला परिषद अध्यक्ष अभिषेक रंजन, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष सागर कुमार, जिला परिषद के उपाध्यक्ष धीरज कुमार और मखदुमपुर की प्रखंड प्रमुख किरण्ती देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में राजकीय डिग्री कॉलेज के शिलापट्ट का विधिवत अनावरण किया गया तथा इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की उच्च शिक्षा तक सुरक्षित एवं सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिंक बस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जहानाबाद में 20 जुलाई को निकलेगी भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।20 जुलाई को भगवान श्री श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) की ओर से आयोजित इस रथ यात्रा में पश्चिम बंगाल के ताजे फूलों से सजा भव्य रथ, ओडिशा की हरिनाम संकीर्तन मंडली और महाप्रसाद वितरण मुख्य आकर्षण होंगे। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से परिवार सहित शामिल होने की अपील की है। इस्कॉन, जहानाबाद द्वारा आयोजित यह भव्य रथ यात्रा 20 जुलाई, सोमवार को दोपहर 3 बजे गांधी मैदान गेट से शुरू होगी। भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी का रथ गांधी मैदान गेट से हॉस्पिटल मोड़, काको मोड़, ऊंटा मोड़, मलहचक मोड़, सती मोड़ होते हुए महिला थाना रोड तक पहुंचेगा। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिलेगा। इस वर्ष रथ यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण पश्चिम बंगाल से मंगाए गए ताजे और सुगंधित फूलों से सजा भव्य रथ होगा। पारंपरिक शैली में सजाया गया यह रथ श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। वहीं ओडिशा से आई विशेष हरिनाम संकीर्तन मंडली मृदंग, करताल और मधुर भजनों के साथ पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर करेगी। "हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण, हरे हरे..." महामंत्र की गूंज से पूरा शहर भक्तिरस में डूब जाएगा। रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान श्री जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचने का भी अवसर मिलेगा। सनातन परंपरा में इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। इसके साथ ही यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि हजारों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि प्रत्येक भक्त भगवान का प्रसाद ग्रहण कर सके। रथ यात्रा के समापन के बाद शाम 7 बजे नव ज्योति आईटीआई कॉलेज, महिला थाना रोड परिसर में भव्य संध्या आरती, हरिनाम संकीर्तन और महाप्रसाद वितरण का आयोजन होगा। इस्कॉन के पदाधिकारियों ने बताया कि रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे, सेवा और मानवता का संदेश देने वाला आध्यात्मिक महोत्सव है। उन्होंने जिले और आसपास के सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा महारानी के दर्शन करने तथा रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त करने की अपील की है।

जहानाबाद डीएम ने बुनियाद केंद्र में कॉमन सर्विस सेंटर का किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बुनियाद केंद्र में अब आधार कार्ड से जुड़ी सेवाओं के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने बुनियाद केंद्र परिसर में कॉमन सर्विस सेंटर आधारित आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र का निरीक्षण कर मरीजों, चिकित्सकों और कर्मचारियों से बातचीत की तथा उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। बुनियाद केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने फीता काटकर कॉमन सर्विस सेंटर आधार सेवा केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने केंद्र के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया और वहां संचालित स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं फिजियोथेरेपी सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों, कर्मचारियों और लाभार्थियों से बातचीत कर केंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं का आकलन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर आधार सेवा केंद्र शुरू होने से जिले के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब आधार कार्ड बनवाने, नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और बायोमेट्रिक अपडेट जैसी सेवाओं के लिए लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ये सभी सुविधाएं अब बुनियाद केंद्र में ही उपलब्ध होंगी, जिससे लोगों का समय और धन दोनों की बचत होगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने फिजियोथेरेपी कक्ष में उपचार करा रहे मरीजों से भी मुलाकात की। मरीज मंटू कुमार ने बताया कि उन्होंने कई वर्षों तक विभिन्न स्थानों पर इलाज कराया, लेकिन बुनियाद केंद्र में नियमित फिजियोथेरेपी और विशेषज्ञों की देखरेख से उन्हें काफी लाभ मिला है। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और कर्मचारियों के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर कॉमन सर्विस सेंटर के असिस्टेंट मैनेजर कुमार राजीव रंजन ने बताया कि बिहार सरकार और कॉमन सर्विस सेंटर के संयुक्त प्रयास से राज्य के 101 अनुमंडल स्तरीय बुनियाद केंद्रों में आधार सेवा केंद्र स्थापित किए जाने हैं। इस अभियान की शुरुआत जहानाबाद से की गई है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से आधार कार्ड बनवाने, मोबाइल नंबर अपडेट कराने, फोटो बदलवाने, जन्मतिथि एवं अन्य त्रुटियों में सुधार जैसी सभी प्रमुख सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाएंगी। बुनियाद केंद्र में कॉमन सर्विस सेंटर आधार सेवा केंद्र की शुरुआत से अब जहानाबाद के लोगों को आधार संबंधी सेवाएं अधिक सुलभ और आसान तरीके से मिल सकेंगी। वहीं, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास सेवाओं का लाभ लेने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी एक ही परिसर में कई महत्वपूर्ण सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

पीड़ित परिवार को बीडीओ ने सौंपा सहायता राशि का चेकः सड़क हादसे के पीड़ित परिवार को मिला मुआवजा, बीडीओ ने सौंपा चेक

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।नालंदा जिले के हरनौत थाना कार्यालय में बुधवार को बीडीओ डॉ पंकज कुमार ने द्वारा मृतक के परिजनों को परिवारिक लाभ का चेक सौंपा। प्रखंड नाजीर अनील कुमार ने कहा कि कल्याण बिगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत महथवर-बलवापर गांव निवासी का रहने वाले पिंकु यादव का बेटा प्रद्युम्न कुमार (23) था। जिसका सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गया था।जिसको लेकर 20 हजार रुपए का चेक मृतक प्रद्युम्न कुमार के पत्नी बॉबी देवी को दी गई।इस दौरान बिहारशरीफ एसडीएम किसलय श्रीवास्तव,सीओ पुजा कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।इस दौरान अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और पूरी प्रक्रिया को तत्काल पूरा कराते हुए मृतक के सरकारी आश्रित को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक आधिकारिक तौर पर देने का आश्वासन दिया।

रामगढ़वा में राजकीय महाविद्यालय का विधिवत उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।राज्य सरकार की 'सात निश्चय पार्ट-2' योजना के अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिले में उच्च शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने और छात्र-छात्राओं को सुलभ शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 15 नए डिग्री महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में, बुधवार को माननीय मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा वर्चुअल माध्यम से सुबह 10:30 बजे रामगढ़वा के सिसवनीया स्थित नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस योजना का मुख्य लक्ष्य "उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य" के संकल्प को साकार करना है, जिससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अन्यत्र जाने की मजबूरी न रहे और उन्हें अपने ही प्रखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश कुमार, अंचलाधिकारी (सीओ) राकेश कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) ब्रजेश कुशवाहा सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी गणमान्य शिक्षकगण और जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।महाविद्यालय के संचालन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि जब तक इसका अपना स्थायी विद्यालय भवन बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक यह महाविद्यालय बुनियादी विद्यालय के परिसर में संचालित किया जाएगा। वर्तमान में संस्थान में एक प्रधानाचार्य, एक लेक्चरर और एक लिपिक की प्रतिनियुक्ति की गई है। शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यहाँ स्नातक स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र जैसे 6 मुख्य विषयों की पढ़ाई शुरू की गई है। प्रत्येक विषय में 45-45 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिससे महाविद्यालय में कुल 270 सीटें उपलब्ध हैं। अभी तक की नामांकन प्रक्रिया में 48 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है। महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं, जैसे कि बिजली की मुकम्मल व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, शौचालय और भवनों के रंग-रोगन को पूर्व में ही सुनिश्चित कर लिया गया था, ताकि विद्यार्थियों को पठन-पाठन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पूर्व सांसद व केरल के पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार का 85वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

औरंगाबाद।केरल के पूर्व राज्यपाल एवं औरंगाबाद के पूर्व सांसद निखिल कुमार का 85वां जन्मदिन बुधवार की संध्या धूमधाम से मनाया गया। अखिल भारतीय राहुल गांधी यूथ ब्रिगेड के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच दूध, ब्रेड और फल का वितरण किया गया। इसके अलावा गरीबों के बीच राशन सामग्री एवं लोगों के बीच मिठाइयां बांटकर जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस नेता मोहम्मद शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने किया। उन्होंने कहा कि निखिल कुमार वर्ष 1963 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। वर्ष 2004 में कांग्रेस के टिकट पर औरंगाबाद लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर सांसद बने और पांच वर्षों तक क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने बताया कि निखिल कुमार के प्रयासों से रफीगंज में सीआरपीएफ केंद्र, केंद्रीय विद्यालय, देव में एनटीपीसी परियोजना से जुड़े विकास कार्य, एफएम रेडियो, बेल्ट्रॉन कंप्यूटर केंद्र तथा एस.एन. सिन्हा कॉलेज में बी.फार्मा की पढ़ाई की स्वीकृति जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। उन्होंने कहा कि निखिल कुमार का राजनीतिक एवं प्रशासनिक जीवन प्रेरणादायी रहा है। सल्लू खान ने बताया कि निखिल कुमार के पिता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सत्येंद्र नारायण सिंह (छोटे साहब) सात बार औरंगाबाद से सांसद रहे, जबकि उनके दादा बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह स्वतंत्रता सेनानी एवं बिहार के प्रथम उपमुख्यमंत्री थे। निखिल कुमार नागालैंड तथा केरल के राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कार्यक्रम में मोहम्मद जुल्फिकार, केदार रजक, भूषण कुमार, रोशन कुमार, रवि कुमार, राहुल कुमार, छोटे खान, छोटू कुमार, बलराम सिंह, विजय कुमार, धीरेंद्र कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चैनपुर में राजकीय डिग्री महाविद्यालय का शुभारंभ, उच्च शिक्षा को मिली नई दिशा

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया राज्यव्यापी उद्घाटन, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खां ने फीता काटकर किया उद्घाटन

भभुआ (कैमूर)। कैमूर जिले के चैनपुर प्रखंड के लिए बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा। बिहार सरकार द्वारा डिग्री महाविद्यालय विहीन प्रखंडों में स्थापित 211 नए राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में एक साथ शैक्षणिक गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भागलपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इसी क्रम में चैनपुर स्थित नवस्थापित राजकीय डिग्री महाविद्यालय में भी नए शैक्षणिक सत्र की विधिवत शुरुआत हुई। महाविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खां ने फीता काटकर महाविद्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि फिलहाल महाविद्यालय में अस्थायी भवन से शैक्षणिक कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, लेकिन राज्य सरकार शीघ्र ही इसके स्थायी भवन का निर्माण कराएगी, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

मंत्री मोहम्मद जमा खां ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार शिक्षा के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को उनके अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें पढ़ाई के लिए दूसरे जिलों अथवा बड़े शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। उन्होंने कहा कि चैनपुर में डिग्री महाविद्यालय खुलने से आसपास के हजारों विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी। अब स्थानीय स्तर पर ही स्नातक की पढ़ाई संभव होगी, जिससे शिक्षा का स्तर मजबूत होगा और युवाओं को बेहतर भविष्य बनाने का अवसर मिलेगा उच्च शिक्षा विभाग, बिहार के पत्रांक संख्या नि./को.-80, दिनांक 10 जुलाई 2026 के तहत राज्य सरकार ने डिग्री महाविद्यालय विहीन 211 प्रखंडों में एक साथ शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ करने का निर्णय लिया था। इसी के तहत चैनपुर महाविद्यालय में कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए उप विकास आयुक्त, कैमूर को नोडल पदाधिकारी बनाया गया, जबकि उनके सहयोग के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, मोहनियां को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अपर समाहर्ता, कैमूर को नोडल पदाधिकारी तथा उनके सहयोग हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, भभुआ को दायित्व दिया गया। वहीं आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (लेखा एवं योजना), शिक्षा विभाग ने संभाली। समारोह में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि चैनपुर में राजकीय डिग्री महाविद्यालय की स्थापना कैमूर जिले के शिक्षा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को घर के समीप ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और क्षेत्र के सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष गजेंद्र गुप्ता, जदयू जिला अध्यक्ष अजय सिंह पटेल, भाजपा नेता एवं पैक्स अध्यक्ष संजय पांडेय (जगरिया), भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय चौरसिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष (उत्तर) रिंकू पांडेय, अखिलेश नारायण सिंह पटेल, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस बोलेरो-बाइक की टक्कर में युवक की मौत, 5 घंटे जाम के बाद खुला आवागमन

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत (नालंदा)।हरनौत थाना क्षेत्र के चेरन गांव के पास बिहटा-सकसोहरा टू-लेन मार्ग पर मंगलवार को पुलिस की बोलेरो और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में 23 वर्षीय प्रद्युम्न कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वह कल्याण बिगहा थाना क्षेत्र के महथवर बलबापर गांव का निवासी था। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा, चालक की गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एनएच-31ए जाम कर दिया। करीब पांच घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सूचना पर एसडीएम किसलय श्रीवास्तव, एसडीपीओ संजय कुमार जायसवाल समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद दोपहर करीब 3:15 बजे जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल हो गया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल एक फोटो और पुलिस वाहन से शराब की गंध आने के दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने कहा है कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

जनता के प्रति जवाबदेही सर्वोपरि विधायक माधव आनंद ने पेश किया आठ माह का विकास रिपोर्ट कार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

» पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल पेश करते हुए विकास कार्यो, स्वीकृत परियोजनाओ और भविष्य की योजनाओ का रखा विस्तृत ब्यौरा

मधुबनी/बिहार।मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नेता विधायक दल (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) बिहार विधान सभा की शून्यकाल समिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद ने अपने कार्यकाल के लगभग आठ माह का विकास रिपोर्ट कार्ड सार्वजनिक करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के प्रति जवाबदेही और पारदर्शिता उनका नैतिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि विभिन्न विकास योजनाओं से संबंधित विभागीय पत्राचार, स्वीकृतियां और आधिकारिक दस्तावेज भी चरणबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीनों में अस्पतालो में उपचार, बिजली, पेयजल, प्रशासनिक सहायता तथा हजारो छोटी-बड़ी जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी गई। इसके साथ ही मधुबनी के दीर्घकालिक विकास को लेकर केंद्र और बिहार सरकार के विभिन्न विभागो के साथ लगातार समन्वय कर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया।विधायक ने बताया कि रेलवे गुमटी संख्या-13 पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण के लिए रेलवे, राइट्स, रेलवे बोर्ड एवं राज्य सरकार के साथ लगातार समन्वय किया गया, जिससे व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तथा अन्य तकनीकी प्रक्रियाओ में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। निधि चौक से रेलवे स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वही हनुमान मंदिर से रेलवे गुमटी-13 तक सड़क को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग में स्थानांतरित कराया गया तथा रेलवे की स्वीकृति भी प्राप्त हो गई है। इसके अलावा कोतवाली चौक-एनएच-57 (पेठघाट), मधुबनी रिंग रोड और कनकपुर-जगतपुर सड़क परियोजनाओं को भी गति मिलने का दावा किया गया।उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में वाटसन स्कूल परिसर में केंद्रीय विद्यालय संचालन, वाटसन स्कूल को मॉडल स्कूल बनाने, मिथिला हाट की स्थापना, एमएसएमई तकनीकी केंद्र, 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना, डिग्री कॉलेज और सरकारी छात्रावास जैसीयोजनाओं पर भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। औद्योगिक विकास के लिए पंडौल औद्योगिक क्षेत्र और अन्य निवेश प्रस्तावों पर भी कार्य जारी है।माधव आनंद ने बताया कि सिंघानिया चौक और आर.के. कॉलेज क्षेत्र में सड़क एवं नाला निर्माण योजनाएं प्रगति पर है। इसके अलावा पुरानी कमला नदी की उड़ाही, खजूरी पंचायत की वितरिका नहर, नगर निगम के लिए अतिरिक्त राशि, 100 सबमर्सिबल पंप, शहरी जल निकासी व्यवस्था तथा उग्रनाथ महादेव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी पहल की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई नई सड़क योजनाओं का भी शुभारंभ कराया गया है।उन्होने कहा कि सकरी, रैयाम और लोहट चीनी मिलो के पुनर्जीवन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। सकरी और रैयाम चीनी मिलो के पुनः संचालन को बिहार सरकार की स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि लोहट चीनी मिल के पुनर्संचालन की प्रक्रिया जारी है। उनके अनुसार इससे किसानो, युवाओं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।विधायक ने बताया कि लगभग 19.73 करोड़ रुपये की लागत से अटल कला भवन की स्वीकृति के साथ स्वास्थ्य, सिंचाई, पर्यटन और दरभंगा एयरपोर्ट से बेहतर सड़क संपर्क जैसी आधारभूत परियोजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है।उन्होने कहा कि यह केवल प्रमुख उपलब्धियो का विवरण है। कई योजनाए अभी विभिन्न विभागो में प्रक्रियाधीन है तथा कई परियोजनाओं की स्वीकृति, निविदा और कार्यारंभ की प्रक्रिया चल रही है। बिहार विधान सभा के मानसून सत्र की समाप्ति के बाद विस्तृत प्रेस वार्ता कर सभी परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति और आधिकारिक दस्तावेज जनता के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।माधव आनंद ने कहा, अभी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन मधुबनी के विकास के प्रति मेरी नीयत, मेहनत और प्रतिबद्धता में कभी कोई कमी नही आएगी। मेरा उत्तर केवल मधुबनी की जनता को है और जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

संक्षिप्त समाचार

समाजसेवी छबीला राय को लोगों ने दी श्रद्धांजलि

वैशाली। प्रखंड क्षेत्र के बाकरपुर पंचायत अंतर्गत नीरपुरा गांव निवासी समाजसेवी छबीला राय की श्राद्ध कर्म में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया था। जहां बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक-राजनैतिक संगठन से जुड़े लोगों ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर लोगों ने उनके सामाजिक योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि सभा में विधायक महेंद्र राम, पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास, वरिष्ठ समाजसेवी दयानंद सिंह, अभिषेक कुमार गोलू, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अवधेश राय, पूर्व पंसस गुड्डू राय,, राजीव रंजन, इंजीनियर मनीष कुमार, इंजीनियर अभिषेक, तुलसी कुमार यादव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में दयानंद सिंह ने कहा कि स्व. छबीला राय अपने क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित पंच के रूप में विशेष पहचान रखते थे। सामाजिक मामलों के समाधान एवं जनहित के कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका रही। उनके निधन से क्षेत्र ने एक अनुभवी व सम्मानित व्यक्तित्व खो दिया।

बरसात में सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, गड्ढो की तत्काल मरम्मत के निर्देश

मधुबनी/बिहार।बरसात के मौसम में आमजन की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने जिले की सभी सड़कों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा कि वर्षा के कारण सड़कों पर बने गड्ढों से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है तथा आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने सभी कार्यपालक अभियंताओं एवं संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों का निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य उच्च पथ, प्रमुख जिला सड़क, ग्रामीण सड़क सहित सभी श्रेणी की सड़कों पर बने गड्ढों की पहचान कर उन्हें अविलंब भरा जाए।उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सड़क मरम्मत कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा नियमित रूप से इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को क्षेत्रीय निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा करने एवं आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा गया है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद उसकी जियो टैग फोटो प्रतिवेदन के साथ अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का सत्यापन किया जा सके। जिला प्रशासन ने वर्षा ऋतु के दौरान सड़क सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को सक्रिय रहकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

युवा समाजसेवी की पहल रंग लाई, निजी खर्च से कराई बड़े नाले की सफाई, जलजमाव से मिलेगी राहत

बेतिया।लगातार हो रही बारिश के बीच मझौलिया पंचायत में जलजमाव की समस्या से राहत दिलाने के लिए एक युवा समाजसेवी की पहल चर्चा का विषय बन गई है। पंचायत के वार्ड संख्या-01 से वार्ड संख्या-03 तक स्थित बड़े पइन (नाला) की सफाई बुधवार को युवा समाजसेवी मनीष कुमार भास्कर उर्फ मोनू ने अपने निजी खर्च पर जेसीबी मशीन लगवाकर कराई। इस जनहितकारी पहल की ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय कदम बताया।ग्रामीणों के अनुसार लगातार बारिश के कारण नाला गाद, मिट्टी और कचरे से पूरी तरह भर गया था। इससे पानी का बहाव बाधित हो गया था और कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति बनने लगी थी। समस्या को गंभीर होते देख मनीष कुमार भास्कर ने किसी सरकारी सहायता का इंतजार किए बिना स्वयं सफाई अभियान शुरू कराया।सफाई अभियान के तहत पंडित जी के घर से लेकर वार्ड संख्या-01 स्थित माई स्थान तक जेसीबी मशीन से नाले की व्यापक सफाई कराई गई। सफाई के बाद नाले में पानी का प्रवाह सामान्य हो गया, जिससे आसपास के इलाकों में जलभराव की समस्या कम होने की उम्मीद है।ग्रामीणों ने बताया कि मनीष कुमार भास्कर इससे पहले भी अपने निजी संसाधनों से नालों की सफाई कराते रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे सामाजिक प्रयास न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि बरसात के मौसम में जल निकासी की समस्या के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीणों ने उनके इस कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए अन्य लोगों से भी समाजहित में आगे आने की अपील की।

पटना लौटने पर सेतु मिश्रा का हुआ भव्य स्वागत

पटना। चीन में हुए एशियन अंडर 23 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 में भारत के लिए दो पदक जीत कर राज्य और देश का नाम रोशन करने वाले मोतिहारी बिहार के सेतु मिश्रा का पटना लौटने पर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर सेतु का स्वागत कर हौसला बढ़ाने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण स्वयं उपस्थित रहे तथा फूल माला और अंगवस्त्र देकर उनका अभिनंदन किया। साथ में बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लियाकत अली, खेल प्राधिकरण के मोहम्मद हारुन,उपस्थित रहे। मौके पर बिहार के प्रतिभावान राष्ट्रीय स्तर के धावक विभास्कर कुमार भी उपस्थित रहे और शंकरण ने अंगवस्त्र और फूल माला से उनका भी अभिनंदन कर हौसला बढ़ाया। चीन में हुए एशियन अंडर 23 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेतु मिश्रा ने भारत के लिए 20254400 मीटर मिक्स्ड रिले दौड़ में स्वर्ण पदक और 4400 मीटर रिले में रजत पदक जीतकर देश और बिहार का नाम रोशन किया है। श्री शंकरण ने कहा कि सेतु मिश्रा की यह उपलब्धि बिहार के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है।

दलितों के हक और सम्मान के लिए कांग्रेस हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी : राजेश

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार को पटना के मनेर स्थित ब्यापुर एवं गोरैया स्थान में दलित संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि दलित समाज इस देश का निर्माता है। दलितों के श्रम, प्रतिभा और त्याग ने भारत के विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि जब अपने अधिकारों की बात आई तो दलित समाज ने हमेशा त्याग और सहनशीलता का परिचय दिया। इस समाज ने शोषण और अत्याचार सहा, लेकिन कभी भी देश और समाज का अहित नहीं किया।

बोधगया रेलवे बुकिंग काउंटर पर तत्काल टिकट की कालाबाजारी का हुआ भंडाफोड़, एक युवक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी।बोधगया रेलवे बुकिंग काउंटर पर तत्काल टिकट की कालाबाजारी के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।बताया जाता है कि युवक के पास से लगभग 9,780 रुपये मूल्य का तत्काल रेल टिकट, दो मोबाइल फोन तथा 200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।आरपीएफ पोस्ट गया एवं अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) गया की संयुक्त टीम बोधगया रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान टिकट काउंटर से बाहर निकल रहे एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध होने पर उसे रोककर पूछताछ किया गया।पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान अंकुश कुमार (18 वर्ष) पिता समरेश कुमार निवासी ग्राम सिमरवार पोस्ट लहथुआ थाना मोहनपुर जिला गया के रहने वाला बताया गया। पूछताछ के क्रम में युवक ने बताया कि वह जरूरतमंद यात्रियों से टिकट बुक कराने का ऑर्डर लेकर रेलवे टिकट के मूल्य से 500 से 1000 रुपये तक अतिरिक्त कमीशन लेता है।अंकुश कुमार यह भी बताया कि 15 जुलाई को चार यात्रियों के लिए तत्काल टिकट बनवाया था।तलाशी के दौरान उसके पास से पीएनआर संख्या 6706611263 का दानापुर से सिकंदराबाद जाने वाली ट्रेन संख्या 12792 का 16 जुलाई 2026 की यात्रा तिथि वाला 9,780 रुपये मूल्य का टिकट, दो मोबाइल फोन तथा 200 रुपये नकद बरामद किए गए। रेलवे अधिकारियों ने इसे रेल टिकटों के अवैध कारोबार का मामला मानते हुए मौके पर आवश्यक कार्रवाई कर। उप निरीक्षक विकास कुमार की लिखित शिकायत के आधार पर आरपीएफ पोस्ट गया में कांड संख्या 1967/2026 दिनांक 15 जुलाई 2026 के तहत रेल अधिनियम की धारा 143 में सरकार बनाम अंकुश कुमार नाम से मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर छात्राओं को मिला स्वरोजगार का मंत्र

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मंगलवार को स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं एमएसएमई तकनीकी सेवा केन्द्र बोधगया के संयुक्त तत्वावधान में एमएसएमई के माध्यम से हस्तशिल्प सिलाई फैशन एवं होम डेकोर उत्पादों में उद्यमिता एवं स्वरोजगार के अवसर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्राओं को उद्यमिता, स्वरोजगार तथा सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में एमएसएमई सेंटर के सेंटर हेड श्री मनोज कुमार तथा एनएसआईसी टेक्निकल सर्विस सेंटर मगध विश्वविद्यालय बोधगया के मैनेजर श्री कमल नयन ने छात्राओं को एमएसएमई योजनाओं स्वरोजगार उद्यमिता विकास हस्तशिल्प सिलाई फैशन डिजाइन एवं होम डेकोर उत्पादों के निर्माण और विपणन के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया।विशेषज्ञों ने कहा कि आज के दौर में कौशल आधारित उद्यमिता युवाओं के लिए रोजगार का बेहतर विकल्प बन रही है। यदि युवा अपने हुनर को निखारकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं।कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने मगध विश्वविद्यालय परिसर स्थित एमएसएमई सेंटर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे जिनका विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। प्रतिभागियों को एमएसएमई द्वारा उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों वित्तीय सहायता उद्यम पंजीकरण प्रक्रिया तथा उत्पादों के विपणन से जुड़ी सुविधाओं की भी जानकारी दी गई।कार्यशाला के अंत में छात्राओं ने इसे स्वरोजगार की दिशा में उपयोगी पहल बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

आगरा में स्टेशन मास्टर से कथित दुर्व्यवहार के विरोध में जयनगर रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों का प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

» ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन ने दोषियो पर कार्रवाई और रेल कर्मचारियो की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उठाई मांग

मधुबनी/बिहार।जयनगर आगरा में ड्यूटी के दौरान एक स्टेशन मास्टर के साथ आरपीएफ जवानों द्वारा कथित दुर्व्यवहार एवं मारपीट की घटना के विरोध में बुधवार को जयनगर रेलवे स्टेशन परिसर में ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू) की दरभंगा शाखा, जयनगर इकाई के नेतृत्व में रेल कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के उपाध्यक्ष बैद्यनाथ भारती ने किया, जबकि संरक्षक भूषण सिंह की उपस्थिति में बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।सभा को संबोधित करते हुए संरक्षक भूषण सिंह ने कहा कि आगरा की घटना ने देशभर के रेल कर्मचारियों को आहत किया है। ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि भारतीय रेलवे की कार्यसंस्कृति एवं अनुशासन पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि स्टेशन मास्टर सहित सभी रेल कर्मचारी यात्रियों की सुरक्षित एवं सुचारु रेल सेवा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते है। ऐसे कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार या हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नही हो सकती।यूनियन नेताओं ने रेल मंत्रालय एवं रेलवे प्रशासन से आगरा की घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी आरपीएफ जवानों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित स्टेशन मास्टर को न्याय एवं सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। साथ ही देशभर के स्टेशन मास्टरों एवं अन्य रेल कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करने की भी मांग उठाई, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विरोध प्रदर्शन में स्टेशन मास्टर मंगल यादव, स्टेशन मास्टर पवन यादव, राकेश कुमार, अमन कुमार, प्रेम शंकर, शंकर यादव, रितेश कुमार, राहुल कुमार, विनय कुमार, मुकेश कुमार सहित दर्जनों रेल कर्मचारियों ने भाग लिया और रेल कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए एकजुटता का प्रदर्शन किया।

मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता अभियान, 200 सैनिटरी पैड वितरित

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था लायंस लियो क्लब ऑफ छपरा टाउन के तत्वावधान में शहर के गर्ल्स उच्च विद्यालय में माहवारी जागरूकता अभियान के तहत 'चुप्पी तोड़ो, खुल के पूछो' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म से जुड़े मिथकों से बाहर निकालकर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या किरण सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नताशा सिंह, लायंस अध्यक्ष आदित्य सोनी एवं लियो उपाध्यक्ष उज्जवल मिश्रा ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. नताशा सिंह ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, आवश्यक सावधानियों तथा सैनिटरी पैड के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माहवारी महिलाओं के जीवन की सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिसे लेकर किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। संवादात्मक सत्र में छात्राओं ने खुलकर सवाल पूछे, जिनका डॉ. नताशा सिंह ने वैज्ञानिक एवं सरल भाषा में उत्तर दिया। लायंस अध्यक्ष आदित्य सोनी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य किशोरियों में माहवारी संबंधी भ्रांतियों को दूर कर उन्हें जागरूक बनाना है। उन्होंने बताया कि यह जिलापाल संगीता नंदा का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। कार्यक्रम के दौरान लियो क्लब की ओर से विद्यालय को 200 सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए गए। प्राचार्या किरण सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे छात्राओं के लिए उपयोगी बताया।

मड़वन में प्रबुद्ध किसानों की बैठक में 51 सदस्यीय किसान समिति के गठन का निर्णय

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुज़फ़्फ़रपुर।मड़वन प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को प्रबुद्ध किसानों, कृषि विभाग एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांटी विधायक ई. अजीत कुमार शामिल हुए। बैठक में खरीफ मौसम को लेकर किसानों को समय पर एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने, धान रोपनी की प्रगति तथा कृषि एवं उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उर्वरक की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा दुकानों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। बैठक में किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 51 सदस्यीय किसान समिति के गठन का निर्णय लिया गया। यह समिति समय-समय पर कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं, उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी और आवश्यक सुझाव भी देगी। विधायक ने अधिकारियों को धान रोपनी की दैनिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करने तथा प्रखंड में उर्वरकों की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खेती के मौसम में किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी जाएगी। बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी गिरीश कुमार ने किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष मो. शमीम, पूर्व प्रमुख मो. मोहसीन, मनोज कुमार सिंह, किसान श्री रमाशंकर सिंह, सुरेश सिंह, सुधीर सिंह, अजय चौधरी, अवधेश सिंह, कामेश्वर सिंह, सदानंद सिंह के अलावे उद्यान विभाग के अधिकारी काजल कुमारी, कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्ध किसान उपस्थित रहे।

शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर डीपीओ से मिला प्रतिनिधिमंडल

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ, सारण के जिलाध्यक्ष समरेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) प्रियंका रानी से शिष्टाचार मुलाकात की। स्थापना शाखा का प्रभार मिलने पर प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों से जुड़े विभिन्न लंबित सेवा संबंधी मामलों को प्रमुखता से उठाया। इनमें प्रधान शिक्षकों के अंतर वेतन का भुगतान, विशिष्ट शिक्षकों की बकाया राशि का शीघ्र भुगतान, नियमित शिक्षकों को प्रधानाध्यापक पद एवं स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति तथा चिन्हित मध्य विद्यालयों में केवल प्रधानाध्यापकों से वेतन विपत्र तैयार कराने की व्यवस्था लागू करने की मांग शामिल रही। संघ के जिलाध्यक्ष समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि स्थापना शाखा शिक्षकों के सेवा संबंधी मामलों की महत्वपूर्ण इकाई है। उन्हें विश्वास है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रियंका रानी के नेतृत्व में लंबित मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार समाधान होगा। डीपीओ प्रियंका रानी ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों के हितों से जुड़े मामलों का नियमानुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर शिक्षक नेता संजय यादव, हवलदार मांझी, निजाम अहमद, विनोद राय, रमेश सिंह, एहसान अंसारी, सम्राट, पीयूष तिवारी, महेश बाबू चौधरी, पप्पू सिंह, संजय पांडेय, अनुज यादव, सूर्यदेव सिंह, अनिल दास, नन्हे सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, फिरोज इकबाल, विभा कुमारी, परवेज आलम, रेयाजुद्दीन, अनिल राय, राहुल कुमार, अशोक यादव, जितेंद्र राम, वकील शर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 27वाँ स्थापना दिवस गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न, पत्रकार हितों की मजबूती पर हुआ मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

» जयनगर में जिला इकाई की बैठक, पौधारोपण के साथ संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और पत्रकार सुरक्षा पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

मधुबनी/बिहार।भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के 27वें स्थापना दिवस के अवसर पर मधुबनी जिला इकाई की ओर से जयनगर स्थित महिला महाविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने की। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए पत्रकारों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक सह संस्थापक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय के सम्मान में बेलपत्र एवं अशोक का पौधा रोपित कर किया गया। वक्ताओं ने इसे पर्यावरण संरक्षण एवं संगठन की निरंतर प्रगति का प्रतीक बताते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियो के निर्वहन का संकल्प दोहराया।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ पिछले 27 वर्षो से पत्रकारों के अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए संगठनात्मक एकजुटता समय की आवश्यकता है। उन्होंने नए पत्रकारो को महासंघ से जोड़ने और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।जिला महासचिव सुरेश कुमार गुप्ता ने संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता नवीनीकरण, अनुशासन और सभी कार्यक्रमो में सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। उन्होने कहा कि पत्रकारो की समस्याओ के समाधान के लिए संगठन हमेशा तत्पर है, लेकिन इसके लिए सभी सदस्यो का एकजुट रहना आवश्यक है।जिला अध्यक्ष मनीष सिंह यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ईमानदार, सत्यनिष्ठ और जनहित के प्रति समर्पित पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार निष्पक्षता, तथ्यों और पत्रकारिता की मर्यादा का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे, संगठन हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारो का प्रकाशन नही, बल्कि समाज की आवाज़ को बुलंद करने, जनसरोकारो को प्रमुखता देने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। पत्रकारों की गरिमा और स्वतंत्र कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए संगठन हमेशा सजग और सक्रिय रहेगा।बैठक में संगठन की आर्थिक मजबूती, सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार, पत्रकार हित, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की समस्याओं, डिजिटल मीडिया की चुनौतियों तथा संगठन को प्रखंड स्तर तक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी अपने विचार रखे।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन को गांव-गांव एवं प्रखंड स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा, ताकि प्रत्येक पत्रकार को एक मजबूत मंच उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन की एकता, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव, जिला अध्यक्ष मनीष सिंह यादव, जिला महासचिव सुरेश कुमार गुप्ता, सचिन कुमार कसेरा, गोविंद जोशी, पुरुषोत्तम महतो, सन्तु नायक, गौरव शर्मा, जवाहर मंडल, मनोज कुमार पांडे, पवन महतो, सुरेश कुमार गुप्ता उपाख्य संजू, रोहित कामत, संजय तिवारी सहित मधुबनी जिला इकाई के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

भक्ति और उत्साह का महासंगम आज, प्राचीन जगन्नाथ मंदिर से निकलेगी भव्य शोभायात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

गयाजी।आस्था श्रद्धा और उत्साह के बीच गुरुवार को बोधगया स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर से लेकर पूरे नगर में भक्तिमय माहौल है।रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शोभायात्रा पारंपरिक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर से शुरू होगी। सुसज्जित रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। यात्रा बोधगया के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए निर्धारित स्थल बोधगया मठ तक पहुंचेगी, जहां भगवान् का विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन होगा।रथयात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किया गया है। शोभायात्रा मार्ग पर जगह जगह पुलिस बल की तैनात रहेगी। रथयात्रा को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है

दिल्ली की 40 मिनट की मुलाकात और 2027 की राजनीतिक बिसात : उत्तर प्रदेश में भाजपा की नई रणनीति के संकेत

आरती कुमारी

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं जिनका महत्व उनके आधिकारिक एजेंडे से कहीं अधिक होता है। कई बार बैठक का औपचारिक विवरण केवल शिष्टाचार भेंट तक सीमित रहता है, लेकिन उसके राजनीतिक संकेत दूरगामी होते हैं। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच लगभग 40 मिनट तक चली हालिया बैठक भी इसी श्रेणी की मानी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे शिष्टाचार भेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बैठक का महत्व केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं है। बैठक ऐसे समय हुई है जब उत्तर प्रदेश की राजनीति कई महत्वपूर्ण घटनाओं के दौर से गुजर रही है। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर उठे विवाद, इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया जाना, भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक बदलाव, विपक्ष की नई सामाजिक रणनीति तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की प्रारंभिक तैयारियां—इन सभी घटनाओं ने इस मुलाकात को विशेष राजनीतिक महत्व प्रदान कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश केवल देश का सबसे बड़ा राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। लोकसभा की 80 सीटों वाला यह राज्य केंद्र की सत्ता का रास्ता तय करता रहा है। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा ने उत्तर प्रदेश के दम पर केंद्र में स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया था। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को राज्य में अपेक्षा से कम सफलता मिली। भाजपा का आंकड़ा 62 से घटकर 33 सीटों पर पहुंच गया, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कुल 36 सीटें मिलीं। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव हासिल किया और कांग्रेस ने भी छह सीटें जीतकर अपनी उपस्थिति मजबूत की। सबसे अधिक राजनीतिक चर्चा फैजाबाद लोकसभा सीट की हार को लेकर हुई। यह वही संसदीय क्षेत्र है जिसके अंतर्गत अयोध्या आती है, जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण भाजपा की सबसे बड़ी वैचारिक और राजनीतिक उपलब्धियों में शामिल माना जाता है। इसके बावजूद इस सीट पर भाजपा की हार ने पार्टी नेतृत्व को गंभीर आत्ममंथन के लिए मजबूर किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा लगातार उन कारणों की समीक्षा कर रही है जिनकी वजह से राम मंदिर जैसे बड़े मुद्दे का अपेक्षित चुनावी लाभ नहीं मिल सका। इसी पृष्ठभूमि में वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीटों में सरकार बनाने के लिए 202 सीटों का बहुमत आवश्यक है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी, जबकि समाजवादी पार्टी गठबंधन 125 सीटों तक पहुंचा था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव ने यह संकेत दे दिया कि राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं। भाजपा यह मानकर चल रही है कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों का मतदान व्यवहार अलग होता है, फिर भी पार्टी किसी प्रकार का जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की बैठक में केवल कानून-व्यवस्था अथवा विकास योजनाओं की समीक्षा नहीं हुई होगी। स्वाभाविक रूप से संगठनात्मक मजबूती, चुनावी रणनीति, सामाजिक समीकरण, विपक्ष की गतिविधियां और आगामी राजनीतिक नैरेटिव पर भी विस्तार से चर्चा हुई होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के चुनावी प्रबंधन और संगठनात्मक रणनीति के प्रमुख सूत्रधार माने जाते हैं। इसलिए उनकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ होने वाली प्रत्येक बैठक को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इन दिनों अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित विवाद ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। इस विषय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद विपक्ष लगातार भाजपा और सरकार पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का प्रयास है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस मुद्दे को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। भाजपा इस विषय पर अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि राम मंदिर जैसे उसके सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक मुद्दे पर किसी प्रकार की नकारात्मक धारणा बने। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि शाह-योगी बैठक से कुछ दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश दौरा हुआ था। उन्होंने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, प्रदेश संगठन, सांसदों, विधायकों और जिला स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव के अनुभवों की समीक्षा करना तथा विधानसभा चुनाव की तैयारी को नई दिशा देना बताया गया। पार्टी नेतृत्व ने संगठनात्मक अनुशासन, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर विशेष बल दिया। यह संदेश भी स्पष्ट रूप से दिया गया कि व्यक्तिगत बयानबाजी, गुटबाजी और सार्वजनिक मतभेदों से बचते हुए सभी नेताओं को एकजुट होकर चुनावी तैयारी करनी होगी। भाजपा के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक समीकरणों की है। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के सामाजिक गठजोड़ के आधार पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। अब पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव इस सामाजिक आधार को और विस्तारित करने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि समाजवादी पार्टी ब्राह्मण समाज के बीच भी अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। लखनऊ सहित कई जिलों में प्रस्तावित ब्राह्मण सम्मेलन इसी दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। यदि समाजवादी पार्टी गैर-यादव पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों के साथ-साथ सवर्ण समाज के एक हिस्से को भी अपने साथ जोड़ने में सफल होती है तो भाजपा के सामने चुनौती और कठिन हो सकती है। यही कारण है कि भाजपा भी अपने सामाजिक आधार को और मजबूत करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। भाजपा की रणनीति का केंद्र गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग, गैर-जाटव दलित, महिलाएं, युवा और सरकारी योजनाओं के लाभार्थी हैं। पार्टी का मानना है कि पिछले वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है और यही वर्ग चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि तथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को भाजपा अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी मानती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत लगभग 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या भी दो करोड़ से अधिक बताई जाती है। भाजपा का विश्वास है कि यदि इन योजनाओं का लाभ लेने वाले परिवारों के साथ सीधा संवाद मजबूत किया जाए तो चुनावी लाभ प्राप्त किया जा सकता है। दूसरी ओर विपक्ष भी भाजपा को घेरने का कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहता। महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, किसानों की समस्याएं, स्थानीय विकास के मुद्दे तथा अयोध्या चढ़ावा विवाद जैसे विषय लगातार विपक्ष के राजनीतिक अभियान का हिस्सा बने हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में लखनऊ, मथुरा और अन्य शहरों में लगाए गए राजनीतिक पोस्टरों ने भी चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है। भाजपा समर्थक जहां समाजवादी पार्टी पर अवसरवादी राजनीति का आरोप लगा रहे हैं, वहीं समाजवादी पार्टी का कहना है कि भाजपा जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। इससे स्पष्ट है कि 2027 का चुनाव केवल विकास कार्यों के आधार पर नहीं लड़ा जाएगा। यह चुनाव सामाजिक समीकरण, राजनीतिक प्रतीकों, धार्मिक विमर्श, कल्याणकारी योजनाओं और जनभावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समानांतर रूप से विकास परियोजनाओं को गति देने में जुटे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेजों का विस्तार, नए एयरपोर्ट, मेट्रो परियोजनाएं और औद्योगिक निवेश को सरकार अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने का दावा किया गया था। सरकार का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो चुका है और आने वाले समय में इनके परिणाम भी दिखाई देंगे। चुनाव से पहले भाजपा का प्रयास होगा कि विकास परियोजनाओं का ठोस असर जनता तक पहुंचे। रोजगार, निवेश और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उपलब्धियों को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया जा सकता है। साथ ही कानून-व्यवस्था को भी भाजपा अपनी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल करती रही है और आने वाले समय में इस विषय पर भी विशेष जोर दिए जाने की संभावना है। लोकसभा चुनाव के दौरान कई स्थानों पर संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी की चर्चा सामने आई थी। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की नाराजगी तथा संगठनात्मक कमजोरी ने भी भाजपा के प्रदर्शन को प्रभावित किया। अब पार्टी इस अनुभव से सीख लेते हुए बूथ समितियों के पुनर्गठन, शक्ति केंद्रों को सक्रिय करने और पन्ना प्रमुख व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में व्यापक अभियान चला रही है। भाजपा की चुनावी रणनीति का मूल सिद्धांत हमेशा मजबूत संगठन रहा है। यही कारण है कि चुनाव से लगभग डेढ़ वर्ष पहले ही पार्टी बूथ स्तर तक अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना भी प्राथमिकता में शामिल है ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे मतदाताओं तक पहुंच सके। विपक्ष की ओर से भी राजनीतिक सक्रियता लगातार बढ़ रही है। समाजवादी पार्टी अपने सामाजिक गठबंधन को मजबूत करने में जुटी है, जबकि कांग्रेस भी राज्य में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास कर रही है। यदि विपक्षी दल सीटों के स्तर पर बेहतर तालमेल बनाने में सफल होते हैं तो भाजपा के लिए चुनौती बढ़ सकती है। दूसरी ओर भाजपा अपने मजबूत कैडर, व्यापक संगठन, केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा लाभार्थी वर्ग के भरोसे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। दिल्ली में हुई अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की 40 मिनट की बैठक को इसी व्यापक राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यद्यपि बैठक के आधिकारिक एजेंडे का विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, फिर भी इसके समय, राजनीतिक परिस्थितियों और उसके पहले-पश्चात हुई गतिविधियों को देखते हुए यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि भाजपा अब 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रही है। आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश की राजनीति अयोध्या, कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं, सामाजिक समीकरण, कल्याणकारी योजनाओं, संगठनात्मक मजबूती और विपक्ष की नई रणनीतियों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई दे सकती है। भाजपा के सामने अपनी पारंपरिक ताकत को बनाए रखने और नए सामाजिक वर्गों तक पहुंच बनाने की चुनौती है, जबकि विपक्ष के सामने 2024 की सफलता को 2027 में दोहराने की परीक्षा होगी। अंततः यह कहा जा सकता है कि दिल्ली की यह 40 मिनट की मुलाकात केवल एक शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीतिक दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखी जा रही है। आने वाले समय में यदि भाजपा संगठनात्मक एकजुटता, विकास कार्यों की गति और सामाजिक संतुलन को प्रभावी ढंग से साधने में सफल रहती है तो वह 2027 में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। वहीं विपक्ष यदि अपने सामाजिक गठबंधन को और व्यापक बनाकर जनसरोकारों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच ले जाने में सफल होता है, तो उत्तर प्रदेश का चुनावी मुकाबला पहले से कहीं अधिक रोचक और प्रतिस्पर्धी होने की संभावना है। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषकों की निगाहें अब केवल चुनावी रैलियों पर नहीं, बल्कि ऐसी हर रणनीतिक बैठक पर टिकी हैं, जो आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम की दिशा तय कर सकती है।

वर्तमान समय में - जीवन, समाज और राजनीति

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

मनुष्य का जीवन समय की तीन धाराओं के बीच निरंतर प्रवाहित होता रहता है- अतीत, वर्तमान और भविष्य। अतीत स्मृतियों का संसार है, जिसमें सफलताओं का गर्व, असफलताओं की पीड़ा, बिछड़ने वालों की कसक और बीते हुए सुख-दुःख की अनगिनत परछाइयाँ समाई रहती हैं। भविष्य कल्पनाओं का प्रदेश है, जहाँ आशाएँ भी हैं, आशंकाएँ भी, सपने भी हैं, संदेह भी। किंतु इन दोनों के बीच एक ऐसा सत्य खड़ा है, जिसे हम अक्सर सबसे कम महत्व देते हैं। वह सत्य है "वर्तमान"। विडंबना यह है कि मनुष्य का अधिकांश समय उसी में व्यतीत हो जाता है, जो उसके हाथ में नहीं है। कभी वह बीते हुए कल की भूलों पर पछताता है, कभी आने वाले कल की अनिश्चितताओं से भयभीत रहता है। परिणाम यह होता है कि उसके हाथ से आज का सबसे मूल्यवान समय फिसल जाता है। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जब वर्तमान बीत जाता है, तब वही वर्तमान भविष्य में अतीत बनकर पछतावे का कारण बनता है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन, उपनिषद, गीता और संत साहित्य बार-बार मनुष्य को वर्तमान में जीने का संदेश देते हैं। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। यह संदेश केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं है, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी व्यावहारिक शिक्षा भी है। जो व्यक्ति आज का कर्म पूरी निष्ठा से करता है, उसका आने वाला कल स्वयं सुदृढ़ होता चला जाता है। आज का समय अनेक प्रकार की सूचनाओं, बहसों, राजनीतिक घटनाओं, सामाजिक तनावों और वैश्विक परिवर्तनों से भरा हुआ है। सुबह आँख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन पर देश-दुनिया की अनगिनत खबरें हमारा स्वागत करती है। कहीं युद्ध की आशंका है, कहीं चुनावी शोर, कहीं आर्थिक संकट, कहीं तकनीकी क्रांति, कहीं पर्यावरण की चिंता और कहीं सामाजिक असंतोष। हर समाचार हमारी भावनाओं को प्रभावित करता है। धीरे-धीरे हम अपने भीतर की शांति खोने लगते हैं। समस्या समाचारों में नहीं है, समस्या हमारी मानसिक प्रवृत्ति में है। हम हर घटना को अपने मन का बोझ बना लेते हैं। जिस विषय पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है, उसी पर सबसे अधिक चिंता करने लगते हैं। परिणामस्वरूप हमारा ध्यान अपने कर्तव्य, अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य, अपने समाज और अपने आत्मविकास से हटने लगता है। यहीं से जीवन में असंतुलन आरंभ होता है। भारतीय संस्कृति में अमावस्या का विशेष स्थान है। सामान्यतः लोग इसे अंधकार, शून्यता या विराम का प्रतीक मानते हैं, किंतु भारतीय चिंतन इससे कहीं अधिक गहरा है। अमावस्या हमें यह सिखाती है कि जब बाहर प्रकाश दिखाई नहीं देता है, तब भीतर दीपक जलाना चाहिए। जिस प्रकार चंद्रमा अमावस्या के बाद पुनः अपनी कलाओं का विस्तार करता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने जीवन में निराशा, असफलता और अंधकार के बाद पुनः नई ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। अंधकार स्थायी नहीं होता। वह केवल प्रकाश के आगमन की भूमिका तैयार करता है। जीवन में भी अनेक ऐसी अमावस्याएँ आती हैं। कभी आर्थिक संकट, कभी पारिवारिक तनाव, कभी सामाजिक उपेक्षा, कभी स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयाँ और कभी मानसिक अकेलापन। यदि मनुष्य इन्हें अंत समझ ले, तो वह टूट जाता है। यदि इन्हें नई शुरुआत मान ले, तो वही परिस्थितियाँ उसके व्यक्तित्व को और अधिक मजबूत बना देती है। मनुष्य का अधिकांश दुःख अपेक्षाओं से जन्म लेता है। हम चाहते हैं कि परिवार हमें समझे, समाज हमारा सम्मान करे, मित्र साथ दें, राजनीति आदर्श बने, शासन निष्पक्ष हो, व्यवस्था पारदर्शी हो और हर व्यक्ति हमारे अनुरूप व्यवहार करे। इनमें से कुछ अपेक्षाएँ उचित हैं, कुछ स्वाभाविक और कुछ अव्यावहारिक। जब अपेक्षाएँ पूरी नहीं होती है, तब मन में उपेक्षा का भाव जन्म लेता है। यही उपेक्षा धीरे-धीरे शिकायत, क्रोध और निराशा का रूप धारण कर लेती है। व्यक्ति बाहर से सामान्य दिखाई देता है, किंतु भीतर ही भीतर टूटने लगता है। भारतीय दर्शन कहता है कि अपेक्षा कम और कर्तव्य अधिक होना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय सह लिया जाए या अधिकार छोड़ दिए जाएँ। इसका अर्थ केवल इतना है कि अपने सुख का आधार केवल दूसरों के व्यवहार पर नहीं रखा जाना चाहिए। आज का प्रत्येक दिन किसी न किसी राजनीतिक घटना से भरा होता है। सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप, चुनावी रणनीतियाँ, नीतिगत घोषणाएँ, जनसभाएँ, मीडिया बहसें और सोशल मीडिया पर चलने वाले विचारों के अनगिनत प्रवाह। इन सबके बीच सामान्य नागरिक अनेक बार स्वयं को भ्रमित अनुभव करता है। लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही शासन व्यवस्था का आधार है। किंतु राजनीति यदि समाज को जोड़ने के बजाय बाँटने लगे, संवाद के स्थान पर टकराव को बढ़ाने लगे और जनहित के स्थान पर केवल प्रचार का माध्यम बन जाए, तो नागरिक का विश्वास कमजोर होने लगता है। एक सजग नागरिक का दायित्व है कि वह समाचार पढ़े, तथ्यों को समझे, प्रश्न पूछे, मतदान करे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग ले। परंतु साथ ही उसे यह भी समझना चाहिए कि उसका संपूर्ण जीवन केवल राजनीतिक बहसों तक सीमित नहीं हो सकता है। यदि किसान खेती छोड़कर केवल राजनीति पर चर्चा करने लगे, शिक्षक पढ़ाना छोड़ दे, चिकित्सक सेवा छोड़ दे, पत्रकार सत्य की खोज छोड़ दे और विद्यार्थी अध्ययन छोड़ दे, तो समाज की वास्तविक प्रगति रुक जाएगी। इसलिए राजनीति को समझना आवश्यक है, किंतु अपने कर्तव्य से विमुख होना उचित नहीं।

मेष राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके संतान के करियर को लेकर हो सकती है। मन मुताबिक परिणाम मिलने से आप अपने अंदर भरपूर ऊर्जा और सुकून महसूस करेंगे साथ अपने काम मे अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखें। नई प्रॉपर्टी खरीदने से पहले परिवार वालों के साथ विचार विमर्श अवश्य कर लें पारिवारिक जीवन सुखमय बीतेगा। शुभ अंक - 5

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आज के दिन धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी भी प्रकार का निवेश करते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें। प्रशासनिक विभाग में कार्यरत लोगों के प्रमोशन और ट्रांसफर के योग बन रहे है। विद्यार्थिओं को चिकित्सा और शोध के क्षेत्रों में आज बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। शुभ अंक - 3

मिथुन राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। परिवार में मौन रहकर आज परिस्थितियों को समझने की कोशिश करें। रिश्तों में सहयोग और अपनापन बना रहेगा। लवमेट के लिए बेहतरीन समय है,रिश्ते में मजबूती आएगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इस दौरान आप फिजूल खर्च से बचेंगे, कुछ सेविंग्स भी करेंगे। शुभ अंक - 7

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने परिवार वालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में डिनर पार्टी देंगे परिवार के साथ हंसी-खुशी भरे पल बीतेंगे। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा। शुभ अंक - 1

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। सिंह लग्न और राशि वालों आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान आपको अपनी अलग पहचान और मान सम्मान बनाए रखने मदद करेगा। ससुराल पक्ष से आज खुशखबरी मिल सकती है। बच्चे आज आपसे मन की बात बता सकते हैं । शुभ अंक - 4

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी परफारमेंस बहुत ही डायनेमिक रहेगी। आज पारिवारिक जिम्मेदारिया बढ़ने से थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। कोई अनजाना डर जो मन में चल रहा था वो आज अपने दोस्त से शेयर करने से दूर हो सकता है। आज आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। शुभ अंक - 9

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। घर और बिजनेस में उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी निजी कार्यों के लिए भी समय निकाल पाएंगे और आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने गुस्से पर नियंत्रण करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे । निर्माण कार्य में व्यय होने की संभावना है। शुभ अंक - 6

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलेपन से कुछ महत्वपूर्ण लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे। कानून और न्याय क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है व्यवसाय संबंधी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन करने पड़ेंगे है। कारोबारी आज मार्केट एक्सप्लोर करने के लिए उत्साहित रहेंगे। शुभ अंक - 3

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है इसके लिए आपको ज्यादा हिम्मत और धैर्य की जरूरत होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे। महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम को अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी साथ ही रिश्तों मे पारदर्शिता और ईमानदारी आपकी प्राथमिकता होगी। शुभ अंक - 9

मकर राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। घर में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। आय के स्त्रोतों में बढ़ोत्तरी होने से बिजनेस में बड़ा धनलाभ हो सकता है। संतान की सकारात्मक गतिविधियों पर आपको गर्व महसूस होगा। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। किसी बुजुर्ग महिला की सेवा का अवसर मिलेगा इससे आपका सौभाग्य बढ़ेगा। शुभ अंक - 8

कुम्भ राशिः आज आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आएगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी बहुत अट्रैक्टिव और कामयाब इंसान से होगी जिससे आप जीवन में कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे। रुका हुआ इनकम सोर्स भी आज दोबारा शुरू हो सकता है। रिश्तेदारों के किसी विवादित मामले में आपका सहयोग निर्णायक रहेगा। आपकी बुद्धिमानी और सूझबूझ की सराहना होगी और लोग आपका अनुसरण करेंगे । शुभ अंक - 2

मीन राशिःआज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी एनर्जी और एकाग्रता से आगे बढ़ेंगे। घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है। आज आप अपने घर को नए तरीके से सजायेंगे। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में आफिशियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। माईग्रेन की समस्या से आज आपको काफी राहत मिलेगी। शुभ अंक - 6

पटना से दुनिया तक : गिग श्रमिकों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास का नया बिहार मॉडल

आचार्य अशोक कुमार चौधरी
'प्रियदर्शी' कटिहार, बिहार

आज का विश्व तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मोबाइल इंटरनेट और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म ने श्रम की पारंपरिक अवधारणा को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ वर्ष पहले तक रोजगार का अर्थ किसी कार्यालय, उद्योग, प्रतिष्ठान या संस्थान में नियमित उपस्थिति, निश्चित कार्य अवधि और मासिक वेतन से लगाया जाता था, किंतु आज लाखों लोग ऐसे हैं जो किसी एक कार्यालय के कर्मचारी नहीं हैं, फिर भी प्रतिदिन शहरों की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखते हैं। मोबाइल ऐप के माध्यम से भोजन पहुँचाने वाले डिलीवरी एजेंट, ऑनलाइन टैक्सी चालक, ई-कॉमर्स कंपनियों के पार्सल वितरक, घरेलू सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले तकनीकी विशेषज्ञ, फ्रीलांसर तथा अन्य प्लेटफ़ॉर्म आधारित श्रमिक आधुनिक अर्थव्यवस्था की नई कार्यशक्ति के रूप में उभरे हैं। इनके बिना आज महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक का दैनिक जीवन लगभग असंभव प्रतीत होता है। इन श्रमिकों को सामान्यतः "गिग वर्कर" कहा जाता है। "गिग" का अर्थ है—स्थायी नौकरी के स्थान पर कार्य-आधारित या अस्थायी अनुबंध के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करना। इस व्यवस्था में श्रमिक को प्रत्येक कार्य के आधार पर भुगतान प्राप्त होता है। देखने में यह प्रणाली आधुनिक, लचीली और अवसरों से भरपूर दिखाई देती है, किंतु इसके भीतर सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण, आय की स्थिरता तथा श्रमिक सम्मान से जुड़ी अनेक चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। अधिकांश गिग श्रमिकों के पास न भविष्य निधि है, न पेंशन, न नियमित चिकित्सा सुरक्षा और न ही कार्य के दौरान विश्राम की समुचित व्यवस्था। वे आधुनिक अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखते हैं, किंतु स्वयं अक्सर असुरक्षा और अनिश्चितता के वातावरण में कार्य करते हैं। भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के तीव्र विस्तार के साथ गिग श्रमिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह संख्या करोड़ों तक पहुँचने का अनुमान है। खाद्य वितरण, ऑनलाइन खरीदारी, टैक्सी सेवा, दवा आपूर्ति, घरेलू सेवाएँ, लॉजिस्टिक्स तथा डिजिटल सेवा क्षेत्र की सफलता आज बड़े पैमाने पर इन्हीं श्रमिकों की सक्रियता पर निर्भर है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब अधिकांश लोग अपने घरों तक सीमित थे, तब यही गिग श्रमिक आवश्यक वस्तुएँ, भोजन और दवाइयाँ लोगों तक पहुँचाकर समाज की जीवनरेखा बने रहे। उस कठिन समय ने यह सिद्ध कर दिया कि ये केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि आधुनिक समाज की अनिवार्य आवश्यकता हैं। फिर भी यह एक विडंबना रही कि जिन लोगों के श्रम पर आधुनिक शहरी जीवन आधारित है, उनके कार्यस्थल की मूलभूत आवश्यकताओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। अधिकांश डिलीवरी एजेंट सड़क किनारे, पेट्रोल पंपों, पार्कों या फुटपाथों पर बैठकर अगले ऑर्डर की प्रतीक्षा करते दिखाई देते हैं। भीषण गर्मी, वर्षा और शीतलहर में भी उनका कार्य निरंतर चलता रहता है। स्वच्छ पेयजल, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग, प्राथमिक उपचार अथवा कुछ समय विश्राम करने जैसी सामान्य सुविधाएँ भी अनेक बार उनके लिए उपलब्ध नहीं होतीं। यह स्थिति केवल आर्थिक चुनौती नहीं, बल्कि श्रम की गरिमा के प्रति समाज की संवेदनशीलता का भी प्रश्न है। ऐसे समय में बिहार की राजधानी पटना से एक उल्लेखनीय पहल सामने आई है। पटना में स्थापित गिग वर्कर लाउंज केवल एक विश्राम केंद्र नहीं, बल्कि श्रम की गरिमा को सार्वजनिक नीति का हिस्सा बनाने का प्रयास है। यह पहल इस विचार को सशक्त करती है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में कार्य करने वाला प्रत्येक श्रमिक सम्मान, सुविधा और मानवीय व्यवहार का समान अधिकारी है। यदि विकास का केंद्र मनुष्य है, तो श्रमिक उसकी सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। इन लाउंजों में वातानुकूलित विश्राम कक्ष, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, मोबाइल चार्जिंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। पहली दृष्टि में यह व्यवस्था छोटी प्रतीत हो सकती है, किंतु सार्वजनिक नीति की दृष्टि से इसका महत्व अत्यंत व्यापक है। यह संदेश देती है कि राज्य केवल आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लोगों की गरिमा की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है जो उस अर्थव्यवस्था को प्रतिदिन गतिशील बनाए रखते हैं। लोकतांत्रिक शासन की सफलता केवल आधारभूत संरचना के निर्माण से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी मापी जाती है कि वह समाज के सबसे परिश्रमी और अपेक्षाकृत असुरक्षित वर्गों के जीवन को कितना बेहतर बनाता है। यदि कोई शहर आधुनिक सड़कें और फ्लाईओवर बना सकता है, तो वह उन श्रमिकों के लिए सम्मानजनक विश्राम स्थल भी बना सकता है जो उसी शहर की जीवनरेखा हैं। पटना की यह पहल इसी मानवीय सोच का परिचायक है। यह पहल विकास की अवधारणा को भी नई दिशा देती है। लंबे समय तक विकास को केवल निवेश, उत्पादन और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि से जोड़ा गया, किंतु आज यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है कि विकास तभी सार्थक है जब उसके लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें। समावेशी विकास का वास्तविक अर्थ यही है कि आर्थिक प्रगति के साथ श्रमिक का जीवन भी अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक बने। ...यह पहल विकास की अवधारणा को भी नई दिशा देती है। लंबे समय तक विकास को केवल निवेश, उत्पादन और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि से जोड़ा गया, किंतु आज यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है कि विकास तभी सार्थक है जब उसके लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें। समावेशी विकास का वास्तविक अर्थ यही है कि आर्थिक प्रगति के साथ श्रमिक का जीवन भी अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक बने। विश्व स्तर पर भी गिग अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया तथा एशिया के अनेक देशों में लाखों लोग डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से अपनी आजीविका अर्जित कर रहे हैं। इन देशों में पिछले कुछ वर्षों से यह बहस निरंतर चल रही है कि गिग श्रमिकों को पारंपरिक कर्मचारी का दर्जा दिया जाए या स्वतंत्र सेवा प्रदाता के रूप में देखा जाए। कई देशों की न्यायपालिका, सरकारें और नीति-निर्माता सामाजिक सुरक्षा, बीमा, न्यूनतम आय और श्रमिक अधिकारों के संबंध में नए मॉडल विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। इन अंतरराष्ट्रीय अनुभवों के बीच पटना की पहल एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। यहाँ कानूनी वर्गीकरण से पहले श्रमिक की गरिमा और उसकी मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी गई है। यही मानवीय दृष्टिकोण इस पहल को विशिष्ट बनाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यदि इस मॉडल का व्यवस्थित विस्तार किया जाए, तो यह भारत के लिए एक प्रभावी सार्वजनिक नीति का आधार बन सकता है। आज आवश्यकता केवल विश्राम कक्ष उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। गिग श्रमिकों के लिए ऐसी समेकित व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिसमें विश्राम, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण को एक साथ जोड़ा जाए। प्रत्येक गिग श्रमिक का डिजिटल पंजीकरण, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, आकस्मिक सहायता, प्राथमिक चिकित्सा, वित्तीय साक्षरता, कौशल उन्नयन तथा भविष्य में पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए। इससे डिजिटल अर्थव्यवस्था अधिक न्यायपूर्ण और टिकाऊ बन सकेगी। पटना के गिग वर्कर लाउंज को भविष्य में बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। यहाँ ई-श्रम पंजीकरण, सरकारी योजनाओं की जानकारी, डिजिटल प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा जागरूकता, कानूनी परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहायता तथा कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा सकते हैं। यदि इस प्रकार का समेकित मॉडल विकसित होता है, तो यह केवल विश्राम स्थल नहीं रहेगा, बल्कि गिग श्रमिकों के समग्र सशक्तिकरण का केंद्र बन जाएगा। इस दिशा में निजी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिन कंपनियों का व्यवसाय लाखों गिग श्रमिकों के परिश्रम पर आधारित है, उनके लिए यह केवल व्यावसायिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है कि वे अपने सेवा प्रदाताओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण में सक्रिय सहयोग दें। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR), राज्य सरकारों, नगर निकायों और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों के बीच समन्वित प्रयास इस दिशा में उल्लेखनीय परिणाम दे सकते हैं। जब सरकार, समाज और निजी क्षेत्र साझेदारी की भावना से कार्य करेंगे, तभी गिग अर्थव्यवस्था वास्तव में समावेशी बन पाएगी। इस पहल का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है, जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। सम्मानजनक कार्य वातावरण व्यक्ति के आत्मविश्वास, कार्यक्षमता और सामाजिक पहचान को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। जब कोई डिलीवरी एजेंट या टैक्सी चालक यह अनुभव करता है कि समाज और शासन उसकी कठिनाइयों को समझते हैं, तो उसके भीतर अपने कार्य के प्रति गर्व और उत्तरदायित्व की भावना भी बढ़ती है। इस प्रकार ऐसी पहलें केवल सुविधाएँ नहीं देतीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का निर्माण भी करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

19 जुलाई तक जमा करें इन्यूमरेशन फॉर्म, 22 जुलाई को बीएलओ-बीएलए-2 करेंगे एएसडीडी सूची को अंतिम रूप

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र मतदाताओं से 19 जुलाई तक अपना भरा हुआ एवं हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म संबंधित बीएलओ को जमा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 96 प्रतिशत मतदाताओं तक घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचा दिए गए हैं। शेष ऐसे मतदाता हैं जो मतदान केंद्र क्षेत्र से बाहर रहने, एएसडीडी सूची में संभावित होने या अन्य कारणों से अब तक फॉर्म प्राप्त अथवा जमा नहीं कर सके हैं। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 की तीसरी एवं अंतिम बैठक होगी, जिसमें एएसडीडी सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका प्रकाशन 5 अगस्त को मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के साथ किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 19 जुलाई तक फॉर्म जमा होने से डिजिटाइजेशन, मतदाताओं का रेशनलाइजेशन, प्राप्त जानकारियों का सत्यापन तथा एएसडीडी सूची तैयार करने का कार्य समय पर पूरा किया जा सकेगा। जिन मतदाताओं को अब तक इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं मिला है, वे अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन 1950 पर जानकारी ली जा सकती है या वोटर्स सर्विस पोर्टल तथा ECINET ऐप के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरकर जमा किया जा सकता है। ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से समय पर फॉर्म जमा करने वाले सभी मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा।

मतदाता सूची में गड़बड़ी पर जिला प्रशासन सख्त, बीएलओ समेत तीन से स्पष्टीकरण

पाकुड़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-213 पर एएसडीडी (Absent, Shifted, Dead, Duplicate) सूची में त्रुटियां मिलने पर संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा 14 जुलाई को बीएलओ-बीएलए-2 बैठक के निरीक्षण के दौरान जांच में पाया गया कि कुछ मतदाताओं को गलत तरीके से 'अब्सेंट' और 'परमानेंटली शिफ्टेड' श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था, जबकि भौतिक सत्यापन में यह तथ्य सही नहीं पाए गए। मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही सभी एईआरओ, बीएलओ, बीएलए-2 और बीएलओ सुपरवाइजर को निर्देश दिया गया है कि एएसडीडी सूची का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन करने के बाद ही उसे अंतिम रूप दें। बिना पर्याप्त आधार के किसी भी मतदाता का नाम एएसडीडी सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने कहा है कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। एसआईआर अभियान में लापरवाही या नियमों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ज़िया एंटरप्राइजेज में ग्रीनलैम शॉपी का शुभारंभ

पालोजोरी। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने झारखंड के पालोजोरी स्थित ज़िया एंटरप्राइजेज में नए ग्रीनलैम शॉपी का शुभारंभ किया। यह शोरूम जियाउल हक के प्रतिष्ठान, मंदिर चौक, सारठ रोड, पालोजोरी, देवघर – 814146, झारखंड में स्थित है। यहां ग्रीनलैम के प्रीमियम लैमिनेट कलेक्शन प्रदर्शित किए गए हैं, जिससे ग्राहकों, आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों और ठेकेदारों को एक ही स्थान पर विभिन्न सजावटी सरफेस सॉल्यूशंस उपलब्ध होंगे। ग्रीनलैम शॉपी का उद्घाटन ज़िया एंटरप्राइजेज के मालिक अज़रुअल हक ने ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के कंट्री हेड (ग्रीनलैम लैमिनेट एंड एलाइड) अनुज संगल तथा कंपनी की टीम की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर क्षेत्र के लगभग 25 ठेकेदारों और प्रमुख ट्रेड पार्टनर्स ने भी भाग लिया। इस अवसर पर अनुज संगल ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों तक प्रीमियम लैमिनेट सॉल्यूशंस की पहुंच बढ़ाना और मजबूत रिटेल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना है। वहीं अज़रुअल हक ने कहा कि ग्रीनलैम के साथ यह साझेदारी ग्राहकों को विश्वस्तरीय गुणवत्ता और डिजाइन वाले लैमिनेट उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने में सहायक होगी। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के अनुसार, ज़िया एंटरप्राइजेज में ग्रीनलैम शॉपी का शुभारंभ झारखंड में कंपनी की रिटेल उपस्थिति को और मजबूत करेगा तथा क्षेत्र के ग्राहकों को प्रीमियम लैमिनेट उत्पादों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बंद करे सरकार, झूठे मुकदमे वापस हों : आदित्य साहू

चतरा। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने चतरा पहुंचकर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनिवास कुमार और जिला मीडिया प्रभारी काली यादव से मंडल कारा में मुलाकात की। इसके बाद सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने राज्य सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों में फंसाने का आरोप लगाया। आदित्य साहू ने कहा कि चतरा में अवैध खनन, अवैध ढुलाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने श्रीनिवास कुमार की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए कहा कि उन पर दर्ज मामलों की निष्पक्ष समीक्षा कर झूठे मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन बड़े अपराधियों और अवैध कारोबारियों पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न नहीं रुका तो पार्टी राज्यभर में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन चलाएगी। इस दौरान आदित्य साहू ने हाल ही में कोयला परिवहन के दौरान सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ जवान लक्ष्मण यादव और सहदेव यादव के परिजनों से भी मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित और अवैध कोयला परिवहन के कारण क्षेत्र में लगातार हादसे हो रहे हैं। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। मौके पर प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, सांसद कालीचरण सिंह, विधायक उज्ज्वल दास, भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव भोक्ता सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

14वीं जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ भाजयुमो करेगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने 14वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम में कथित गड़बड़ी, रोजगार, नियोजन नियमावली और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर पूरे झारखंड में जनजागरण अभियान एवं लोकतांत्रिक आंदोलन चलाने की घोषणा की है। यह निर्णय भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित भाजयुमो की प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने की। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजयुमो हमेशा झारखंड के युवाओं की आवाज़ रहा है और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए युवाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने चुनाव के दौरान 1932 आधारित नियोजन नीति का वादा किया था, लेकिन अब भी कई नियुक्तियां 1985 कट-ऑफ के आधार पर की जा रही हैं, जिससे सरकार के वादों और हकीकत के बीच अंतर स्पष्ट होता है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि राज्य का युवा रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की उम्मीद कर रहा है, लेकिन सरकार अब तक स्पष्ट एवं स्थायी नियोजन नियमावली नहीं बना सकी है। उन्होंने कहा कि इससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। बैठक में लंबित भर्तियों, प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, बढ़ते पलायन और जेपीएससी भर्ती प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों पर भी चिंता व्यक्त की गई। नेताओं ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी विनय जायसवाल, प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मनीष दुबे ने किया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को मुरी और पिस्का स्टेशन उद्घाटन का न्योता

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के.एन. सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीआरएम ने मुख्यमंत्री को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित मुरी एवं पिस्का रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। मुलाकात के दौरान पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा हुई। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित मुरी और पिस्का रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन 17 जुलाई 2026 को किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने मुख्यमंत्री से कार्यक्रम में उपस्थित होकर उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाने का अनुरोध किया।

लंबित सड़क परियोजनाएं जल्द पूरी करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में लंबित सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज और पुल-पुलिया परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी और लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी तथा दोषी अधिकारियों और एजेंसियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी निर्माणाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं का अद्यतन डेटाबेस तैयार करने और उनकी जियो-टैगिंग अनिवार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की लागत, समय-सीमा और प्रगति का रिकॉर्ड उपलब्ध रहने से निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सड़कों में गड्ढे, जलजमाव और निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। अधिकारियों को इन शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने, गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और सड़क गुणवत्ता सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के लिए संकीर्ण सड़कों के चौड़ीकरण, पुल-पुलियों के किनारों के सुदृढ़ीकरण तथा सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने रांची समेत राज्य की वर्षों से लंबित प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं आगामी दो माह के भीतर पूरी कर ली जाएं। ऐसा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सोलर साइकिल ट्रैक सहित अन्य नई परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख प्रवीण जयंत भेंगरा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्रों में 18 व 20 जुलाई को मतदान केंद्रों पर लगेंगे बीएलओ कैंप

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि राज्य में बीएलओ द्वारा 96 प्रतिशत मतदाताओं तक इन्यूमरेशन (गणना) प्रपत्र पहुंचाया जा चुका है, जबकि शेष चार प्रतिशत मतदाता, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, अभी इससे वंचित हैं। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए शहरी क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर 18 एवं 20 जुलाई को विशेष बीएलओ कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, हेल्पडेस्क मैनेजर एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहेंगे, जो मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने तथा उसे जमा कराने में सहायता करेंगे। अधिकारियों ने मतदाताओं से अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर प्रपत्र प्राप्त एवं जमा करने की अपील की है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह विशेष व्यवस्था केवल शहरी क्षेत्रों के लिए है। ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ पूर्व की भांति घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने और जमा कराने का कार्य जारी रखेंगे। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान कोई भी पात्र भारतीय नागरिक सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को होने वाली बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक के लिए सभी जिलों को एएसडीडी सूची तैयार करने का प्रारूप उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट तथा हस्ताक्षर से इनकार (विदेशी) श्रेणियों के लिए अलग-अलग प्रपत्र शामिल हैं। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

जगन्नाथपुर मेला झारखंड की सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत प्रतीक : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने जगन्नाथपुर मेले पर एक विशेष लेख जारी करते हुए कहा है कि रांची का ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि झारखंड की साझा सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और लोकजीवन का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नागवंशी शासनकाल में स्थापित जगन्नाथपुर मंदिर और उससे जुड़ी रथयात्रा सदियों से आदिवासी, मूलवासी, सदानी तथा अन्य समुदायों को एक सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ने का कार्य कर रही है। रथ की रस्सी को सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध होना सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक सहभागिता का संदेश देता है। नायक ने कहा कि जगन्नाथपुर मेला लोककला, लोकसंगीत, पारंपरिक शिल्प, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक सद्भाव का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने रथ निर्माण करने वाले शिल्पकारों, महिलाओं की भूमिका तथा स्थानीय हस्तशिल्प और लोकपरंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जगन्नाथपुर मेले का व्यवस्थित डिजिटल अभिलेखीकरण किया जाना चाहिए। इसके अंतर्गत पुरानी तस्वीरों, लोकगीतों, रथ निर्माण की प्रक्रिया, मौखिक इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण आवश्यक है। साथ ही विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों को इस विषय पर व्यापक शोध को प्रोत्साहित करना चाहिए। विजय शंकर नायक ने कहा कि यदि सुनियोजित प्रयास किए जाएं तो जगन्नाथपुर मेला धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, महिला स्वयं सहायता समूहों और युवा उद्यमियों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा झारखंड की सांस्कृतिक पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि "जब रथ चलता है, तब केवल भगवान जगन्नाथ का रथ नहीं, बल्कि झारखंड का इतिहास, संस्कृति और साझा अस्मिता भी आगे बढ़ती है।" इसलिए इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज और सरकार को मिलकर कार्य करना चाहिए।

भाजपा जाली दस्तावेज़ मामले को राजनीतिक रंग देना बंद करे : कांग्रेस

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने भाजपा युवा मोर्चा के नेता श्रीनिवास कुमार की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह कार्रवाई कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है, न कि किसी राजनीतिक कारण से। उन्होंने कहा कि संबंधित सरकारी विभाग ने न्यायालय में प्रस्तुत दस्तावेज़ को फर्जी बताया है, जिसके बाद सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर और अभिलेखों के कथित दुरुपयोग के मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई। इसी के आधार पर पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की। ऋषीकेश सिंह ने भाजपा से पूछा कि यदि दस्तावेज़ वास्तविक था, तो उसका प्रमाण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रेस बयान देकर जनता को भ्रमित करने और जांच एजेंसियों पर दबाव बनाने का प्रयास उचित नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करना और उनका उपयोग करना गंभीर दंडनीय अपराध हैं तथा कानून सभी के लिए समान है। उन्होंने कहा कि यदि आरोपी निर्दोष है तो उसे न्यायालय से न्याय मिलेगा, लेकिन यदि किसी ने न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होना स्वाभाविक है। उन्होंने भाजपा से न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करने और कानून को निष्पक्ष रूप से अपना काम करने देने की अपील की।

भारत टेक्स 2026 में झारखंड पवेलियन का जलवा, जीआई टैग वाले हस्तकरघा उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली/रांची। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित भारत टेक्स 2026 के दूसरे दिन झारखंड पवेलियन देश-विदेश से आए आगंतुकों, उद्योग प्रतिनिधियों, फैशन डिजाइनरों, निर्यातकों और खरीदारों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। पवेलियन में प्रदर्शित राज्य के जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग प्राप्त पारंपरिक हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों को खूब सराहना मिल रही है। पवेलियन में तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, दुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पांची साड़ी एवं फैब्रिक प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए गए हैं। इन उत्पादों की पारंपरिक बुनाई, प्राकृतिक रंगों, उत्कृष्ट गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। कई खरीदारों और उद्योग प्रतिनिधियों ने इनके व्यावसायिक विस्तार और वैश्विक बाजार में संभावनाओं को लेकर रुचि दिखाई। राज्य सरकार के अनुसार, भारत टेक्स 2026 में झारखंड की सक्रिय भागीदारी पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक बाजारों से जोड़ने तथा 'आत्मनिर्भर झारखंड' और 'विकसित झारखंड' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। झारखंड के जीआई टैग प्राप्त उत्पादों ने राज्य की पारंपरिक बुनाई और शिल्पकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। इससे स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए नए बाजार और आर्थिक अवसर भी सृजित हो रहे हैं। तसर सिल्क अपनी प्राकृतिक चमक और गुणवत्ता, कुचाई सिल्क महीन बुनाई, भगैया साड़ी प्राकृतिक रंगों, दुमका चादर पारंपरिक हस्तकरघा कला, भोया साड़ी जनजातीय कलात्मकता तथा पांची साड़ी आदिवासी संस्कृति से प्रेरित आकर्षक डिजाइनों के लिए विशेष पहचान रखती है। भारत टेक्स 2026 में इन उत्पादों को मिल रही सराहना से झारखंड के हस्तकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

DMFT फंड की लूट का आरोप, बाबूलाल ने हेमंत सरकार से मांगा श्वेत पत्र

नई सोच एक्सप्रेस

चाईबासा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिमी सिंहभूम में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) फंड के उपयोग पर हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चाईबासा जिले में पिछले 10 वर्षों में DMFT मद में 3742.15 करोड़ रुपये मिले, जिनमें से 75.68 प्रतिशत राशि खर्च किए जाने का दावा किया गया है, लेकिन खदान प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी समस्याएं अब भी जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने इसे "आर्थिक अपराध" बताते हुए राज्य सरकार से DMFT फंड पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। चाईबासा जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खदान प्रभावित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से DMFT फंड की व्यवस्था की थी, लेकिन झारखंड में इसका लाभ लोगों तक नहीं पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि फंड की राशि की बंदरबांट हुई है और खर्च का पूरा विवरण पोर्टल पर भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय पश्चिमी सिंहभूम दौरे के दौरान उन्होंने खदान प्रभावित इलाकों का दौरा किया, जहां आज भी लोग नदी-नालों का पानी पीने, जर्जर स्कूलों, खराब स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अनुसार क्षेत्र में गरीबी, बेरोजगारी और पलायन के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। मरांडी ने राज्य में खनन पट्टों की नीलामी नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि देशभर में 434 खदानों की नीलामी हुई, जबकि झारखंड में केवल तीन खदानों का ऑक्शन हुआ, वह भी केंद्र सरकार के माध्यम से। उन्होंने दावा किया कि नीलामी नहीं होने से रोजगार के अवसर प्रभावित हुए और युवाओं का पलायन बढ़ा। उन्होंने ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 45 कोयला और अन्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी से राज्य को अधिक राजस्व मिला, जबकि झारखंड अपने खनिज संसाधनों के बावजूद पीछे रह गया है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार के विदेश दौरों और निवेश संबंधी एमओयू पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनका जमीनी लाभ दिखाई नहीं देता। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई, जेबी तुबिद, मृत्युंजय शर्मा सहित भाजपा के कई नेता उपस्थित थे।

रथयात्रा की तैयारी पूरी, मेला का आयोजन आज

नई सोच एक्सप्रेस

- बलभद्र सुभद्रा देंगे भक्तों को आशीर्वाद

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण में आयोजित होने वाले जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार को आस्था का महासंगम चौपारण में देखने को मिलेगा, जहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर नगरवासियों को दर्शन एवं आशीर्वाद देंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष करीब चालीस से पचास हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी जोहान टुडू, डीएसपी राधा प्रेम किशोर, अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव, थाना प्रभारी पंकज कुमार तथा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने पूरे बाजार क्षेत्र का फ्लैग मार्च कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने जीटी रोड पर चल रहे निर्माण कार्य और रथयात्रा मार्ग का भी निरीक्षण किया।एसडीओ जोहान टुडू ने बताया कि रथयात्रा के दौरान चतरा मोड़ से चौपारण थाना तक लगभग नौ घंटे के लिए जीटी रोड बाजार क्षेत्र वन-लेन रहेगा। बरही व चौपारण की ओर से चतरा जाने वाले वाहनों को बहेरा आश्रम मोड़ होते हुए मयूरहंड मार्ग से भेजा जाएगा। वहीं इटखोरी की ओर से आने वाले भारी वाहनों का परिचालन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक नियंत्रित रहेगा। डीएसपी राधा प्रेम किशोर ने बताया कि रथयात्रा की सुरक्षा के लिए जिला मुख्यालय से अतिरिक्त

पुलिस बल की तैनाती की गई है। रथ के आगे-पीछे सायरन युक्त दस मोटरसाइकिल दस्ता लगातार सुरक्षा व्यवस्था संभालेगा। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि रथयात्रा के कारण गुरुवार को चौपारण का साप्ताहिक हाट बंद रहेगा। चौपारण में वर्षों से दो प्रमुख रथयात्राओं का आयोजन होता है। एक केसरवानी समाज की पारंपरिक रथयात्रा, जो लगभग पांच दशक से पूरे बाजार का भ्रमण करती आ रही है। दूसरी श्री जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव, जो सियरकोनी से निकलती है और इस वर्ष अपने चौथे संस्करण में आयोजित हो रही है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन समिति की बैठक में महाप्रसाद वितरण, रथ संचालन, सुरक्षा, यातायात, स्वयंसेवकों की तैनाती एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। समिति ने बताया कि 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरित किया जाएगा, जबकि रथयात्रा मार्ग में 10 हजार पैकेट बूंदी प्रसाद भी वितरित किए जाएंगे । मुरी-खुटाम से पहुंचे 600 भक्त, करेंगे हरिनाम संकीर्तन रथयात्रा में शामिल होने के लिए मुरी-खुटाम स्थित भक्ति वेदांत गुरुकुल से लगभग 600 भक्तों का जत्था चौपारण पहुंच चुका है। दास गजाधर प्रभु के नेतृत्व में यह टोली भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना के साथ पूरे रथयात्रा मार्ग में हरे राम-हरे कृष्ण संकीर्तन करेगी। दास गजाधर प्रभु ने कंप्यूटर इंजीनियर के रूप में करियर शुरू किया था, लेकिन बाद में पुणे में इस्कॉन से जुड़कर स्वयं को धर्म प्रचार और वैदिक शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनके मार्गदर्शन में देशभर में लगभग 20 वैदिक गुरुकुलों की स्थापना की गई है, जिनमें मुरी-खुटाम का गुरुकुल भी शामिल है। बैठक में आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह, सचिव राजदेव यादव, संयोजक अभिषेक सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, संरक्षक मुखिया बिनोद सिंह, उपसचिव सुमन सिंह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, उपसचिव सुमन सिंह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, इंदीवर सिंह, संरक्षक रामचंद्र सिंह, प्रताप सिंह, जिप सदस्य राकेश रंजन, मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, मुखिया गंदौरी दांगी, विकास यादव, विकास सिंह, सांसद प्रतिनिधि सहदेव यादव व आशीष सिंह, अरूण पांडेय, शंभु दांगी, आनंद चंद्रवंशी, सतेन्द्र सिंह, दिलीप राणा, अरविंद सिन्हा, प्रदीप केशरी, बलराम दांगी, पवन सिंह, रवींद्र यादव, सुबोध यादव सहित समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड की लूट का आरोप, बाबूलाल ने हेमंत सरकार से मांगा श्वेत पत्र

चाईबासा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पश्चिमी सिंहभूम में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड के उपयोग पर हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चाईबासा जिले में पिछले 10 वर्षों में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड मद में 3742.15 करोड़ रुपये मिले, जिनमें से 75.68 प्रतिशत राशि खर्च किए जाने का दावा किया गया है, लेकिन खदान प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी समस्याएं अब भी जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने इसे "आर्थिक अपराध" बताते हुए राज्य सरकार से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंडफंड पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। चाईबासा जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खदान प्रभावित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट फंड फंड की व्यवस्था की थी, लेकिन झारखंड में इसका लाभ लोगों तक नहीं पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि फंड की राशि की बंदरबांट हुई है और खर्च का पूरा विवरण पोर्टल पर भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय पश्चिमी सिंहभूम दौरे के दौरान उन्होंने खदान प्रभावित इलाकों का दौरा किया, जहां आज भी लोग नदी-नालों का पानी पीने, जर्जर स्कूलों, खराब स्वास्थ्य सुविधाओं और सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अनुसार क्षेत्र में गरीबी, बेरोजगारी और पलायन के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। मरांडी ने राज्य में खनन पट्टों की नीलामी नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि देशभर में 434 खदानों की नीलामी हुई, जबकि झारखंड में केवल तीन खदानों का ऑक्शन हुआ, वह भी केंद्र सरकार के माध्यम से। उन्होंने दावा किया कि नीलामी नहीं होने से रोजगार के अवसर प्रभावित हुए और युवाओं का पलायन बढ़ा।उन्होंने ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 45 कोयला और अन्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी से राज्य को अधिक राजस्व मिला, जबकि झारखंड अपने खनिज संसाधनों के बावजूद पीछे रह गया है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार के विदेश दौरों और निवेश संबंधी एमओयू पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनका जमीनी लाभ दिखाई नहीं देता। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गगराई, जेबी तुबिद, मृत्युंजय शर्मा सहित भाजपा के कई नेता उपस्थित थे।

जेएसएससी परीक्षा को लेकर स्टेटिक, पेट्रोलिंग व फ्लाइंग मजिस्ट्रेट को मिला निर्देश

खूंटी। झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के सफल, निष्पक्ष व कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर बुधवार को समाहरणालय सभागार में स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, फ्लाइंग मजिस्ट्रेट व अन्य प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग हुई। बैठक की अध्यक्षता डीसी मो. जावेद हुसैन व एसपी ऋषभ गर्ग ने संयुक्त रूप से की। बैठक में डीसी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को परीक्षा के सफल संचालन के लिए झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों व मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता व गोपनीयता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सतर्कता व जिम्मेदारी के साथ करें। बताया गया कि 19 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली इस परीक्षा में जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर कुल 4,380 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी, अभ्यर्थियों की जांच, पहचान सत्यापन व समयबद्ध प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया। डीसी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त अधिकारी समय से पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। वहीं, एसपी ऋषभ गर्ग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस पदाधिकारी व दंडाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। परीक्षा केंद्रों व आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। बैठक में प्रश्नपत्र व उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित परिवहन, संचार व्यवस्था, विधि-व्यवस्था संधारण व आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। डीसी व एसपी ने सभी अधिकारियों से आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए परीक्षा को सफल, शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त संपन्न कराने का आह्वान किया।

अनाथ बच्चों को हर माह मिलेंगे 04 हजार, शिक्षा व राशन देगा प्रशासन

पलामू। उपायुक्त के निर्देश पर हुसैनाबाद प्रखंड के एकौनी गांव के तीन अनाथ बच्चों अंजली कुमारी, हिमाचल कुमार व हिमांशु कुमार को सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है। अंचलाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि तीनों बच्चों की स्पॉन्सरशिप योजना स्वीकृत हो गई है। अगले महीने से प्रत्येक बच्चे के बैंक खाते में प्रतिमाह 04 हजार रुपए की सहायता राशि भेजी जाएगी। सीओ पंकज कुमार ने बुधवार को बताया कि बच्चों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए उन्हें अभिभावक, बीपीओ, शिक्षक व प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से जोड़ा गया है। उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए शिक्षक नियमित रूप से मार्गदर्शन देंगे, जबकि बीपीओ शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं की निगरानी करेंगी। राशन कार्ड में बच्चों का नाम भी जोड़ दिया गया है, जिससे उन्हें हर महीने निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मिलेगा। उन्होंने बताया कि अनुमंडलीय चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देश पर डॉक्टरों की टीम गठित की गई है, जो प्रत्येक माह एकौनी व बरडीहा गांव पहुंचकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करेगी। प्रशासन ने बच्चों को संपर्क में रखने के लिए एक कीपैड मोबाइल भी उपलब्ध कराया है, ताकि किसी भी समस्या की सूचना सीधे अधिकारियों तक पहुंच सके। सीओ ने कहा कि बच्चों के घर में बिजली, बल्ब व पंखे की व्यवस्था कराई जा रही है। एक-दो दिनों में गैस चूल्हा भी उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी पात्र योजनाओं का लाभ इन बच्चों तक पहुंचाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि समाजसेवी सतीश शर्मा के ट्वीट पर पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत 15 मई को एकौनी गांव जाकर उक्त अनाथ बच्चों से मिले थे व हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया था। सबसे भावुक पल तब आया जब उपायुक्त ने बच्चों को अपना मोबाइल नंबर देते हुए कहा था कि जब भी किसी चीज की जरूरत लगे या कोई परेशानी हो, सीधे मुझे फोन कर लेना।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो भाइयों की मौत

गिरिडीह। गिरिडीह जिला के तिसरी थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो भाइयों की मौत हो गई। हादसा तिसरी-गांवा मुख्य मार्ग पर भुराई मध्य विद्यालय के समीप हुआ, जहां एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतकों की पहचान गुंगी गांव निवासी वितेक साव (25) व प्रिंस साव (22) के रूप में हुई है। दोनों भाई तिसरी चौक से बाजार कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान भुराई मध्य विद्यालय के पास सामने से आ रही बोलेरो से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे व दोनों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही तिसरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची व दुर्घटनाग्रस्त बाइक व बोलेरो को जब्त कर थाना ले गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है। तिसरी थाना पुलिस के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फरार बोलेरो चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही दुर्घटना के कारणों की भी जांच कर रही है।

एनसीओआरडी समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

- अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई एवं जनजागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश : उपायुक्त

चतरा। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आज उपायुक्त श्री रवि आनंद की अध्यक्षता में नारकोटिक्स कंट्रोल समन्वय समिति (NCORD) की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अवैध अफीम की खेती की रोकथाम, विनष्टीकरण अभियान, जागरूकता गतिविधियों एवं विभागीय समन्वय की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं वन विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर संवेदनशील क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देने पर बल दिया। उपायुक्त ने कहा कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संबंधित विभाग निर्धारित अवधि के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। उन्होंने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में एंटी नारकोटिक क्लब का गठन करने एवं छात्र-छात्राओं के बीच नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, बैनर, संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में पूर्व में अवैध अफीम की खेती की गई है, वहां विशेष जागरूकता अभियान संचालित कर स्थानीय लोगों को नशामुक्त समाज

के निर्माण हेतु प्रेरित करने को कहा। बैठक में कृषि विभाग को उर्वरक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित अभिलेखों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया। वहीं बिना चिकित्सकीय परामर्श-पत्र (प्रिस्क्रिप्शन) के प्रतिबंधित इंजेक्शन एवं दवाओं की बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अनिमेष नैथानी, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तरी) श्री राहुल मीणा, अपर समाहर्ता श्री अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा श्री जहूर आलम, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा श्री सन्नी वर्धन, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री माहेश्वरी प्रसाद, सभी संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कान्हाचट्टी प्रखंड के भावी जिला परिषद उम्मीदवार ने SIR को लेकर किया भ्रमण

नई सोच एक्सप्रेस

कान्हाचट्टी। प्रखंड के दो मतदान केंद्र जसपुर, बूथ संख्या 383 बूथ के BLO मधु कुमारी बुथ संख्या 387 मतदान केन्द्र तुलबुल में रीना देवी से मिलकर SIR को लेकर मतदान केंद्रों पर जाकर SIR विशेष गहन पुनरिक्षण कार्यक्रम में बूथ केन्द्र पर BLO-2 और BLO से मिलकर मतदाता सूची से चिन्हित किए गए शिफ्टेड मतदाता, मृत मतदाता, डुप्लीकेट मतदाता सभी को नंबर वाइज बताया गया की मतदाताओं की संख्या कितनी है सभी पार्टियों के बीएलओ 2 के द्वारा हस्ताक्षर कर सहमति प्रदान की गई, JLKM अध्यक्ष सिकेंद्र खरवार ने कहा की इसलिए आप सभी मतदाताओ से भी आग्रह होगा कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में अपने बीएलओ से संपर्क कर अपनी मतदाता सूची को SIR अभियान में नाम दर्ज करवाये और भारतीय नागरिक होने का गौरव प्राप्त करें ।

देवघर में पहले ग्रीनलैम शॉपी का शुभारंभ, झारखंड में रिटेल नेटवर्क हुआ मजबूत

नई सोच एक्सप्रेस

देवघर। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने झारखंड के देवघर स्थित रुद्रा प्लाईवुड में अपने पहले ग्रीनलैम शॉपी का शुभारंभ किया। पालिका बाजार चौक, असम एक्सेस रोड, देवघर – 814112 स्थित इस 500 वर्ग फुट के शोरूम में 100 वर्ग फुट का विशेष ग्रीनलैम डिस्प्ले एरिया बनाया गया है। यहां ग्रीनलैम 1.00 मिमी कलेक्शन, ग्रीनटच 0.80 मिमी कलेक्शन और लेक्सस 1.50 मिमी कलेक्शन प्रदर्शित किए गए हैं, जिससे घर के मालिकों, आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों, ठेकेदारों और ट्रेड पार्टनर्स को डेकोरेटिव सरफेस सॉल्यूशंस की व्यापक रेंज उपलब्ध होगी।ग्रीनलैम शॉपी का उद्घाटन रुद्रा प्लाईवुड के प्रोपराइटर श्रीकांत केशरी ने किया। इस अवसर पर ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के कंट्री हेड (ग्रीनलैम लैमिनेट एंड एलाइड) अनुज संगल तथा कंपनी की टीम मौजूद रही। लॉन्च कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 30 ठेकेदारों और प्रमुख ट्रेड पार्टनर्स ने भाग लिया। इस अवसर पर अनुज संगल ने कहा कि कंपनी की रिटेल विस्तार रणनीति मजबूत चैनल पार्टनरशिप और बेहतर रिटेल अनुभव के माध्यम से ग्राहकों तक प्रीमियम सरफेस सॉल्यूशंस पहुंचाने पर केंद्रित है। वहीं श्रीकांत केशरी ने कहा कि ग्रीनलैम के साथ यह साझेदारी ग्राहकों को विश्वस्तरीय गुणवत्ता, इनोवेशन और व्यापक डिजाइन पोर्टफोलियो वाले लैमिनेट उत्पाद उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित होगी।ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के अनुसार, देवघर में यह कंपनी की पहली एक्सक्लूसिव रिटेल उपस्थिति है। यह नया ग्रीनलैम शॉपी झारखंड में कंपनी की रिटेल उपस्थिति को और मजबूत करेगा तथा ग्राहकों को प्रीमियम लैमिनेट सॉल्यूशंस तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराएगा।

जल जमाव से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी। चौक की स्थिति बदतर जलजमाव से बढ़ी परेशानी, संक्रमण का खतरा गहराया
अधूरी जलनिकासी व्यवस्था और सड़क निर्माण की खामियों से व्यापार आवागमन व जनजीवन प्रभावित लोगों ने स्थायी समाधान की उठाई मांग
इटखोरी चतरा धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी इटखोरी का मुख्य चौक इन दिनों जलजमाव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। हल्की से मध्यम बारिश के बाद ही चौक और चतरा–चौपारण मुख्य मार्ग पर पानी जमा हो जाता है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से बनी इस समस्या के कारण लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है और स्थायी समाधान की मांग तेज हो गई है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान जलनिकासी व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कई स्थानों पर नालियों का निर्माण अधूरा है, जबकि सड़क का स्तर भी असंतुलित है। परिणामस्वरूप बारिश का पानी सड़क पर जमा होकर लंबे समय

तक बना रहता है और आवागमन बाधित हो जाता है।
दुकानदारों ने बताया कि जलजमाव के कारण ग्राहक बाजार आने से बचते हैं। सड़क पर कीचड़ और गंदा पानी भरे रहने से व्यापार प्रभावित हो रहा है तथा छोटे व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई बार दोपहिया वाहन फिसलने और राहगीरों के गिरने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं।
स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर जमा गंदा पानी धीरे-धीरे आसपास के क्षेत्रों और पेयजल स्रोतों तक पहुंचने का खतरा पैदा कर रहा है। इससे डायरिया, मलेरिया, डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। लोगों ने नियमित सफाई, फॉगिंग और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है।
क्षेत्र के समाजसेवियों और व्यापारियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी पहल नहीं की गई। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आम लोगों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।
लोगों की प्रमुख मांगें
अधूरी नालियों का निर्माण जल्द पूरा किया जाए।
स्थायी एवं वैज्ञानिक जलनिकासी व्यवस्था विकसित की जाए।
सड़क के निचले हिस्सों का समतलीकरण कर जलभराव रोका जाए।
नियमित सफाई और फॉगिंग अभियान चलाया जाए।
बरसात से पहले नालियों की सफाई सुनिश्चित की जाए।
स्थानीय प्रशासन का कहना है कि जलजमाव की समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई है। जल्द ही नालियों की सफाई, आवश्यक मरम्मत तथा जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

भद्रकाली मंदिर परिसर की जर्जर टाइल्स बदलेंगी श्रद्धालुओं को मिलेगी सुरक्षित और बेहतर सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी (चतरा)। ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध मां भद्रकाली मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही बड़े स्तर पर मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। मंदिर परिसर में वर्षों से क्षतिग्रस्त और उखड़ चुकी टाइल्स को बदलने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही मुख्य मंदिर के गुंबद की भी मरम्मत कराई जाएगी। मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार परिसर के लगभग 25 हजार वर्गफुट क्षेत्र में लगी पुरानी और क्षतिग्रस्त टाइल्स हटाकर नई टाइल्स बिछाई जाएंगी। लंबे समय से टूटी और उखड़ी टाइल्स के कारण श्रद्धालुओं को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए फिसलने और

दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। मंदिर परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यहां हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। ऐसे में जर्जर टाइल्स के कारण लोगों को काफी असुविधा होती थी। नई टाइल्स लगाए जाने से न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि श्रद्धालुओं की आवाजाही भी अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगी। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य रतन शर्मा ने बताया कि टाइल्स बदलने की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और आवश्यक प्रक्रिया पूरी होते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। वहीं मुख्य मंदिर के गुंबद की मरम्मत का कार्य भी बारिश का मौसम समाप्त होने के बाद कराया जाएगा। स्थानीय श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से इस कार्य की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद मंदिर परिसर पहले से अधिक आकर्षक, सुरक्षित और व्यवस्थित दिखाई देगा, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

सोनुआ में 09 किसानों को मिली सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली

नई सोच एक्सप्रेस

चाईबासा। जिला के सोनुआ प्रखंड में किसानों को आधुनिक सिंचाई सुविधा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण (एटीएमए) की ओर से संचालित 'किसान समृद्धि योजना' के तहत 09 किसानों को 02 एचपी क्षमता वाली सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली उपलब्ध कराई गई। इस पहल से किसानों को कम लागत में सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने व आय में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी। बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ उरांव ने लाभुक किसानों को सोलर सिंचाई प्रणाली

के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर कृषि को अधिक लाभकारी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सोलर आधारित सिंचाई व्यवस्था किसानों के लिए आर्थिक रूप से भी काफी लाभदायक साबित होगी। इस योजना के सफल संचालन में 'प्रदान' संस्था ने भी अहम भूमिका निभाई। संस्था ने गांव-गांव जाकर किसानों को योजना की जानकारी दी व आवेदन प्रक्रिया से लेकर आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने तक हर चरण में सहयोग किया, जिससे पात्र किसानों को योजना का लाभ मिल सका। कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी अर्थरंजन प्रधान, एटीएम सौरव कुमार व प्रदान संस्था के कार्यकारी मनीष कुमार ने किसानों को सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली के प्रभावी उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने व सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। सोलर सिंचाई प्रणाली मिलने से उत्साहित किसानों ने राज्य सरकार, एटीएमए व प्रदान संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। किसानों का कहना था कि अब समय पर सिंचाई करना आसान होगा, डीजल व बिजली पर होने वाला खर्च बचेगा व वर्षभर खेती कर उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

संक्षिप्त समाचार

इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ की तीसरी बार अध्यक्ष बनीं खुशबू जायसवाल

वाराणसी। बीएलडब्ल्यू स्थित होटल ऐलिगैंस में इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ का 54वां शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानी ने वर्ष 2026-27 के लिए खुशबू जायसवाल को लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। डॉ. वीना अग्रवाल सचिव, अर्चिता धार कोषाध्यक्ष, दीपमाला राय आईएसओ तथा पूनम कपूर क्लब कोरेस्पोंडेंट बनीं। समारोह के दौरान क्लब ने एक महिला को सिलाई मशीन, दो बच्चों की स्कूल फीस, 25 स्कूल बैग व जूते, नेत्रहीन बच्चों को कॉपियां, बालिकाओं को सैनिटरी नैपकिन, रोटी बैंक को दो गैस सिलेंडर तथा जरूरतमंद बच्चों को पोषण सामग्री वितरित की। मुख्य अतिथि मधु कमानी ने महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर देते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं एवं विभिन्न इनरव्हील क्लबों के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

कोरियन भाषा प्रशिक्षण से खुलेगा बिहार के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के नए द्वार : सचिव

पटना। विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पटना सिटी में कोरियन भाषा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का विधिवत उद्घाटन विभाग के सचिव डॉ. कौशल किशोर के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बिहार कौशल विकास मिशन के अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, नवदीप शुक्ला, निदेशक नियोजन एवं प्रशिक्षण, सुनील कुमार, मिशन निदेशक, मनीष शंकर सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। उक्त अवसर पर अपने संबोधन में सचिव, डॉ. कौशल किशोर ने कहा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुलजारबाग में कोरियन भाषा प्रशिक्षण केंद्र में कोरियन भाषा के प्रशिक्षण के लिए चार माह का सुपर-इंटेंसिव प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बिहार के युवाओं को विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय रोजगार और शिक्षा के बेहतर अवसरों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि "किसी भी नौकरी के इंटरव्यू में उम्मीदवार का मूल्यांकन केवल प्रश्नों के उत्तरों से नहीं होता, बल्कि जैसे ही वह इंटरव्यू कक्ष में प्रवेश करता है, उसी समय से उसका आकलन शुरू हो जाता है। उसके व्यक्तित्व, व्यवहार, आत्मविश्वास, संवाद शैली और प्रस्तुतिकरण का प्रभाव पहले ही पड़ जाता है। इसलिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स का विकास भी अत्यंत आवश्यक है।

पटना में स्थानीय कारोबारों का सम्मान, कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेज ने बढ़ाया सहयोग

पटना। पटना की पहचान सिर्फ उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व से नहीं, बल्कि उन हजारों स्थानीय कारोबारों से भी है जो रोजमर्रा की जिंदगी को आसान, जीवंत और गतिशील बनाए रखते हैं। मोहल्लों की किराना दुकानें, पारंपरिक मिठाई की दुकानें, रेस्तरां और स्थानीय वितरक न केवल शहर की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। इन्हीं कारोबारों की भूमिका को सम्मान देने और उन्हें आगे बढ़ाने क उद्देश्य से कोका-कोला इंडिया ने अपने बॉटलिंग पार्टनर एसएलएमजी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर स्थानीय उद्यमियों को सम्मानित किया। कोका कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया के वाइस प्रेसिडेंट संदीप बजोरिया ने कहा, हम मानते हैं कि हर दुकानदार को आगे बढ़ने के लिए समर्थन मिलना चाहिए। एसएलएमजी बेवरेजेज के साथ साझेदारी में हम पेय पदार्थों को ग्राहकों की पहुंच के और करीब ला रहे हैं। साथ ही, स्थानीय कारोबारों को कूलर, ग्राहक संपर्क बिंदु और ऐसे डिजिटल समाधान उपलब्ध करा रहे हैं, जो योजना बनाने, सामान भरने और बिक्री को आसान बनाते हैं। जैसे जैसे इन साधनों की पहुंच बढ़ती है, दुकानदार बढ़ती मांग को आत्मविश्वास के साथ पूरा कर सकते हैं और ग्राहक हर खरीद पर ताजगी का अनुभव करते हैं।

जदयू कार्यालय के बाहर छोटू सिंह के समर्थकों का हंगामा

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर पार्टी से निष्कासित नेता अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। समर्थकों ने छोटू सिंह की तस्वीर हाथ में लेकर नारेबाजी की और उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल करने की मांग की।पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत के सामने समाने उन्होंने यह मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार के समर्थन में भी नारे लगाए गए। पार्टी नेतृत्व से निष्कासन का फैसला वापस लेने की अपील की गई।प्रदर्शन कर रहे समर्थकों का कहना था कि छोटू सिंह लंबे समय से जदयू के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। उनका दावा है कि अगर उन्हें पार्टी में वापस नहीं लिया गया तो इसका असर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव पर पड़ सकता है। ठऊअ को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। समर्थकोंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

नवस्थापित 211 डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन का शुभारंभ

पटना। बिहार सरकार द्वारा नवस्थापित 211 डिग्री कॉलेजों में आज से पठन-पाठन कार्य का शुभारंभ किया गया। यह दिन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्यभर के इन महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों का शुभारंभ किया।राजकीय डिग्री महाविद्यालय, नगरनौसा में फिलहाल अस्थायी व्यवस्था के तहत मगध विद्यापीठ, उस्मानपुर-लोदीपुर परिसर में पठन-पाठन प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री हरिनारायण सिंह ने घोषणा की कि महाविद्यालय का स्थायी भवन नगरनौसा प्रखंड मुख्यालय में बनाया जाएगा।अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि एनडीए सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय के प्रारंभ होने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को स्नातक की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा।महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा तथा यहां से शिक्षित होकर छात्र-छात्राएं समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने क्षेत्र के अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में नामांकन लेने की अपील की।

इतिहास और साहित्य का रिश्ता : आत्मीय और जटिल- प्रो कमलान्द झा

नई सोच एक्सप्रेस

» विश्वविद्यालय इतिहास विभाग द्वारा 'इतिहास और साहित्य का अन्तर्संबंध' विषयक एकल व्याख्यान आयोजित

90 के दशक में आयी इतिहास की एक नयी धारा नव्य इतिहास शास्त्र है जो साहित्य को इतिहास का दर्जा देता है। इतिहास सिर्फ राजा-महाराजाओं का ही नहीं, बल्कि 'हिस्ट्री फ्रॉम बिलो' अर्थात् जन-सामान्य का भी होना चाहिए। उक्त बातें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रो कमलानन्द झा ने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग द्वारा "इतिहास और साहित्य का अन्तर्संबंध" विषय पर आयोजित एकल व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कही। आगे उन्होंने औपनिवेशिक ऐतिहासिक दृष्टि की सीमाओं को बताते हुए साहित्य और साहित्य के इतिहास पर इसके प्रभावों और दुष्प्रभावों को विस्तार से बताया। इतिहास और साहित्य के रिश्ते को आत्मीय एवं जटिल बताते हुए उन्होंने कहा कि अधिकांश साहित्यकारों की ऐतिहासिक रचनाओं में कल्पना इतनी हावी हो जाती है कि वो न तो इतिहास रह पाता है और न ही बेहतर साहित्य ही बन पाता है। प्रो झा ने हिन्दी साहित्य के इतिहास को अंतर्विरोधों और अंतर्द्वंदों का इतिहास कहा। उन्होंने साहित्य और इतिहास के अन्तर्द्वन्दों पर समीक्षात्मक तथ्य रखते हुए विद्यापति की तीन रचनाओं- पुरुषपरीक्षा, लिखनावली एवं कीर्तिलता पर शोध-कार्य किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

अध्यक्षीय संबोधन में पीजी इतिहास के विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार चौधरी ने कहा कि इतिहास एवं साहित्य में अन्योन्याश्रय संबंध होता है। इतिहास सत्य, तथ्य एवं स्रोतों पर आधारित होता है, जिसके लेखन में यद्यपि साहित्यिक स्रोत भी होते हैं, पर पुरातात्विक स्रोत अधिक प्रामाणिक होता है। कहा कि इतिहास नीरस होता है, पर साहित्य अपेक्षाकृत कल्पनाशील एवं अधिक सरस होता है। विषय प्रवेश करते हुए संस्कृत-प्राध्यापक डॉ आर एन चौरसिया ने कहा कि साहित्य और इतिहास एक-दूसरे के पूरक हैं। साहित्य समाज का दर्पण है, पर समाज किस ढांचे में ढल रहा है, यह इतिहास तय करता है। दोनों मानवीय ज्ञान एवं अभिव्यक्ति की दो धाराएं हैं जो अंततः जीवन के एक ही महासागर में जाकर मिलती हैं। कहा कि साहित्य का अध्ययन किए बिना किसी भी युग का सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास नहीं लिखा जा सकता। इतिहास बताता है कि क्या हुआ, पर साहित्य बताता है कि क्या होना चाहिए? समाजशास्त्र की प्राध्यापिका डॉ लक्ष्मी कुमारी के संचालन में आयोजित व्याख्यान में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संयोजक डॉ मनीष कुमार ने कहा कि इतिहासकार का काम एक न्यायाधीश की तरह होता है जो साक्ष्यों, शिलालेखों एवं दस्तावेजों के आधार पर तटस्थ होकर घटनाओं का विवरण देता है। उसकी प्रतिबद्धता तथ्यात्मक सत्य के प्रति होती है। वहीं साहित्यकार की प्रतिबद्धता भावात्मक सत्य के प्रति होती है। कहा कि इतिहास और साहित्य एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं और एक के बिना दूसरे का अस्तित्व अधूरा है। अतिथि स्वागत पाग एवं चादर से किया गया। व्याख्यान में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो उमेश कुमार, राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार चौधरी, गोयनका कॉलेज, सीतामढ़ी की इतिहास-प्राध्यापिका डॉ बबीता कुमारी, जेएनयू, दिल्ली के पूर्व इतिहास-छात्र संजय कुमार, डॉ सुशील कुमार सुमन, शोधार्थी- राजनाथ पंडित, शिवम कुमार झा, कंचन एवं वीणा सहित 60 से अधिक व्यक्ति उपस्थित थे।

सुबह की प्रार्थना सभा में पुस्तक द एम्पायर विदिन का विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा। अटल आवासीय विद्यालय, आगरा के वरीय शिक्षक श्री सुरेश . के. शर्मा द्वारा लिखी गई पुस्तक "द एम्पायर विदिन" को स्कूल की प्रार्थना सभा में औपचारिक रूप से विमोचन किया गया। इस पुस्तक का अनावरण विद्यालय प्राचार्या श्रीमती सुनीता वशिष्ठ ने शिक्षक और छात्रों की मौजूदगी में किया। इस मौके पर, श्रीमती वशिष्ठ ने श्री सुरेश , के. शर्मा को उनकी साहित्यिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और छात्रों के बीच पढ़ने और रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने छात्र छात्राओं को पुस्तकें पढ़ने की आदत डालने और अपने शिक्षक से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री साजिद अहमद एवं अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारी श्री अशोक कुमार ने किया कार्यक्रम का समापन छात्र छात्राओं की तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हुआ। पुस्तक विमोचन का यह समारोह संस्थान के लिए गर्व का क्षण था और इसने छात्रों को अपनी साहित्यिक प्रतिभा और सीखने के प्रति प्रेम को निखारने के लिए प्रेरित किया।

मझौलिया को मिला अपना पहला राजकीय डिग्री महाविद्यालय, विधायक रेणु देवी ने किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से राज्य के 211

» नवस्थापित राजकीय महाविद्यालयों के शैक्षणिक सत्र का किया शुभारंभ

बेतिया। बिहार सरकार की उच्च शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने की पहल के तहत बुधवार को मझौलिया को अपना राजकीय डिग्री महाविद्यालय मिल गया। राज्य में नवस्थापित 211 राजकीय महाविद्यालयों के शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से किया। इसी क्रम में सेनुअरिया पंचायत स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में नवनिर्मित राजकीय डिग्री महाविद्यालय, मझौलिया का भी विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बेतिया विधायक रेणु देवी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अखिल वैभव, प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार, अंचलाधिकारी डॉली कुमारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हफीजुर्रहमान, सांसद प्रतिनिधि दीपु कुशवाहा, प्रमुख प्रतिनिधि मंटु कुशवाहा, सुशील जायसवाल, मुखिया ज्योति श्रीवास्तव तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री के वर्चुअल संबोधन को देखा और सुना। अपने संबोधन में विधायक रेणु देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उनके घर के निकट ही गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों या राज्यों का रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मझौलिया और आसपास के क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को अब स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा का बेहतर अवसर मिलेगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी लाभ होगा और पूरे क्षेत्र में शिक्षा का नया माहौल तैयार होगा।कार्यक्रम में जिला पार्षद लालू यादव, भिखारी सिंह, अखिलेश प्रताप सिंह, मुखिया प्रतिनिधि रिंकू श्रीवास्तव, नरेश पटेल, सुनील कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। महाविद्यालय के शुभारंभ को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया।

रक्तांचल सीज़न थ्री के वसीम खान और विजय सिंह ने वाराणसी की रौनक को करीब से जिया

नई सोच एक्सप्रेस

» रक्तांचल सीज़न थ्री का प्रीमियर 16 जुलाई से केवल एम एक्स प्लेयर बाई प्राइम वीडियो पर मुफ्त स्ट्रीम होगा

वाराणसी। रक्तांचल सीज़न थ्री की रिलीज़ से पहले,शो के प्रमुख कलाकार निकितिन धीर और क्रांति प्रकाश झा ने शक्ति और प्रतिशोध की दुनिया से थोड़ा विराम लेकर वाराणसी की जीवंत संस्कृति का अनुभव किया | दोनों कलाकारों ने बनारस की गलियों,घाटों और स्वादों का आनंद लिया तथा प्रशंसकों को अपनी शानदार ऑफ-स्क्रीन दोस्ती की झलक दिखाई | कलाकारों ने अपनी यात्रा की शुरुआत गोदौलिया स्थित प्रतिष्ठित शंकर चाय वाला में चाय के साथ की,फिर नमो घाट पहुंचे | इसके बाद उन्होंने गंगा में नौका विहार किया और शाम को दशाश्वमेध घाट की भव्य गंगा आरती का आनंद लिया | यात्रा का समापन प्रसिद्ध बाटी चोखा रेस्तरां में पारंपरिक भोजन और बनारसी पान के साथ हुआ | वाराणसी की परंपराओं,स्वाद और संस्कृति से भरपूर यह अनुभव रक्तांचल की दुनिया का स्वाभाविक विस्तार महसूस हुआ | प्रशंसकों के उत्साह ने आगामी सीज़न को लेकर रोमांच और बढ़ा दिया |

ऋतम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित,सिद्धार्थ मिश्रा द्वारा लिखित और जार मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस सीज़न में क्रांति प्रकाश झा,निकितिन धीर,करण पटेल, माही गिल,राजेश कुमार और विक्रम कोचर प्रमुख भूमिकाओं में हैं | पूर्वांचल की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीज़न बदले,महत्वाकांक्षा,बदलती वफादारियों और विश्वासघात की कहानी को और गहराई से दिखाएगा | यह 16 जुलाई से केवल एम एक्स प्लेयर बाई प्राइम वीडियो पर मुफ्त स्ट्रीम होगा ||

पत्रकार एकता का सशक्त संदेश, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 27वाँ स्थापना दिवस गरिमामय वातावरण में संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

» 27वें स्थापना दिवस पर पत्रकारो ने दिखाई एकजुटता, संगठन विस्तार और पत्रकार सुरक्षा पर बनी रणनीति

मधुबनी/बिहार। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के 27वें स्थापना दिवस के अवसर पर मधुबनी जिला इकाई की ओर से जयनगर स्थित महिला महा विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने की। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए पत्रकारो एवं संगठन के पदाधिकारियो ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक सह संस्थापक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय के सम्मान में बेलपत्र एवं अशोक का पौधा रोपित कर किया गया। वक्ताओं ने इसे पर्यावरण संरक्षण एवं संगठन की निरंतर प्रगति का प्रतीक बताते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियो के निर्वहन का संकल्प दोहराया।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ पिछले 27 वर्षो से पत्रकारों के अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए संगठनात्मक एकजुटता समय की आवश्यकता है। उन्होने नए पत्रकारो को महासंघ से जोड़ने और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।जिला महासचिव सुरेश कुमार गुप्ता ने संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता नवीनीकरण, अनुशासन और सभी कार्यक्रमो में सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। उन्होने कहा कि पत्रकारो की समस्याओ के समाधान के लिए संगठन हमेशा तत्पर है, लेकिन इसके लिए सभी सदस्यो का एकजुट रहना आवश्यक है।जिला अध्यक्ष मनीष सिंह यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ईमानदार, सत्यनिष्ठ और जनहित के प्रति समर्पित पत्रकारो के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारो की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार निष्पक्षता, तथ्यों और पत्रकारिता की मर्यादा का पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे, संगठन हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारो का प्रकाशन नही, बल्कि समाज की आवाज़ को बुलंद करने, जनसरोकारो को प्रमुखता देने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है। पत्रकारों की गरिमा और स्वतंत्र कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए संगठन हमेशा सजग और सक्रिय रहेगा।बैठक में संगठन की आर्थिक मजबूती, सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार, पत्रकार हित, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की समस्याओं, डिजिटल मीडिया की चुनौतियों तथा संगठन को प्रखंड स्तर तक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी अपने विचार रखे।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन को गांव-गांव एवं प्रखंड स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा, ताकि प्रत्येक पत्रकार को एक मजबूत मंच उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन की एकता, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद यादव, जिला अध्यक्ष मनीष सिंह यादव, जिला महासचिव सुरेश कुमार गुप्ता, सचिन कुमार कसेरा, गोविंद जोशी, पुरुषोत्तम महतो, सन्तु नायक, गौरव शर्मा, जवाहर मंडल, मनोज कुमार पांडे, पवन महतो, सुरेश कुमार गुप्ता उपाख्य संजू, रोहित कामत, संजय तिवारी सहित मधुबनी जिला इकाई के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

रथयात्रा तिथि विवाद पर निष्पक्ष विमर्श की जरूरतः इस्कॉन इंडिया

नई सोच एक्सप्रेस

स्कॉलर्स बोर्ड नई दिल्ली। इस्कॉन इंडिया स्कॉलर्स बोर्ड ने भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा की तिथि को लेकर श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन और इस्कॉन के बीच चल रहे विवाद पर निष्पक्ष, तथ्यपरक और संतुलित मीडिया कवरेज की अपील की है। बोर्ड ने कहा कि इस विषय पर केवल एक पक्ष की दलीलों के बजाय शास्त्रीय प्रमाण, ऐतिहासिक संदर्भ और वैश्विक वैष्णव परंपरा के आधार पर व्यापक विमर्श होना चाहिए। आईआईएसबी ने कहा कि रथयात्रा से जुड़े तिथि और परंपरा संबंधी सभी पहलुओं पर समान गंभीरता से विचार आवश्यक है। बोर्ड ने यह भी उल्लेख किया कि विदेशी इस्कॉन भक्तों के पुरी जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश और धार्मिक मान्यता का मुद्दा लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। बोर्ड के अनुसार, 20 मार्च 2025 को भुवनेश्वर में अपने तर्क प्रस्तुत करने के बावजूद बाद में आगे किसी संवाद से इनकार कर दिया। बोर्ड ने कहा कि इस विवाद का समाधान आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शी संवाद, शास्त्रीय विमर्श और परस्पर सम्मान से ही संभव है। साथ ही मीडिया से सभी पक्षों के तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर संतुलित रिपोर्टिंग करने की अपील की।

बरौली अहीर नवीन सब्जी मंडी के समर्थन में पहुँचे उपेंद्र सिंह, किसानों-व्यापारियों को दिया समाधान का भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा। आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बरौली अहीर स्थित नवीन सब्जी मंडी स्थल पर पिछले छह दिनों से किसानों एवं व्यापारियों का धरना लगातार जारी है। बुधवार को भाजपा नेता उपेंद्र सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों व व्यापारियों की समस्याओं को विस्तार से सुना। धरनारत किसानों और व्यापारियों ने नवीन सब्जी मंडी को पूर्ण रूप से संचालित किए जाने तथा बसई में संचालित अवैध सब्जी मंडी को हटाए जाने की मांग रखी। इस दौरान उपेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है तथा वे इस संबंध में प्रशासन के उच्च अधिकारियों से वार्ता कर जल्द समाधान कराने का प्रयास करेंगे। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी को भी अवगत कराएंगे, उन्होंने आश्वासन दिया कि नवीन सब्जी मंडी को व्यवस्थित रूप से पुनः बसाने और किसानों-व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। साथ ही बसई में संचालित अवैध सब्जी मंडी के संबंध में भी प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग उठाई जाएगी। उपेंद्र सिंह ने कहा कि लगभग चार वर्ष पूर्व उनके प्रयासों से बरौली अहीर की नवीन सब्जी मंडी को आबाद कराया गया था और बसई में संचालित अवैध सब्जी मंडी को हटवाया गया था। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और आमजन के हितों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं और मांगों को भाजपा नेता के समक्ष रखा। उपेंद्र सिंह ने सभी को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों के समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष होतम सिंह,विजय सिंह ,उपाध्यक्ष प्रवेंद्र कुमार, संदीप गुप्ता,सचिन तोमर,सुरेश रावत, अनिल कुमार,राजेश सिंह,अजीत सिंह, ब्रजकिशोर,मनोज कुमार समस्त व्यापारीगण आदि।

चौधरी नत्थू सिंह नंबरदार का जन्मदिन मनाया - चंदेल

» समाज के लिए प्रेरणा चौधरी नाथू सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय संरक्षक गुरु जी राजू चंदेल ने आज अपने बड़े भाई समाज सेवक चौधरी नत्थू सिंह नंबरदार का जन्मदिन बड़ा धूमधाम के साथ मनाया इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारे गुर्जर समाज में सबसे पढ़े-लिखे प्रोफेसर प्रिंसिपल आज समाज को शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों पर लेकर गए हैं और सामाजिक क्षेत्र धार्मिक क्षेत्र में उनकी अग्रणी भूमिका रहती है उन्होंने समाज को अपने कार्यों से एक उदाहरण पेश किया है हमेशा गरीबों और असहायो की मदद करते हैं आपके परिवार में हमेशा ही सभी की मदद की है और परिवार के पास सैकड़ो गांव की नंबरदारी रही है आप नंबरदार होते हुए समाज में सभी वर्गों की समान रूप से सेवा मदद की है गुरुजी चंदेल ने कहा कि आज बहुत कम लोग हैं गुर्जर समाज में जो इस प्रकार नाम हुए ख्याति प्राप्त कर समाज के लिए उदाहरण स्वरूप है परमात्मा उनकी लंबी आयु द वे निरंतर इसी प्रकार समाज में धर्म की रक्षा के लिए आगे बढ़ते रहें इस मौके पर मानसी चंदेल अधिवक्ता दीपिका चंदेल लॉ स्टूडेंट लक्ष्मी चंदेल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे

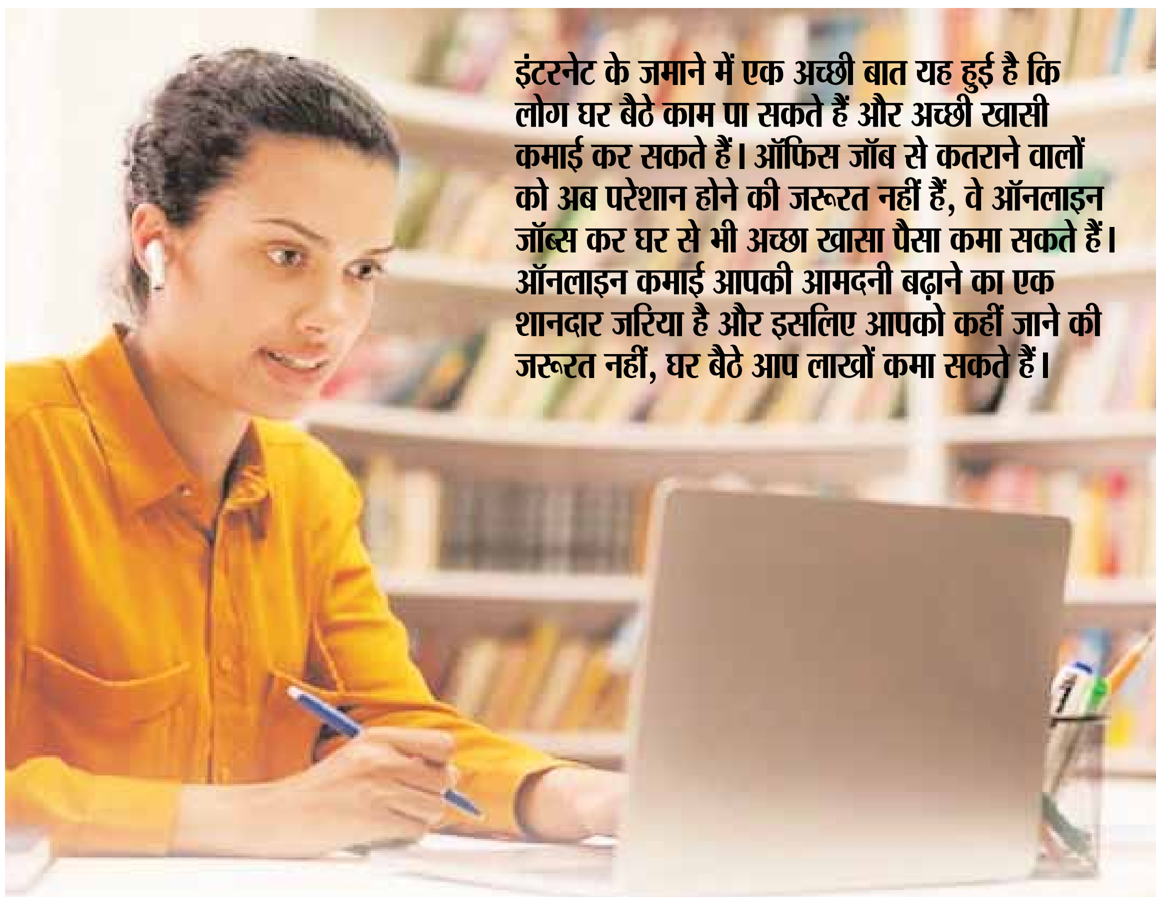

इंटरनेट के जमाने में एक अच्छी बात यह हुई है कि लोग घर बैठे काम पा सकते हैं और अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। ऑफिस जॉब से कतराने वालों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं हैं, वे ऑनलाइन जॉब्स कर घर से भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऑनलाइन कमाई आपकी आमदनी बढ़ाने का एक शानदार जरिया है और इसलिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे आप लाखों कमा सकते हैं।

ऑफिस जॉब से कतराने वाले ऑनलाइन जॉब्स कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

ऑनलाइन सेलिंग

आप ऑनलाइन सेलिंग के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो अपने प्रॉडक्ट को अमेजन, फ्लिपकार्ट, ईबे जैसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट्स पर बेचकर लाखों कमा रहे हैं। आपको सबसे पहले तय करना होगा कि कौन-सा प्रोडक्ट सेल करना चाहते हैं। इसके बाद इन साइट्स पर साइनअप करें और अपने प्रोडक्ट को बेचना शुरू कर दें। आपके ऑर्डर आपके मेल बॉक्स में आ जाएंगे और आपको इन्हें कुरियर कंपनी के माध्यम से डिलीवर करने होंगे।

यूट्यूब से कमाएं

अभी तक भले ही आपने यूट्यूब का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए किया है तो अब जरा इसका दूसरा पहलू देख लें। आप यूट्यूब के माध्यम से अच्छा खास पैसा भी कमा सकते हैं। इसके लिए आपको इसके लिए यू-ट्यूब पर एक चैनल बनाना होगा और फिर उस पर यूनिक वीडियो अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गूगल एडसेंस का अप्रूवल लेकर अपने हर वीडियो से आप पैसे कमा सकते हैं। जितना अधिक आपकी वीडियो देखी जाएगी, उतना ही पैसा आप कमाएंगे।

माइक्रो जॉब्स

माइक्रो जॉब्स का सीधा सा मतलब छोटे-छोटे टास्क पूरा करने से है। छोटे-छोटे काम पूरा करने में आपको कुछ ही सेकंड्स लगेंगे लेकिन अच्छी कमाई भी होगी।

ब्लॉगिंग

यह एक शानदार जॉब है। अगर आपको लिखने का शौक है तो ब्लॉगर के तौर पर आप घर बैठे अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप एक पेड ब्लॉग भी बना सकते हैं। अगर आपका अपना ब्लॉग है तो आप अपने ब्लॉग पर कई प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकते हैं। कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए पैसा देती है।

कैसे करें आइलेट्स की तैयारी

आप अक्सर लोगों को आइलेट्स की तैयारी के बारे में बात करते देखते होंगे। हो सकता है कि आपके बच्चे भी आइलेट्स की तैयारी कर रहे हों। आइलेट्स की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड, यूएसए और कनाडा जैसे अंग्रेजी बोलने वाले देशों शिक्षा के लिए जरूरी होती है। भारत में रहने वाले ढेर सारे बच्चे हर साल इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आइलेट्स की तैयारी कैसे करनी चाहिए। साथ ही किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

आइलेट्स का सिलेबस

आइलेट्स का सिलेबस आसान भी होता है और मुश्किल भी। परीक्षा को 4 भाग में विभाजित किया गया है जिसमें रीडिंग, स्पीकिंग, राइटिंग और लिस्टनिंग शामिल है। इन चारों मुख्य बिंदु के साथ-साथ आपको जर्नल नॉलेज पर भी अच्छी कमांड रखनी चाहिए।

सबसे पहले पेपर को समझें

आइलेट्स की परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के पास 2 घंटे 45 मिनट का समय होता है। इस दौरान रीडिंग, राइटिंग, स्पीकिंग और लिसनिंग जैसे चरण पार करने होते हैं। कोशिश करें कि आप इस फॉर्मेट को समझें और उसी के मुताबिक पेपर की तैयारी करने की कोशिश करें। समय सीमा को दिमाग में रखकर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए आईलेट्स की परीक्षा कलियर करना थोड़ा आसान होता है।

रोजाना करें प्रैक्टिस

आइलेट्स समेत किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी है कि आप रोजाना अभ्यास करें। लिखने, बोलने और सुनने से समझ आएगा कि आप कहां चुक रहे हैं। स्पीड को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका भी रोजाना अभ्यास करना है।

ऑनलाइन फ्री क्लासेस का उठाएं फायदा

आज आपको ऑनलाइन फ्री क्लासेस के कई विकल्प मिल जाएंगे। यूटयूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन फ्री क्लासेस दी जाती हैं जहां से आप घर बैठे-बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।

फ्री टेस्ट अटेम्प्ट करें

सिर्फ तैयारी करने से ही नहीं बल्कि अपनी तैयारी को देखने के लिए टेस्ट भी दें। टेस्ट देने से आपकी तैयारी किस दिशा में जा रही है और आपको कितने तैयारी की जरूरत है या साफ हो जाता है।

डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हैं नौकरी के अवसर

करियर में इन लर्निंग से कम समय में बेहिसाब सफलता मिल सकती है। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सबसे पहले, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसमें आपकी रुचि और प्रतिभा हो। अगर आप किसी क्षेत्र में रुचि नहीं रखते हैं, तो आपको सफल होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप इन आसान तरीकों से करियर में गोल सेट कर सकते हैं और लर्निंग हासिल कर सकते हैं।

कैरियर काउंसलर के मुताबिक कृत्रिम मेधा ने मशीनी दुनिया को एक नई पहचान दी है। इसके नए-नए आविष्कारों से लोगों को न सिर्फ सहूलियत मिल रही हैं, बल्कि तकनीकी विकास से हाल के दौर में इससे जुड़े क्षेत्र युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। आज युवा मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग की बात कर रहे हैं। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा का एक भाग है। वहीं डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग का एक भाग होने के साथ एक मल्टी न्यूरल नेटवर्क भी है, जो मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित होता है और उसे मशीन में उतारने की कोशिश करता है।

सुनियोजित तरीके से क्यों रखे कदम

डीप लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से करने के बाद जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड जैसी प्रवेश परीक्षाएं देकर बीटेक और बी ई ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। स्नातक करने के बाद अगर आप इस क्षेत्र में अपने नॉलेज के लेवल को बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ग्रेजुएशन में प्रवेश के लिए गेट परीक्षा देकर एमटेक और एम ई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स के क्या हैं फायदे

डीप लर्निंग के क्षेत्र में अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिए आप ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी में मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा एनालिटिक्स, बिग डाटा आदि सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स कर के अपने करियर को शेप दे सकते हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स न केवल आपकी योग्यता को बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में आपको प्रैक्टिकल स्किल्स भी दिलाएंगे।

इंटर्नशिप से ऐसे करें शुरुआत

अगर आप डीप लर्निंग के क्षेत्र में अभी शुरुआती पड़ाव पर हैं, तो ऐसी कंपनियों की तलाश करें, जहां आप बतौर इंटर्न के तौर पर न्यूरल नेटवर्क, डाटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कार्य करके अपना अनुभव बढ़ा सकते हैं। इंटर्नशिप के साथ-साथ नेटवर्किंग में सक्रिय रहें, मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी बनाएं और काम के क्षेत्र में अपने स्किल्स और क्रिएटिविटी को भी समय-समय पर अपने मैनेजर के सामने प्रजेंट करें। उन कंपनियों को तलाशें जहां न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग में इंटर्नशिप की जा सकती हो। इससे आप अपनी प्लानिंग को आसानी से इंप्लिमेंट कर पाएंगे।

क्या है जरूरी योग्यताएं

डीप लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए आपके पास औपचारिक शैक्षिक योग्यताओं के अलावा इस क्षेत्र से संबंधित कौशल का होना भी अनिवार्य है। आपको क्लाउड कंप्यूटिंग का ज्ञान, एल्गोरिदम की समझ और पाइथन, जावा, जावा स्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज का ज्ञान होना बेहद जरूरी है।

संभावनाएं व सैलरी

एक डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं, जिनमें सेवाएं शामिल हैं। वहीं, कैरियर काउंसलर का मानना है कि सफल करियर बनाने के लिए अलग-अलग अनुभव लेना, उन्हें समझना और उन अनुभवों से अपने आपको सही रास्ता दिखाना बहुत जरूरी होता है।

- सॉफ्टवेयर और सूचना सेवाएं
- मैन्युफैक्चरिंग
- वित्त व बीमा
- हेल्थ केयर एंड सोशल असिस्टेंट
- व्यावसायिक
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी

सैलरी पैकेज की बात की जाए, तो एक जूनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये और सीनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक कमा सकता है।

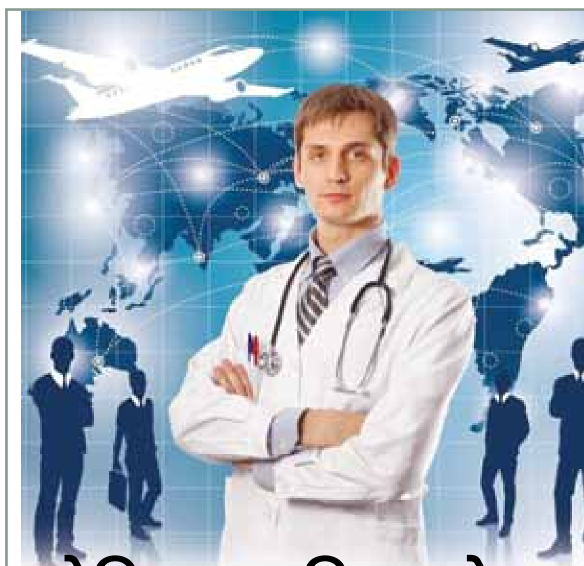

मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं

भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है। हर साल मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में वृद्धि हो रही है और इसकी वजह से इस क्षेत्र में जॉब के मौके भी खूब देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के दूसरे विकसित देशों के मुकाबले भारत में उपलब्ध सस्ते मेडिकल ट्रीटमेंट और एजुकेशन सर्विसेज के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का ग्लोबल हब बन सकता है। 2028 तक हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 40 मिलियन से ज्यादा जॉब जेनरेट होने का अनुमान है। साफ है कि मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं रहेगी।

क्या है मेडिकल टूरिज्म

छुट्टियों में लोग ऐसे स्थानों पर जाना चाहते हैं, जहां वे पर्यटन का लुत्फ तो उठा ही सकें, उनके शौक व स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाए। इस कारण से देश में ऐसे केंद्रों का विकास हो रहा है, जहां हीलिंग ट्रेडिशंस, आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन, एरोमाथेरेपी, यूनानी व सिद्धा, होम्योपैथी, तिब्बती चिकित्सा, नेचुरोपैथी, एक्यूपंचर और एक्यूप्रेशर, जेम थेरेपी, रेकी हीलिंग, चक्र थेरेपी, बॉडी मसाज और ऑयल थेरेपीज की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग विभाग होता है। मेडिकल टूरिज्म को मेडिकल ट्रैवल भी कहते हैं, जिसमें टूरिज्म इंडस्ट्री और मेडिकल केयर के सहयोग से विदेशी या देशी पर्यटकों को कम खर्च पर मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। ट्रीटमेंट के साथ-साथ सैलानियों को उस जगह या देश को एक्सप्लोर करने का मौका भी दिया जाता है। उन्हें अपने घर जैसा एहसास कराया जाता है। लोकेशन या ट्रीटमेंट प्रोसिजर के आधार पर मेडिकल वैकेशन में विदेशी सैलानियों की 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की बचत हो जाती है।

योग्यता

अगर आप मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो अगर आप इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स मेडिकल टूरिज्म में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमबीए कोर्स संचालित करते हैं। कैंडिडेट को ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की भी जानकारी दी जाती है। रेगुलर के अलावा ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए भी मेडिकल टूरिज्म से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।

जया कृष्णा घट्टामनेनी और राशा थडानी की फ़िल्म श्रीनिवास मंगपुरम की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा

जया कृष्णा घट्टामनेनी की फ़िल्म श्रीनिवास मंगपुरम से वे बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रहे हैं और यह फ़िल्म 30 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज़ होगी। अजय भूपति के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक-एक्शन फ़िल्म को एक अच्छा मौका मिला है क्योंकि इस दौरान किसी बड़े स्टार की फ़िल्म रिलीज़ नहीं हो रही है। प्रोड्यूसर पी. किरण और प्रेजेंटर अश्विनी दत्त फ़िल्म की चर्चा बनाए रखने के लिए ज़ोर-शोर से प्रमोशन करने की योजना बना रहे हैं। राशा थडानी इस फ़िल्म से जया कृष्णा के साथ तेलुगु सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। 30 जुलाई की तारीख का एक खास महत्व है, क्योंकि इसी दिन 1999 में महेश बाबू की फिल्म राजकुमारुडु रिलीज़ हुई थी। पहले यह फिल्म 9 जुलाई को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने तारीख बदल दी ताकि यह अखिल की फिल्म लेनिन के साथ न टकराए। मोहन बाबू विलेन का रोल निभा रहे हैं, जिससे फिल्म में स्टार पावर जुड़ गई है। अजय भूपति ने तिरुपति-चित्तूर की पृष्ठभूमि में रोमांस, इमोशन और ज़बरदस्त एक्शन का मेल दिखाया है। प्रमोशनल कंटेंट में जया कृष्णा की दमदार मौजूदगी और राशा के साउथ इंडियन लुक, एक्शन अवतार और डांस स्किल्स की तारीफ़ हो रही है। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री चर्चा का मुख्य विषय है। जीवी प्रकाश कुमार के संगीत और शानदार विज़ुअल्स ने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेज़ी से चल रहा है और जल्द ही ट्रेलर से जुड़ी जानकारी मिलने की उम्मीद है। अजय भूपति ने युवा प्रेम को पूरी शिद्दत के साथ दिखाया है और कमर्शियल एलिमेंट्स व ज़मीनी भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखा है। मोहन बाबू का अहम रोल कहानी के टकराव को और मज़बूत बनाता है, जबकि राशा की बॉलीवुड में लोकप्रियता फिल्म की पहुँच बढ़ाने में मदद करती है। महेश बाबू के भतीजे के ज़रिए कृष्णा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, श्रीनिवासा मंगपुरम का लक्ष्य परिवार और एक्शन पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक बेहतरीन डेब्यू फिल्म पेश करना है।

धमाल 4 का दुनियाभर में कहर, अल्फा से पेद्दी तक 26 फिल्मों के उड़ाए परखच्चे, 100 करोड़ से रह गई इंचभर दूर

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अपने नाम की तरह ही इस कॉमेडी-ड्रामा ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाकर रख दिया है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म धमाल फ्रैंचाइजी की चौथी कड़ी है, जो रिलीज के बाद से ताबड़तोड़ कारोबारी करती जा रही है। इसके आगे आलिया भट्ट की अल्फा और अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल का कैसा हाल रहा? आइए जानते हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के तीसरे दिन 28.50 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है। फिल्म ने 14 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था और दूसरे दिन 22.50 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके बाद घरेलू स्तर पर फिल्म कुल 65 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। वहीं इसका वैश्विक कुल कलेक्शन 92 करोड़ तक पहुंच गया है। फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, रवि किशन और जावेद जाफरी भी अहम किरदारों में शामिल हैं। उधर आलिया अभिनीत फिल्म अल्फा ने रिलीज के 10वें दिन 2.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ घरेलू स्तर पर फिल्म का कुल नेट कलेक्शन एक सप्ताह में महज 53.60 करोड़ रुपये हो सका है। फिल्म में शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर भी हैं। दूसरी ओर, वेलकम टू द जंगल भी सुस्त गति से आगे बढ़ रही है। इसने 17वें दिन 1.90 करोड़ कमाए हैं, जिससे कुल कलेक्शन अब 129.55 करोड़ रुपये हो गया है।

दुनियाभर में लेनिन का तहलका, तीन दिन में धुआंधार कमा डाले करोड़ों, अखिल अक्किनेनी की बनी सबसे बडी हिट

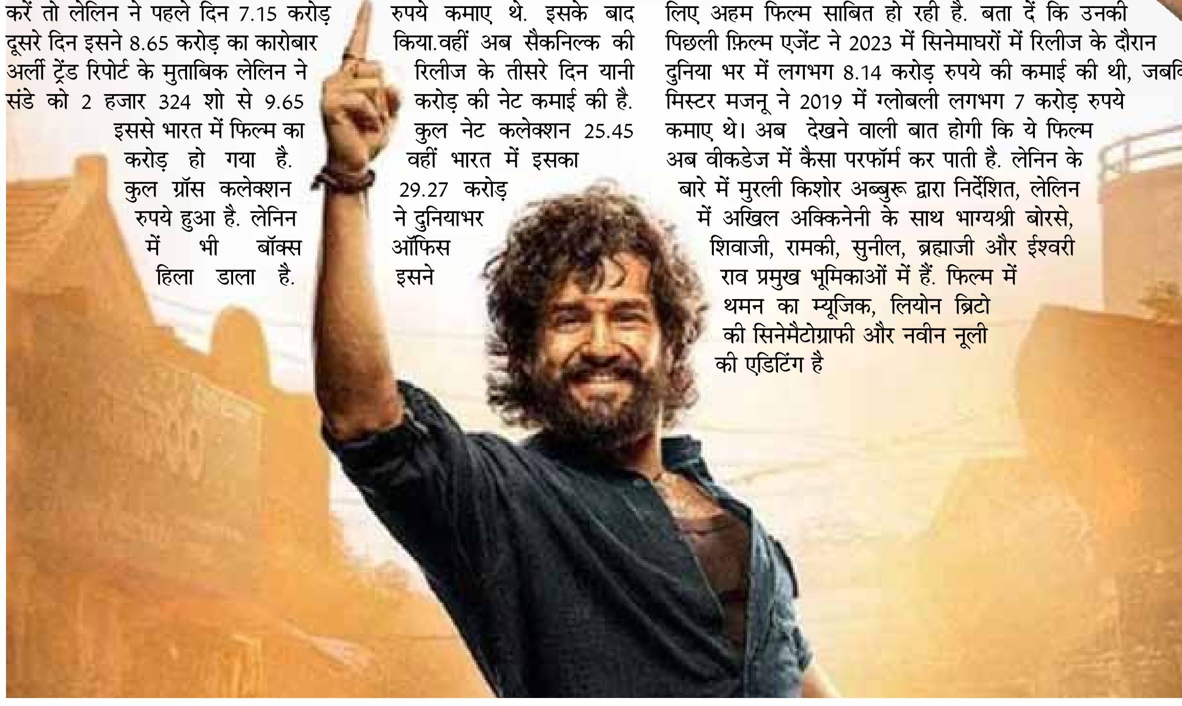

अखिल अक्किनेनी की फिल्म लेनिन 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस रूरल एक्शन ड्रामा फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. दमदार ओपनिंग के बाद फिल्म की कमाई में वीकेंड पर भी जबरदस्त उछाल देखा गया. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है? लेलिन को सिनेमाघरों मे रिलीज होन के बाद क्रिटिक्स से मिला-जुला रिव्यू मिल था. बावजूद इसके इस फिल्म को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं. फिल्म की अच्छी शुरुआत हुई थी और अपने ओपनिंग वीकेंड पर भी ये ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो लेलिन ने पहले दिन 7.15 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद दूसरे दिन इसने 8.65 करोड़ का कारोबार किया.वहीं अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक लेलिन ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 2 हजार 324 शो से 9.65 करोड़ की नेट कमाई की है. इससे भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 25.45 करोड़ हो गया है. वहीं भारत में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 29.27 करोड़ रुपये हुआ है. लेनिन ने दुनियाभर में भी बॉक्स ऑफिस हिला डाला है. इसने ओवरसीज में तीसरे दिन 2.00 करोड़ कमाए, जिससे विदेश में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 7.80 करोड़ हो गया है. वहीं दुनिया भर इसकी कुल ग्रॉस कमाई अब 37.07 करोड़ रुपये हुई है. लेनिन ने रिलीज के तीन दिन में ही वर्ल्डवाइड 37 करोड़ से ज्यादा कमाई कर डाली है. इसी के साथ ये फिल्म अखिल की हाल से सालों में सबसे बड़ी कमर्शियल हिट बन गई है. खास तौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे अहम बाजारों में अच्छी ऑक्यूपेंसी के साथ इस फिल्म ने तहलका मचा दिया है. लेलिन अखिल के करियर के लिए अहम फिल्म साबित हो रही है. बता दें कि उनकी पिछली फ़िल्म एजेंट ने 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज के दौरान दुनिया भर में लगभग 8.14 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि मिस्टर मजनू ने 2019 में ग्लोबली लगभग 7 करोड़ रुपये कमाए थे। अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म अब वीकडेज में कैसा परफॉर्म कर पाती है. लेनिन के बारे में मुरली किशोर अब्बुरू द्वारा निर्देशित, लेलिन में अखिल अक्किनेनी के साथ भाग्यश्री बोरसे, शिवाजी, रामकी, सुनील, ब्रह्माजी और ईश्वरी राव प्रमुख भूमिकाओं में हैं. फिल्म में थमन का म्यूजिक, लियोन ब्रिटो की सिनेमैटोग्राफी और नवीन नूली की एडिटिंग है

आकांक्षा ने सैर करवाई 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन ने अपने फैंस को सस्पेंस से भरपूर फिल्म 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की एक एक्सक्लूसिव सैर करवाई। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आकांक्षा रंजन ने एक विशेष बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) कैरोसेल साझा किया, जिसमें अपने किरदार 'सोमा मेहतानी' को पर्दे पर जीवंत करने के पीछे की गहन मेहनत और समर्पण की एक झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों ने फिल्म निर्माण की वास्तविक बैकस्टेज कहानी को उजागर किया, जिससे दर्शकों को पता चला कि पर्दे पर दिखने वाली कहानी को बनाने में कितनी बारीकी और परिश्रम लगता है। बीटीएस कैरोसेल में सेट के कई दिलचस्प पल शामिल थे, जिन्होंने फिल्ममेकिंग के हर पहलू को दर्शाया। कभी आकांक्षा घंटों तक प्रोस्थेटिक मेकअप में मेहनत झेलती नजर आईं, जो उनके किरदार की जटिलता और उसमें लगने वाले समय को दर्शाता है। कभी वह अनुभवी अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखीं, जिससे उनके अभिनय कौशल और सेट पर उनके तालमेल की झलक मिली। कॉस्ट्यूम ट्रायल्स की तस्वीरें भी साझा की गईं, जो किरदार के लुक को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को दर्शाती हैं। इसके अलावा, क्लैपरबोर्ड के शॉट्स और फिल्म में दिखे उनके हॉस्पिटल लुक की झलकियां भी इस कैरोसेल का हिस्सा थीं, जिससे फैंस को फिल्म के निर्माण के हर चरण की जानकारी मिली। इन तस्वीरों ने दर्शकों को फिल्म बनाने की दुनिया के करीब ला दिया और कलाकारों की लगन से रूबरू कराया। आकांक्षा ने अपने पोस्ट पर एक दमदार कैप्शन दिया, रहमान डकैत की दी हुई मौत बड़ी कसाईनुमा होती है। यह कैप्शन फिल्म के गहरे और रहस्यमयी प्लॉट की ओर इशारा करता है, और उनके किरदार सोमा मेहतानी की कहानी में होने वाले दर्दनाक अनुभवों की झलक देता है। 'इक्का' में आकांक्षा ने सोमा मेहतानी का किरदार निभाया है, जो फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी का दिल है। कोर्टरूम थ्रिलर जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कहानी का हर मोड़ और भावनात्मक टकराव सोमा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिससे आकांक्षा की परफॉर्मेंस इस फिल्म की जान बन जाती है। उनका किरदार दर्शकों को सीट से बांधे रखने में कामयाब रहा और उन्होंने अपनी भावनाओं के जरिए फिल्म को एक नया आयाम दिया। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इक्का' इस साल आकांक्षा का दूसरा प्रमुख प्रोजेक्ट है, जो उनके करियर की तेज रफ्तार को दर्शाता है। इससे पहले, वह ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 में डॉ. गर्गी के उनके किरदार के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से खूब प्यार और सराहना पा चुकी हैं।

संगीत परिवार में जन्मीं थी सुलक्षणा पंडित, दर्द भरी थी जिंदगी

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मीं अभिनेत्री और पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित बचपन से ही संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं। सुलक्षणा पंडित ने अपने अभिनय और मधुर आवाज के दम पर फिल्म जगत में अलग पहचान बनाई। उनके पिता और चाचा शास्त्रीय संगीत के जाने-माने कलाकार थे, जबकि उनके भाई जतिन और ललित आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सफल संगीतकार जोड़ी के रूप में स्थापित हुए। जतिन-ललित ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है और मोहब्बतें जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार संगीत दिया। सुलक्षणा पंडित ने बेहद कम उम्र में ही पार्श्व गायन की शुरुआत कर दी थी। मात्र नौ वर्ष की आयु में उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और वर्ष 1967 में फिल्म तकदीर के गीत सात समुंदर पार से में लता मंगेशकर के साथ अपनी आवाज देकर पहचान हासिल की। इसके बाद उन्होंने लगभग 70 से अधिक फिल्मों में गीत गाए। मौसम मौसम लवली मौसम, जब आती होगी याद मेरी, बेकरार दिल तू गाए जा, प्यारे-प्यारे से लगते हैं आप, परदेसिया तेरे देश में, दिल-ए-नादान तुझे हुआ क्या है और तुम जो मिल गए जैसे कई लोकप्रिय गीतों ने उन्हें एक सफल गायिका के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1975 में फिल्म संकल्प के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। गायन के साथ-साथ सुलक्षणा पंडित ने अभिनय में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने वर्ष 1975 में अभिनेता संजीव कुमार के

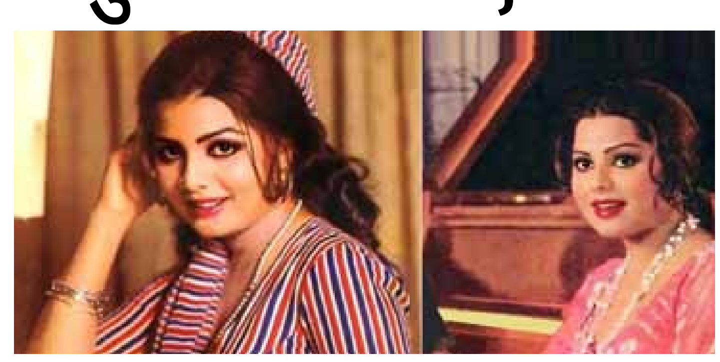

साथ फिल्म उलझन से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह हेराफेरी, अपनापन, फांसी, वक्त की दीवार, दो वक्त की रोटी और धर्म कांटा जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने जीतेंद्र, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना, शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया और 1970 तथा 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल रहीं। सुलक्षणा पंडित की निजी जिंदगी उतनी सुखद नहीं रही, जितनी उनकी पेशेवर सफलता थी। फिल्म उलझन की शूटिंग के दौरान उन्हें अभिनेता संजीव कुमार से प्रेम हो गया था। उन्होंने विवाह का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन संजीव कुमार ने इसे स्वीकार नहीं किया। इस घटना ने उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुंचाया। वर्ष 1985 में संजीव कुमार के निधन और उसके कुछ समय बाद अपनी मां को खो देने के बाद वह पूरी तरह टूट गईं। इन घटनाओं के बाद उन्होंने विवाह न करने का फैसला किया और धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से भी दूरी बना ली। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में सुलक्षणा पंडित सार्वजनिक जीवन से लगभग दूर रहीं। उनकी सुरीली आवाज, प्रभावशाली अभिनय और सादगी भरा व्यक्तित्व आज भी सिने प्रेमियों के दिलों में जीवित है।

क्या आपको निर्णय लेते समय महसूस होता है तनाव ? इन 5 संकेतों से चलेगा पता

हम रोजमर्रा के जीवन में कई छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है या कौन-सा शो देखना है। इन फैसलों का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। अगर आपको लगता है कि आप लगातार छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस कर रहे हैं तो यह संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। आइए इसके 5 संकेत जानते हैं।

अगर आप रोजाना कई छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस करते हैं तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप रोजाना यह सोचते हैं कि आज क्या पहनना है या क्या खाना है और इससे आपको मानसिक रूप से परेशानी होती है तो यह दिखाता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसी स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।

छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोच-विचार करनाः अगर आप छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोचते रहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। जैसे कि क्या खाना है या कौन-सा कपड़ा पहनना है, इन मामलों में ज्यादा सोचने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है। इससे आपका मूड भी प्रभावित होता है और आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप कुछ फैसले पहले ही तय कर लें, ताकि आपको बार-बार सोचना न पड़े। अगर आपका मूड बार-बार बदलता रहता है और आप खुद को उदास या चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते हैं या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद को थोड़ा समय देना जरूरी है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

ज्यादा चिंता होनाः अगर आप अक्सर बहुत ज्यादा चिंता करते रहते हैं, खासकर छोटे-छोटे मामलों को लेकर तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है कि

आपको निर्णय लेने की थकावट है। ज्यादा चिंता करने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है और आप खुद को बहुत थका हुआ महसूस कर सकते हैं। इस स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

खुद पर शक करनाः अगर आप अक्सर अपने फैसलों पर शक करते रहते हैं और खुद को गलत ठहराते रहते हैं तो यह भी एक जरूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद पर शक करना बंद करें और अपने फैसलों पर विश्वास रखें, ताकि आपकी मानसिक ऊर्जा फिर से प्राप्त हो सके।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा। स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने

लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया। दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी। पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शॉट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

विश्व कप बचाने का दबाव अर्जेंटीना पर : इंग्लैंड डिफेंडर मार्क गुएही

एजेंसी, अटलांटा । फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के डिफेंडर मार्क गुएही ने कहा है कि मौजूदा विश्व चैंपियन होने के कारण खिताब बचाने का पूरा दबाव अर्जेंटीना पर है, जबकि उनकी टीम बिना किसी दबाव के मैदान में उतरेगी। वहीं डिफेंडर एजरी कोन्सा ने खिलाड़ियों से इंग्लैंड और अर्जेंटीना की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी बाहरी चर्चाओं को नजरअंदाज करने की अपील की। इंग्लैंड की टीम मंगलवार को अटलांटा पहुंची, जहां बुधवार को मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में उसका मुकाबला अर्जेंटीना से होगा। इस मैच के विजेता का सामना फाइनल में स्पेन से होगा। मार्क गुएही ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम पर कोई दबाव नहीं है। आखिर दबाव किस बात का? दबाव तो अर्जेंटीना पर है। वे मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अपना खिताब बचाना है। हम पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है।" उन्होंने आगे कहा, "हर कोई इस मुकाबले को लेकर उत्साहित है। बड़ा मैच है, सामने बड़े खिलाड़ी हैं। हम सभी इस चुनौती का आनंद लेने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।" इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मुकाबले से पहले दोनों देशों की पुरानी प्रतिद्वंद्विता की खूब चर्चा हो रही है। 1986 विश्व कप में डिएगो माराडोना का विवादित 'हैंड ऑफ गॉड' गोल और 1998 विश्व कप में

डेविड बेकहम का रेड कार्ड आज भी फुटबॉल इतिहास के चर्चित पल हैं। इसके अलावा 1982 के फ़ॉकलैंड युद्ध को लेकर भी दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव रहा है। हालांकि एजरी कोन्सा ने कहा, "हमें सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देना है। इतिहास को भूलकर मैदान में उतरना होगा। किसी भी तरह की भावनाओं में बहने की जरूरत नहीं है। हमें वही करना है जो हम सबसे बेहतर कर सकते हैं।" मुख्य कोच थॉमस टुखेल द्वारा नॉर्वे के खिलाफ प्रदर्शन पर की गई आलोचना को लेकर भी कोन्सा ने टीम का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, "हमारी टीम एकजुट है। हमारे बीच कोई समस्या नहीं है। ऐसे टूर्नामेंट में मानसिक मजबूती सबसे महत्वपूर्ण होती है। बाहरी बातें हमेशा होती रहेंगी, लेकिन हमें उन्हें नजरअंदाज करना आता है। हम लंबे समय से इस स्तर पर खेल रहे हैं और जानते हैं कि इन चीजों से कैसे निपटना है।"

अर्जेंटीना पर हो रही आलोचना गलत, सेमीफाइनल तक पहुंचना हमारी ताकत का सबूत : कोच स्कालोनी

एजेंसी, अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ने से पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर हो रही आलोचना को अनुचित बताया है। स्कालोनी ने कहा है कि मौजूदा विश्व चैंपियन छह में छह मुकाबले जीतकर अंतिम चार में पहुंचा है और यह अपने आप में टीम की गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण है। विश्व कप 2026 में लगातार छह जीत दर्ज करने के बावजूद अर्जेंटीना के प्रदर्शन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। टीम को राउंड ऑफ-32 में केप वर्डे और क्वार्टर

फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ अतिरिक्त समय तक संघर्ष करना पड़ा, जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी। हालांकि स्कालोनी ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, "टीम उतना खराब नहीं खेल रही है, जितना लोग कह रहे हैं। अगर हम यहां तक पहुंचे हैं, तो जाहिर है हमने कुछ सही किया है।" स्कालोनी ने अपनी टीम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, "मैं अपने खिलाड़ियों का आभारी हूं। उन्होंने हमें तीन बड़े खिताब दिलाए हैं और अब एक और विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया है। हम फाइनल से सिर्फ एक जीत दूर हैं और वहां पहुंचने के लिए अपना सबकुछ झोंक देंगे।" उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेल की खूबसूरती से ज्यादा नतीजे मायने रखते हैं।

स्पेन ने लगातार 37 मैचों तक अजेय रहकर की इटली के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

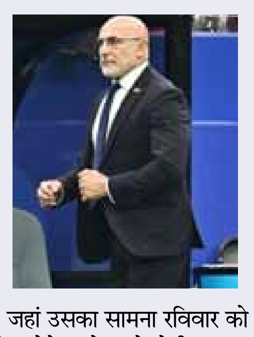

एजेंसी, डलास। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराने के साथ ही स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद स्पेन ने 37 मैचों तक अजेय रहने के इटली के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो ने गोल किए। इस जीत के साथ मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने विश्व कप फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना रविवार को न्यू जर्सी में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। स्पेन ने लगातार 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हार का सामना नहीं किया है। इसके साथ ही उसने इटली के 2018 से 2021 के बीच बनाए गए 37 मैचों के अपराजेय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन अब फाइनल जीतकर 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब अपने नाम करने की दहलीज पर है।

स्पेन से हार के बाद टूटे एमबाप्पे ने कहा, हमने विश्वकप सेमीफाइनल जैसा खेल नहीं खेला

एजेंसी, आर्लिंग्टन

फीफा विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में स्पेन से 0-2 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने कहा कि उनकी टीम ने वैसा प्रदर्शन ही नहीं किया, जैसा विश्वकप के सेमीफाइनल में होना चाहिए था। उन्होंने माना कि फ्रांस रणनीतिक, तकनीकी और समग्र प्रदर्शन के स्तर पर स्पेन से काफी पीछे रहा। पूरे टूर्नामेंट में आठ गोल कर शानदार फॉर्म में रहे एमबाप्पे अपनी टीम को लगातार तीसरे विश्वकप फाइनल में नहीं पहुंचा सके। स्पेन ने एटीएंडटी स्टेडियम में फ्रांस को हराकर उसका खिताब

जीतने का सपना तोड़ दिया। मैच के बाद एमबाप्पे ने फ्रैंच ब्रॉडकास्टर एम6 से कहा, "मुझे नहीं लगता कि हमने वैसा मैच खेला, जैसा हम खेलना चाहते थे। चाहे रणनीति की बात हो, तकनीकी स्तर की या हमारे पूरे प्रदर्शन की, हम हर मोर्चे पर पीछे रहे।" उन्होंने कहा, "जब आप विश्वकप के सेमीफाइनल में वह नहीं करते, जो करना चाहिए तो आप जीत नहीं सकते।" एमबाप्पे ने बताया कि फ्रांस की योजना स्पेन पर आगे से दबाव बनाकर उसे अपने खेल की लय में आने से रोकने की थी। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य था कि हम स्पेन पर आगे से दबाव बनाएं ताकि वह अपने धीमे और नियंत्रित खेल में न आ सके। क्योंकि खेल को नियंत्रित करने में वे हमसे बेहतर हैं लेकिन हम इसमें पूरी तरह असफल रहे।" एमबाप्पे ने हार का सबसे बड़ा कारण मिडफील्ड की कमजोरी को बताया।

बिजनेस

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना पर राज्य स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी, जयपुर

बैंक ऑफ बड़ौदा के संयोजन में कार्यरत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) राजस्थान ने बुधवार को भारत सरकार की आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस 5.0) पर राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, एसएलबीसी राजस्थान की संयोजक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की महाप्रबंधक परिमिता मिश्रा, राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (आरआईटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येन्द्र कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक राव क्षितिजराज सिंह, एमएसएमई-डीएफओ के निदेशक प्रदीप ओझा, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा तथा एनसीजीटीसी की सहायक महाप्रबंधक मेधा गुरव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य

सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की सकारात्मक नीतियों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। यह योजना विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 का उद्देश्य वैश्विक व्यवधानों, विशेषकर पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न तरलता संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे उद्यमों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इससे उद्योगों का संचालन सुचारु रहेगा, रोजगार सुरक्षित होंगे तथा आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। उन्होंने बैंकों से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उद्यमियों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। एसएलबीसी राजस्थान की संयोजक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की महाप्रबंधक परिमिता मिश्रा ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 केवल वित्तीय सहायता योजना नहीं, बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान का मिशन है। उन्होंने कहा कि बैंकों का दायित्व है कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र उद्यमी तक पहुंचाया जाए। आरआईटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संस्थानों और बैंकों के समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम में एमएसएमई उद्यमियों की सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की गईं तथा पात्र लाभार्थियों को योजना के तहत वित्तीय सहायता के चेक वितरित किए गए। इस दौरान एनसीजीटीसी एवं पीएसबी एलायंस की टीम ने योजना की विस्तृत प्रस्तुति दी और प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग की उप सचिव गरिमा कपूर ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। भारतीय रिजर्व बैंक के उप महाप्रबंधक राव क्षितिजराज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों, विभिन्न ऋणदाता संस्थानों, उद्यमियों और लाभार्थियों के साथ एसएलबीसी राजस्थान के प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक राज कुमार मीणा भी उपस्थित रहे।

मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाये 3.37 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

एक दिन की कमजोरी के बाद घरेलू शेयर बाजार आज वापस हरे निशान में पहुंच कर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में बाजार मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए लगातार बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि दोपहर एक बजे के करीब बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने वापस हरे निशान में जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज बाजार की मजबूती की वजह से निवेशकों को लगभग 3.37 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। बीएसई का सेंसेक्स आज 137.82 अंक की मजबूती के साथ 77,192.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 591.33 अंक की मजबूती के साथ 77,646.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद काफी देर तक यह सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ दिन के ऊपरी स्तर के करीब ही कारोबार करता रहा।

दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले अचानक बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 663.45 अंक टूट कर 72.12 अंक की कमजोरी के साथ 76,982.82 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर इस सूचकांक को दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया।

पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 202.61 अंक की रिकवरी कर 130.49 अंक की बढ़त के साथ 77,185.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 33.80 अंक की छलांग लगा कर 24,085.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी देर में ही निफ्टी 168.30 अंक की उछाल के साथ 24,220.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद दिन के पहले सत्र में लगातार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा। दिन के दूसरे सत्र में भी करीब एक घंटे तक यही स्थिति बनी रही, लेकिन दोपहर एक बजे के करीब जबरदस्त बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली के कारण थोड़ी देर में ही निफ्टी ऊपरी स्तर से 209.80 अंक लुढ़क कर 41.50 अंक की कमजोरी के साथ 24,010.55 अंक के स्तर तक आ गया। इस जोरदार गिरावट के तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण यह सूचकांक वापस हरे निशान में पहुंच कर कारोबार करने लगा। दिनभर हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी दिन के निचले स्तर से 67.95 अंक सुधर कर 26.45 अंक की मामूली मजबूती के साथ 24,078.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही।

सर्राफा बाजार में और सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में आज भी बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई

है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरूआत, अबूधाबी के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की पहली उड़ान

एजेंसी, नई दिल्ली/अबू धाबी । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय सेवा की शुरुआत हुई, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरपोर्ट से अबूधाबी के लिए पहली उड़ान भरी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने हवाई अड्डे से अबूधाबी के लिए पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित की। करीब 100 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान भारतीय समयानुसार देर रात 2:55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने करीब 2.30 (ढाई घंटे) का सफर तय कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी हवाई अड्डे पर लैंडिंग की। एयरलाइन के मुताबिक यह उड़ान एयर इंडिया एक्सप्रेस बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। इस उड़ान के साथ जल्दी खराब होने वाले (पेरिशेबल) उत्पादों की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप भी भेजी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस हफ्ते में 3 बार अबूधाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर, 2025 को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से घरेलू सेवाएं शुरू हुई थीं।

स्टॉक मार्केट में कुसुमगर लिमिटेड की जोरदार शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

इंजीनियरिंग फैब्रिक्स और एयरोस्पेस एवं डिफेंस सॉल्यूशंस का निर्माण करने वाली कंपनी कुसुमगर लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 419 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 36.99 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 574 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 35.80

प्रतिशत प्रीमियम के साथ 569 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर बीएसई पर 631.35 रुपये और एनएसई पर 625.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर गिरकर 567.95 रुपये के स्तर तक भी आया, लेकिन बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर इस शेयर के भाव को दोबारा तेज कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर बीएसई पर 604.45 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 602.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को लगभग 44 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ 08 से 10 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।